ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 05 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-273

फसल क्षति का तत्काल सर्वेक्षण कर दिया जाए मुआवजा: आर. अशोक @ नम्मा बेंगलूरु

पीएम मोदी ने युवाओं को दी 62,000 करोड़ की योजनाएं

बिहार के 5 लाख स्नातकों को मिलेगा मासिक भत्ता

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) के टॉपर्स को सम्मानित किया। पीएम मोदी ने कौशल दीक्षांत समारोह 2025 के दौरान 62,000 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित योजनाओं का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान पटना से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी जुड़े। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, कुछ वर्ष पहले हमारी सरकार ने आईटीआई छात्रों के लिए व्यापक स्तर पर दीक्षांत समारोह आयोजित करने की नई परंपरा शुरू की थी। आज इसी परंपरा की एक और कड़ी के साक्षी हम सभी बन रहे हैं। मैं भारत के कोने-कोने से हमारे साथ जुड़ने वाले सभी युवा आईटीआई छात्रों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। यह समारोह इस बात का प्रतीक है कि आज का भारत कौशल को कितनी प्राथमिकता देता है।

आईटीआई के टॉपर्स को प्रधानमंत्री ने किया सम्मानित

कर्पूरी ठाकुर के नाम पर खुलेगा कौशल विश्वविद्यालय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इस कार्यक्रम के माध्यम से बिहार के हजारों युवा हमसे जुड़े हैं। इस पीढ़ी को शायद अंदाज़ा नहीं होगा कि ढाई दशक पहले बिहार की शिक्षा व्यवस्था कितनी जर्जर थी। न ईमानदारी से स्कूल खुलते थे, न ही भर्तियां होती थीं। कौन माता-पिता नहीं चाहेगा कि उसका बच्चा यहां पढ़े और आगे बढ़े। लेकिन मजबूरी में लाखों बच्चे बिहार छोड़कर वाराणसी, दिल्ली और मुंबई जाने को मजबूर हुए। यहीं से पलायन की असली शुरुआत हुई। सौभाग्य से बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को सरकार की जिम्मेदारी सौंपी, और हम सब गवाह हैं कि कैसे पूरी एनडीए टीम ने मिलकर बिगड़ी हुई व्यवस्था को पटरी पर लाने का काम किया। मुझे खुशी है कि आज के कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय मिला है। नीतीश कुमार की सरकार ने इस विश्वविद्यालय का नाम भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के नाम पर रखा है।

प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम को बिहार के युवाओं के सशक्तिकरण के लिए एक बड़ा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन दर्शाता है कि एनडीए सरकार बिहार के युवा लड़के-लड़कियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। पीएम मोदी ने आईटीआई और औद्योगिक शिक्षा संस्थानों को न केवल आत्मनिर्भर भारत के बेहतरीन संस्थान बताया, बल्कि उन्हें एक तरह से आत्मनिर्भर भारत की वर्कशॉप भी कहा, जो देश के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। ▶10पर

फर्रुखाबाद के कोचिंग सेंटर में भीषण बम धमाका

दो छात्रों के चीथड़े उड़ गए 12 छात्र गंभीर हाल में

फर्रुखाबाद, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में एक कोचिंग सेंटर में ताकतवर बम विस्फोट में दो छात्रों के चीथड़े उड़ गए। करीब एक दर्जन बच्चे बुरी तरह जख्मी हैं, जिन्हें गंभीर हालत में अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कोचिंग सेंटर में इतना ताकतवर विस्फोट हुआ कि एक किलोमीटर के दायरे में मकान हिल गए। बैलिस्टिक विशेषज्ञों का कहना है कि यह विस्फोट बम प्लांट करने की वजह से हुआ, क्योंकि गैस सिलिंडर फटने से ऐसा भयानक विस्फोट हो ही नहीं सकता। धमाके से आसपास के अनगिनत मकानों के शीशे टूट गए और मौके पर बारूद की गंध काफी देर तक फैली रही। केंद्रीय खुफिया एजेंसियां मामले की जांच में लग गई हैं। एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को भी मामले की जांच में लगाया गया है।

एक किमी के दायरे में हिल गए घर, कोचिंग सेंटर ध्वस्त

मौके पर फैली बारूद की गंध बता रही थी बम की साजिश

फर्रुखाबाद स्थित कादरी गेट थाना क्षेत्र में सातनपुर मंडी के पास द सन क्लासेस कोचिंग सेंटर में भीषण विस्फोट होने से कोचिंग सेंटर का पूरा ढांचा ध्वस्त हो गया। बाहर की स्लैब और पक्की दीवारें 50 मीटर दूर जा गिरीं, जबकि बाहर लगी लोहे की जाली डेढ़ सौ मीटर दूर पानी के गड्ढे में जा गिरी। यह विस्फोट इतना भयानक था कि कुछ छात्रों के शरीर क्षत विक्षत होकर इधर-उधर बिखर गए और घटना स्थल इर्द-गिर्द बिखरे मिले। छात्रों की मोटरसाइकिल, स्कूटी और साइकिलें 50 मीटर दूर तक जा गिरे। घटना के समय कोचिंग सेंटर की लाइब्रेरी भी चल रही थी, जहां बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां, फतेहगढ़ और कादरी गेट थाना पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने कोचिंग सेंटर में मौजूद एक शिक्षक को हिरासत में लिया है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड, फतेहगढ़ और कादरी गेट थानों की पुलिस, फॉरेंसिक टीम और बम स्कायड मौके पर पहुंचे।

इस हादसे का सीएम योगी ने भी संज्ञान लिया है। उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। सीएम योगी ने अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। डीएम, एसपी और सिटी मजिस्ट्रेट भी अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंचे हैं। मृतकों की शिनाख्त और विस्फोट के कारणों की जांच जारी है।

सोशल मीडिया से आतंक फैलाने वाले पर कार्रवाई

सज्जाद गुल की दो करोड़ की संपत्ति जब्त

श्रीनगर, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीनगर पुलिस ने आतंकवादी सज्जाद गुल की करीब दो करोड़ की संपत्ति अवैध गतिविधियां निषेध अधिनियम (यूएपीए) की धारा 25 के तहत जब्त कर ली है। जब्त की गई संपत्तियों में एचएमटी स्थित तीन मंजिला मकान भी शामिल है। पुलिस जांच में सामने आया है कि सज्जाद गुल लंबे समय से आतंकवाद को बढ़ावा देने, भारत विरोधी प्रचार फैलाने और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को भड़काने जैसे गतिविधियों में शामिल रहा है। श्रीनगर पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई आतंकवाद के आर्थिक, लॉजिस्टिक और ऑपरेशनल नेटवर्क को ध्वस्त करने की रणनीति का हिस्सा है। इसमें सीमा पार से मिल रहे समर्थन और आतंकी समर्थकों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर में पिछले कुछ अर्से से आतंकवादियों और आतंकवादियों का समर्थन या संरक्षण देने वाले ▶10पर

केंद्रीय गृह मंत्री ने नक्सलियों को फिर दी चेतावनी

हर हाल में डालने होंगे हथियार, वार्ता नहीं होगी

जगदलपुर, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों को एक बार फिर सख्त चेतावनी दी है। गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों से बातचीत की किसी भी संभावना से इन्कार कर दिया और कहा कि माओवादियों को हर हाल में हथियार डालने ही होंगे और उन्हें सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीतियों को स्वीकार करना होगा। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में बस्तर दशहरा लोकोत्सव और स्वदेशी मेला को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नक्सलवाद की समस्या को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई है।

गृह मंत्री ने कहा, मैं सभी आदिवासी भाइयों और बहनों से कहना चाहता हूं कि अपने गांवों के युवाओं को हथियार डालने के लिए प्रेरित करें। उन्हें हिंसा छोड़नी चाहिए, मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए और बस्तर के विकास का हिस्सा बनना चाहिए। शाह ने चेतावनी दी कि अगर उग्रवादी बस्तर में शांति भंग करते हैं, तो सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस सहित सुरक्षा बल उन्हें करारा जवाब देंगे। अमित शाह ने कहा कि उन्होंने यहां प्रसिद्ध मां दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन किए और प्रार्थना की कि सुरक्षा बलों को अगले साल 31 मार्च तक पूरे बस्तर क्षेत्र को लाल-आतंक से मुक्त कराने की शक्ति मिले। 2023 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान तेज हो गए हैं। सुरक्षा बलों ने पिछले साल जनवरी से अब तक बस्तर क्षेत्र में हुई कई मुठभेड़ों में 450 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया है।

अमित शाह ने कहा, कुछ लोगों ने नक्सलियों से बातचीत की बात कही है। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर दूं कि छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार, दोनों बस्तर और सभी नक्सल प्रभावित इलाकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब बात करने की क्या बात है? एक आकर्षक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति लागू की गई है। आगे आइए और अपने हथियार डाल दीजिए। दिल्ली में कुछ लोग वर्षों से यह दुष्प्रचार करते रहे हैं कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई के लिए हुआ था। लेकिन मैं अपने आदिवासी भाइयों को यह बताने आया हूं कि पूरा बस्तर विकास से वंचित रहा है। इसकी जड़ नक्सलवाद है। अमित शाह ने कहा कि आज भारत के हर गांव में बिजली, पीने का पानी, सड़कें, घरों में शौचालय, पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा ▶10पर

जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा चुनावों की तैयारियां तेज

भाजपा उतारेगी 3 प्रत्याशी कांग्रेस की पसंद भल्ला

जम्मू, 04 अक्टूबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में राज्यसभा चुनावों के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। भाजपा ने घोषणा की है कि वह चार सीटों के लिए तीन उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी जबकि कांग्रेस पूर्व मंत्री रमन भल्ला को राज्यसभा भेजने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) पर दबाव बना रही है। हालांकि नेकां ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

भाजपा ने शनिवार को 24 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में सभी राज्यसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की। भाजपा प्रवक्ता सुनील सेठी ने बताया कि भाजपा ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। भाजपा तीन उम्मीदवार मैदान में उतार रही है। भाजपा पहली दो सीटों के लिए एक-एक उम्मीदवार उतारेगी, जबकि बाकी दो सीटों के लिए केवल एक ही उम्मीदवार ▶10पर

पाकिस्तान से अब भी सक्रिय है बब्बर खालसा

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से भारत में लगातार आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। पंजाब में कई बड़ी वारदातों को अंजाम देने वाला आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) मौजूदा समय में भी पाकिस्तान से अपना नेटवर्क चला रहा है। पाकिस्तान में बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा ने अमेरिका स्थित गैंगस्टर हैप्पी पासिया के साथ मिलकर पंजाब में एक पूर्व पुलिस अधिकारी को मारने की साजिश रची थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने यह खुलासा किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने चंडीगढ़ सेक्टर 10 ग्रेनेड हमले के एक मुख्य आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। इसमें कई अहम खुलासे हुए हैं। इस हमले के मास्टरमाइंड विदेशी बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी थे। पंजाब निवासी अभिजोत सिंह उर्फ बब्बा उर्फ गोपी को इस साल अप्रैल में हुए हमले में शामिल होने के आरोप ▶10पर

राहुल गांधी के राष्ट्र विरोधी बयानों पर कार्रवाई की मांग

राहुल गांधी का डिप्लोमैटिक पासपोर्ट जब्त हो : दुबे

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश जाकर भारत विरोधी बयान देने की बीमारी के शिकार कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने भारत सरकार से राहुल गांधी का डिप्लोमैटिक पासपोर्ट जब्त करने की मांग की है।

निशिकांत दुबे ने कहा कि राहुल गांधी विदेश जाकर वैसे ही बोलते हैं जैसा जाकिर नाइक मलेशिया से बोलता है। जैसा खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू कनाडा और अमेरिका से बोलता है और सैयद सलाहुद्दीन पाकिस्तान से बोलता है, वैसा ही राहुल गांधी भी विदेश जाकर बोलते हैं। निशिकांत दुबे ने कहा, अगर आप विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी की भाषा का सोरोस फाउंडेशन की मदद लेने वाले राहुल गांधी की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली भाषा से मिलान करें, तो दोनों एक जैसे हैं।

राहुल वैसे ही बोलते हैं, जैसा जाकिर नाइक या आतंकी पन्नू

भाजपा सांसद ने कांग्रेस पार्टी से सवाल किया कि आप जिस संविधान का हवाला देते हैं उसका पालन खुद क्यों नहीं करते। दुबे ने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा 1975 में, भाजपा की संस्थापक सदस्य राजमाता सिंधिया ग्वालियर राज-घराने की महारानी थीं। ऐसा कोई चुनाव नहीं है जिसमें राजमाता सिंधिया हारी हों। इसका मतलब है कि लोगों के बीच उनकी अपार लोकप्रियता थी। उन्हें सिर्फ इसलिए जेल में डाल दिया गया क्योंकि वह भारतीय जनता पार्टी के पहले स्वरूप भारतीय जनसंघ की नेता थीं। आपने उन्हें जेल में डाला। उनके घर पर आयकर के छापे मारे गए। उन्हें और जयपुर राज-घराने की महारानी गायत्री देवी को परे-शान किया गया और तिहाड़ जेल में कैद कर दिया गया।

दुबे ने कहा, आप महिलाओं, महिलाओं के अधिकारों की बात करते हैं। आज आप वांगचुक की बात कर रहे हैं। बहुत हंगामा मचा हुआ है। जांच चल रही है। इस हत्या में कितने लोग मारे गए। क्या आपको पता है वांगचुक ने लद्दाख में क्या कहा था। भीमसेन सच्चर एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। वे आंध्र प्रदेश के राज्यपाल भी थे। पुलिस रातों-रात भीमसेन सच्चर को उनके घर से घसीटकर ले गई और आपने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मुझे लगता है कि कांग्रेस पार्टी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। भारत सरकार से मेरी मांग है कि चूंकि राहुल गांधी डिप्लोमैटिक पासपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि उनका डिप्लोमैटिक पासपोर्ट जब्त कर लिया जाए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

हाईकोर्ट जाएगा सबरीमाला मंदिर सोना विवाद

तिरुवनंतपुरम, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड सबरीमाला मंदिर में सोने की परत चढ़ाने में हुई अनियमितताओं की जांच के लिए केरल हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। बोर्ड ने आरोप लगाया कि कुछ लोग राजनीतिक मकसद से मंदिर की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं और सोने के दुरुपयोग के झूठे आरोप लगा रहे हैं।

टीडीबी अध्यक्ष पीएस प्रशांत ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे इस विवाद को एक सुनहरा मौका समझ कर बोर्ड को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट से यह अनुरोध किया जाएगा कि 1998 से अब तक की पूरी जांच कराई जाए, जब उद्योगपति विजय माल्या ने मंदिर के गर्भगृह में सोना चढ़ाने का पूरा खर्च उठाया था। इस बात की जांच हो कि सोने की मात्रा में कोई कमी आई है या नहीं और क्या कुछ लोगों ने प्रायोजक के नाम ▶10पर

एक दूसरे की मदद करें यही जीवन की सार्थकता और सुख का आधार: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि आयुकर्म पुरा होते ही जीव न जाने कहाँ चला जाता है?

इस विराट विश्व में वह कहाँ पर जन्म लेता है? जिसके साथ हमने पुरा जीवन सुख दुख में बिताया है, ऐसा हमारा कोई भी स्वजन हमारे ही आंखो के सामने चला जाता है।

फिर उसका फिर से मिलना तो ऐसे है जैसे एक मोती समूद्र में गीर जाय, फिर वही मोती हमें कब मिले? बस कुछ ऐसा ही है। हम और आप न जाने कौनसी दिशा से कौनसे शहर या गति से यहाँ पर आकर रुके हुए है। क्या हमें स्मरण में है कि, हम कौनसे परिवार को छोड़कर यहाँ आये हुए है? न जाने हमने भूतकाल में कितने ही स्वजनों का साथ छोड़कर यहाँ पर नये नये स्वजन में रहते है। अब विचार करे कि हम किसे अपना स्वजन कहे? इसलिये उसके मोह से निकलकर अपना अनादि का यह भव भ्रमण कैसे मिटे? उस पर गंभीरता से विचार करना चाहिये। प्राप्त पर्याय, परिवार और संयोग यह सब नियम से वियोग को प्राप्त होते ही है। फिर उस पर हो रहे मोह से हम कैसे मुक्त हो? यह विचार कर असंयोगी भगवान जिसका कभी भी वियोग नहीं होता है उस पर अपना पुरा ध्यान केन्द्रित करना है।

अन्यथा भव भ्रमण में रुलना निश्चित है। हम जो जो संयोगों के साथ जी रहे है, उस संयोगों से अलिप्त रहने का प्रयोग को हमें जल्द ही आत्मसात करने में हमें पुरा पुरा ध्यान लगाना है। हमारा मन जल्द संयोगों से अलिप्त हो जाये, यह मुख्य बात है। अनादि से ही संयोगों को ही अपना माना है, इसलिये उससे अलिप्त होने के प्रयोग में पकड़ आना बहोत ही कठीन तो है, परन्तु असंभव नहीं है। इस संसार में 'कोई भी तृप्त नहीं है। जब तक कोई चीज नहीं 'मिलती' बहुत अच्छी लगती है मिलते ही अर्थहीन हो जाती है। अभाव में आकर्षण है। परमात्मा के मार्ग पर वही निकलता है जिसे यह स्पष्ट हो जाता है कि अपने से बाहर जाकर कोई भी कभी सुखी नहीं हो सकता। सदा अपने स्वभाव में रहें। जितने आप अपने से दूर होते जाते हैं। उतने ही दुखी होते जाते हैं सुख चाहिए तो सुख दीजिये। किसी के भी दुख का कारण न बनें। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि हम सबकी नाव तो एक सी नहीं हैं परंतु हमारे सबके जीवन में तूफान एक से ही हैं। किसी के पास बड़ी नाव हैं, किसी के पास डोंगी किसी के पास समुद्री जहाज है, कुछ तैर रहें हैं, कुछ डूबने को हैं, मुसीबतें तो बड़ी छोटी सबकी हैं। बस दयालु बनें और जो भी, जैसे भी, जितना भी कर सकते हैं एक दूसरे की मदद करें यही जीवन की सार्थकता और सुख का आधार है।

अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तहत सौहार्द दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में आयोजित अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तीसरे दिन राजाजीनगर स्थानक भवन में विराजित तप कौमुदी महासती गुरुणी श्री निर्मलाजी के सानिध्य में सांप्रदायिक सौहार्द दिवस मनाया गया।

श्री संघ स्थानक के मंत्री नेमीचंद दलाल ने सभी अणुव्रत समिति सदस्यों व विशेष आगंतुकों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के संयोजक संगठन मंत्री कन्हैया लाल सुराणा ने मंच संचालन करते हुए सर्व प्रथम अणुव्रत समिति के सदस्यों को अणुव्रत गीत के लिए आमंत्रित किया। तत्पश्चात सांप्रदायिक सौहार्द विषय पर मुख्य वक्ता ललित मांडोत ने विचार व्यक्त करते हुए सांप्रदायिक सौहार्द सें विश्व में शांति कैसे स्थापित की जाए आपसी भाईचारे के साथ आशावादी बनने पर जोर देते हुए आज के बदलते परिप्रेक्ष्य में सम्प्रदायवाद से हटकर आपसी सौहार्द की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने अणुव्रत समिति बेंगलूरु के प्रति मानव को मानव का विकास करने हेतु प्रयासरत रहने पर अपनी ओर से शुभकामना संप्रेषित की। अणुव्रत समिति के मंत्री लाभेश कांसवा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मांडोत, सहमंत्री सुरेश चावत, सूरजमल पितलिया ने राजाजी नगर संघ अध्यक्ष प्रकाश चनोदिया, कार्यक्रम के प्रायोजक प्रकाश बाबेल का साल मोमेंटो द्वारा अभिनंदन किया। समिति के सलाहकार कन्हैयालाल चिप्पड़, माणकचंद मुथा, रुपचंद देसरला, विनय बैद, किशोर दलाल, पारस भलगढ, राकेश दलाल आदि की उपस्थिति रही।

पगारिया भाईपा परिवार का भीनमाल हवाई यात्रा संघ सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पगारिया भाईपा परिवार कर्नाटक की ओर से आयोजित नवरात्रि की नव दिवसीय हवाई यात्रा संघ निर्विघ्न यात्रा करके बेंगलूरु पहुंचा।

पगारिया परिवार के महामंत्री अरविंद कोठारी ने बताया कि परिवार की श्रद्धा की केंद्र कुलदेवी क्षेमंकरी माता भीनमाल, अहमदाबाद, महुडी, पालनपुर, तारंगा जी, जीरावला, माउंट आबू, जैसलमेर, ओसियां जी, नाकोडा जी, बाड़मेर, मांडोली, मांडवला आदि अनेक प्राचीन तीर्थों की स्पर्शना इस संघ यात्रा के दौरान की गई। चेयरमैन पारसमल पगारिया ने बताया कि इससे पूर्व भी पगारिया भाईपा परिवार द्वारा सम्मेत शिखरजी, श्रवणबेलगोला, हम्पी, कन्याकुमारी आदि तीर्थों की यात्रा संघ आयोजित किया जा चुका है। यात्रा संघ के व्यवस्थित संचालन हेतु पन्नालाल पगारिया और दिलीप पगारिया को जिम्मेदारी दी गई। यात्रा संघ के मुख्य लाभार्थी सुमतीलाल सिद्धार्थ कुमार पगारिया मैसूरु, सह लाभार्थियों में खीमराज पगारिया, नथमल पगारिया, रंगलाल पगारिया थे। पगारिया भाईपा परिवार के लाभार्थी दिलीप कुमार, गुलाबचंद, माणकचंद, किशनलाल, महेंद्रचंद, जबरचंद, पदमचंद, पन्नालाल, पारसमल, विनोद कुमार, पवन कुमार, कानमल, मांगीलाल पगारिया परिवार थे।

नशा मुक्त दिवस का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयनगर के जगतज्योति बसवेश्वरा फ्री मेन्स हॉस्टल में अणुव्रत समिति विजयनगर द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत तृतीय दिवस नशा मुक्त दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अणुव्रत गीत के गायन से हुआ। समिति अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने उपस्थित सभी का स्वागत किया। हॉस्टल हेड सेक्रेटरी शिवन्ना ने सभी का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह अभियान युवाओं के लिए अत्यंत मार्गदर्शक है। अनुव्रत विश्व भारती (अनुविबा) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने प्रेरणादायी वक्तव्य देते हुए बच्चों को सही जीवन मार्ग पर चलने और जीवन को सार्थक बनाने के उपाय बताए। इसके पश्चात योग क्रिया द्वारा बच्चों को ध्यान कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बी.वी. चंद्रशेखर ने कहा कि नशा करना अपने ही जीवन को समाप्त करने के समान है। साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी बच्चों से नशा न करने का संकल्प भी दिलवाया। कार्यक्रम का सफल संचालन समिति के सह मंत्री श्रीनिवास के.जी. ने किया।

ज्ञान के बिना मोक्ष संभव नहीं: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि नव पद की आराधना के मंगल पूर्व चल रहे हैं। जिसमें जीवन को बदलने का मार्ग मिलता है। गुरु के बिना मानव का जीवन कभी नहीं बदल सकता है। देव भी गुरु की महिमा बताते हैं। ज्ञान, दर्शन, चरित्र और तप से जीवन बदलना संभव है। मनुष्य में अगर ज्ञान नहीं है तो कुछ नहीं है। ज्ञान पाने पर लोक और परलोक सुधरता है। ज्ञान के बिना कोई भी मोक्ष नहीं जा सकता है। चाहे जितना कष्ट उठा लो लेकिन ज्ञान के बिना कुछ संभव नहीं है। जीवन के संशय को दूर हटाना हो तो ज्ञानी बनो। सज्जन जैसा मुक्ति चाहिए तो भी ज्ञान चाहिए। बिना ज्ञान के मानव भव बेकार है। ज्ञानी मनुष्य ही संसार और अच्छे बुरे के बारे में जान सकता है। जब तक ज्ञान

नहीं आएगा तब तक अच्छे बुरे के बारे में पता नहीं चलेगा। जब तक इसका ज्ञान नहीं होगा मोक्ष मार्ग पर जाना संभव नहीं है। जैसे रोग आता है तो तन खराब कर देता है और धन आए तो मनुष्य को बिगाड़ देता है। धन आते ही लोग गलत मार्ग पर चलने लगते है। इसलिए कहते हैं धन भोगों की खान है। ज्ञान सुखों की खान है। पेट भरने का ज्ञान महत्वपूर्ण नहीं होता है। जब ज्ञान आने के बाद मानव तप त्याग के मार्ग पर चलने लगता है तब उसका ज्ञान सही मायने में काम आता है। ज्ञानी मनुष्य को किसी की जरूरत नहीं होती है। ऐसा मनुष्य सबसे पहले संसारी मोह माया से दूर हो जाता है। उसके अंतर मन में ज्ञान का प्रकाश हो जाता है। गुरुदेव ने फरमाया कि आत्मज्ञानी मनुष्य जीवन को बदल कर मोक्ष प्राप्त कर लेता है। ज्ञान का काम आसान नहीं होता है। रात दिन मग्न होने पर ज्ञान प्राप्त होता है। जो समय रहते चीजों को समझते नहीं हैं वह अज्ञानी रह जाते हैं। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी की 59वीं जन्म जयंती एवं वरिष्ठ उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी की जन्म जयंती मनाई जाएगी।

जीण माता मंदिर में भजन संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नेलमंगला स्थित श्री जीण माँ के दीवाने द्वारा जीण माता मंदिर पर गुरुवार दोपहर 3.30 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शुभम शालू कंदोई परिवार ने पूजा अर्चना कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की। तत्पश्चात गायक रामू सिसोदिया एवं स्वाति शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति से उपस्थित भक्तो को झूमने पर मजबूर किया। इस अवसर पर राजकुमार अग्रवाल, मन्ना लाल भामा, बिपिन अग्रवाल, नन्द किशोर चौधरी, विजय चौधरी सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर दर्शन किए।

सम्यग् दर्शन पद की आराधना के लिए उसके बारे में जानना आवश्यक: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी हर्षपूर्णा श्रीजी ने ने नवपद जी की शाश्वत ओली आराधना के छठे दिन प्रवचन में कहा कि सम्यग् दर्शन पद की आराधना के लिए उसके बारे में जानना आवश्यक है। यह महान दर्शन पद की आराधना का दिन है। पिछले 5 दिन तक हमने देव और गुरु तत्व की आराधना की और समझी। आज से धर्म तत्व की आराधना करना है। धर्म को प्राप्त कर के ही धर्मी बना जा सकता है। धर्म तत्व में पहला है सम्यग् दर्शन, इसके बिना सभी प्रकार का ज्ञान मिथ्या ज्ञान कहलाता है। किसी भी प्रकार की क्रिया मिथ्या कहलाती है।

इसलिए सबसे जरुरी और मुख्य तत्व है सम्यग् दर्शन। हमारे हृदय में देव गुरु के प्रति अखंड श्रद्धा जब प्रकट होती है तब हम सम्यक्तवी कहलाएंगे। सम्यक् दर्शन यानि विचारों का शुद्धिकरण, अध्यवसायों का निर्मलीकरण, भावनाओं का उर्ध्विकरण। सम्यक दर्शन आते ही संसार के प्रति मोह कम हो जाता है और सम्यक दर्शन आते ही संयम, त्याग, धर्म क्रिया आराधना की भावना होने लगती है। सम्यग् दर्शन ऐसा पद है जिसके बिना शुरू के पांच पदों में से कोई भी पद प्राप्त नहीं हो सकता।

इसलिए मूल तत्व यही कह सकते हैं। अरिहंत देव की वाणी पर अविहड़ राग का नाम सम्यग् दर्शन है। उस अविहड़ राग के कारण कोई भी झगड़ा, गाली आदि में भी समता भाव टिक सकता है, क्योकि उसे केवल धर्म के प्रति राग है। संसार के प्रति राग वालों को संसार ही दिखता है। धर्म के प्रति राग वालों को मोक्ष दिखता है।

सम्यग् दर्शन की प्राप्ति के बाद हम कह सकते है कि हम मोक्ष में जाएंगे, अर्थात् मोक्ष गति में रिजर्वेशन हो जाता है। हमारे हृदय में सम्यग् श्रद्धा विराजमान हो, देव गुरु धर्म की शुद्ध आराधना हमारे मन में रमती रहे। सम्यग् दर्शन आने के बाद हमारी भावना शुद्ध हो जाती है। हमारे रोम रोम में परमात्मा का वास हो, जैसे एक के अंक के बिना सैकड़ों शून्य का कोई मूल्य नहीं वैसे ही सम्यग् दर्शन के बिना साधना का कोई मूल्य नही है। ऐसा गुरु भगवंत फरमाते हैं। सम्यक् दर्शन ही सभी मंजिलों की नींव हैं। नींव के बिना कोई भी मंजिल नहीं टिक सकती है।

एक बार सम्यग् दर्शन मिलने के बाद असीमित संसार भी उस जीव के लिए सीमित बन जाता है। यह सम्यक दर्शन एक ऐसा अंजन है जिसको आँख में डालने पर हमारा अज्ञानान्धकार नष्ट हो जाता है, विवेक के चक्षु खुल जाते हैं। ऐसे मोक्ष पद प्राप्ति के लिए सम्यक दर्शन पद को बारम्बार नमस्कार करते हैं। साध्वीवर्या ने नवपद जी की आराधना के दौरान श्रीपाल मयणा सुन्दरी चारित्र भी श्रवण करवा रहे हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेएमडी ट्रस्ट द्वारा तातगुनी स्थित दुर्गा देवी मंदिर में दशहरा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां को चुनरी चढ़ाकर अपने वक्तव्य में कहा जहां नारी का सम्मान होता है वहां सुख समृद्धि आनंद खुशियां और प्यार ही प्यार होता है। गायक कलाकार आशीष पांडे द्वारा भजनों की मनभावन प्रस्तुति पर भक्त देर रात तक झूमते रहे। कार्यक्रम में प्रकाश पांडे, राकेश शुक्ला, महेंद्र तिवारी, संतोष मिश्रा, संतोष पांडे, शशि शेखर पांडे, श्रवण शुक्ला, प्रवीण मिश्रा, अनूप शुक्ला एवं बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

एकादशी पर बही भजनों की गंगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नेरघट्टा रोड के नेशनल पार्क के सामने स्थित श्री खाटु श्याम मंदिर पर दशहरा के दूसरे दिन पापाकुंशा एकादशी के तहत मंदिर प्रांगण में सायं 4 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्याम भक्तों ने बड़ी संख्या में दर्शन किए। भक्तों की बड़ी भीड़ को देखते हुए मंदिर कमेटी ने उपस्थित भक्तों से कतारबद्ध होकर दर्शन करने का आह्वान किया। स्थानीय भजन गायकों ने बाबा श्याम को रिझाया।

बाबा श्याम का फुलो से श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

मंत्र में किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं होकर मात्र गुणों का गुणानुवाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नवकार मंत्र से सकारात्मक ऊर्जा और तरंगों का विस्तार होता है।

इस मंत्र में किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं हो कर मात्र गुणों का गुणानुवाद है। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में नवपद आराधना के छट्ठे दिन उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि हम चमत्कार को नमस्कार से आगे बढ़ कर नमस्कार के चमत्कार की अनुभूति करें। श्रीपाल ने नवकार मंत्र पर अपार श्रद्धा रखते हुए कई जटिल समस्याएं सुलझाई और अपार वैभव तथा सम्मान के अधिकारी भी बने। उन्होंने हमेशा बुरे का भी अच्छा किया। उनका मानना था कि शरणागत, रोगी, वृद्ध, गुरु, उपकारी को हमेशा सम्मान देना चाहिए और उनकी गलतियों को भी नजर अंदाज कर देना चाहिए। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री ऋद्धिप्रभा जी ने कहा कि नवकार मंत्र श्रेष्ठ मंगलाचरण है। यह भगवती सूत्र का प्रथम सूत्र है। यह 32 आगम और 14 पूर्वो का सार भी है। अमरकुमार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि दृढ़ श्रद्धा हो तो सूली सिंहासन और अग्नि भी शीतल जल बन जाती है। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि रविवार को गुरु दर्शन यात्रा के करीब 400 दर्शनार्थी प्रवचन श्रवण का लाभ लेंगे। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

फसल क्षति का तत्काल सर्वेक्षण कर दिया जाए मुआवजा: आर. अशोक

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एवं विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने शनिवार को विजयपुरा जिले के इंडी तालुक के अगरखेड़ा गाँव में भीमा नदी की बाढ़ से क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया और उनका निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सरकार को फसल क्षति का तत्काल सर्वेक्षण करवाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि जिन किसान परिवारों की फसलें नष्ट हुई हैं, उन्हें मुआवजा दिया जाए। उन्होंने भारी मात्रा में तोगरी और गन्ने की फसल को बाढ़ के पानी में फँसते देखकर चिंता व्यक्त की। इसके अलावा, उन्होंने बारिश से क्षतिग्रस्त घरों का भी दौरा किया और बाढ़ग्रस्त घरों का भी दौरा किया और किसानों की शिकायतें सुनीं। आर. अशोक समेत कई नेताओं ने भारी बारिश और नदी की बाढ़ के कारण सूरजमुखी के खेतों को काला होते देख दुख जताया। इस दौरान सभी किसानों ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा बारिश अच्छी हुई थी, इसलिए इस बार फसल होने की संभावना थी, हमें उम्मीद थी कि हमारी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। लेकिन भारी बारिश और बाढ़ ने हमें फिर से मुश्किल में डाल दिया है। किसी ने हमारी गुहार नहीं सुनी, आप भी बस आकर चले मत जाइए, हमारी मदद कीजिए। सरकार को हमारी समस्या समझाइए। तब आशा से भरे विपक्षी नेता आर. अशोक, सी.टी. रवि और अन्य ने कहा ऐसा लगता है कि इस सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। यह गैर-जिम्मेदाराना है कि वे कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद उस जगह का दौरा करने का भी शिष्टाचार नहीं रखते। हालाँकि, हम, विपक्ष, आपकी आवाज बनकर सरकार तक पहुँचाने का काम करेंगे। हम आपके साथ हैं। इस मौके पर सांसद रमेश जिगाजिनागी और पी.सी. गद्दीगौदर, रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नादहल्ली, पूर्व मंत्री अप्पासाहेब पट्टनशेट्टी, पूर्व विधायक रमेश बूसानूर, सोमनगौड़ा पाटिल सासनूर, पूर्व विधान परिषद सदस्य अरुण शाहपुर, एससी मोर्चा के राज्य महासचिव उमेश करजोला, विजयपुर जिला अध्यक्ष गुरुलिंगप्पा अंगड़ी, नेता कासुगौड़ा बिरादर, विजुगौड़ा पाटिल, चंद्रशेखर कौतागी, संजय एहोल और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अराजकता और संघर्ष से बचें: डॉ. अश्वथनारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण ने समाज में सद्भाव बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि वे समाज को तोड़ने की कोशिश की पूरी तरह निंदा करते हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आलोचना की कि कुछ लोग समाज की भलाई और प्रगति को बिगाड़ने के लिए दुर्भावनापूर्ण इरादे, षड्यंत्र और लालच रखते हैं। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों को इसका शिकार नहीं बनना चाहिए। रणदीप सुरजेवाला वोटों की धोखाधड़ी के मुद्दे को छोड़कर जाकर देखें कि 'आई लव मोहम्मद' के मामले में क्या हो रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करे। समाज जल रहा है। इस पर ध्यान देने के बजाय, सरकार, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्री क्या करने जा रहे हैं? वे कुछ भी अच्छा नहीं कर रहे हैं। वे विकास नहीं कर रहे हैं। वे शासन नहीं कर रहे हैं। वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं दे रहे हैं। वे आवास और पानी उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। उन्होंने आलोचना की कि आप अपने मुँह में गंदगी डाल रहे हैं। गृह मंत्री जी परमेश्वर जी आपको अगर जरा भी जानकारी है, तो कार्रवाई कीजिए।

आप मुख्यमंत्री की दुनिया में हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को इस तरह के भ्रम में झगड़ों में नहीं पड़ना चाहिए। वे आई लव मोहम्मद जुलूस क्यों निकाल रहे हैं? इसके पीछे कौन है। यह समाज में सांप्रदायिक दंगे भड़काने, उन्हें भड़काने, समाज में शांति भंग करने और दंगे कराने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि इस जुलूस से पहले ही इसकी शुरुआत आई लव मोहम्मद के पोस्टरों से हो गई थी। सरकार भी निष्क्रिय है। इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इसका मतलब है कि जासूसी निष्क्रिय है, और इसे बढ़ावा देने का काम सरकार कर रही है। उन्होंने समाज से इस पर प्रतिक्रिया न देने की अपील की। उन्हें जो भी दिया गया है, उससे वे संतुष्ट नहीं हैं। उनका स्पष्ट इरादा है कि कोई भी अमन-चैन से न रहे। क्या केंद्र सरकार जाति जनगणना नहीं कराती? जाति जनगणना कराने का अधिकार किसके पास है? क्या राज्य के पास अधिकार है। हाईकोर्ट ने कहा कि यह अनिवार्य नहीं है। उन्होंने पूछा कि क्या यह पूरी जनगणना हो सकती है?

एनडीआरएफ अनुदान का उपयोग गारंटी योजनाओं के लिए नहीं किया जा रहा: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एनडीआरएफ अनुदान का उपयोग गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जा रहा है, जैसा कि विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया है। बेलगावी में शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि गारंटी योजनाओं की सफलता ने भाजपा नेताओं को झकझोर दिया है और इस तरह के बयान हार के डर से दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा गारंटी योजनाओं की सफलता से घबराकर उन्होंने बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और हरियाणा में भी यही दोहराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि गारंटी योजनाओं का कार्यान्वयन असंभव है। लेकिन कांग्रेस सरकार ने अपनी बात पर अमल किया। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने पर भाजपा एमएलसी सी.टी. रवि की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री का पद कांग्रेस का आंतरिक मामला है और भाजपा को इस पर अपना सिर फोड़ने की जरूरत नहीं है। सिद्धरामैया ने कहा कि उन्होंने वर्ष 2017 में बेलगावी में बीआईएमएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की आधारशिला रखी थी। हालांकि, पिछली भाजपा सरकार के दौरान यह काम पूरा नहीं हो पाया। अब, मुझे उस परियोजना का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है जिसकी मैंने आधारशिला रखी थी। सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया कि सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का रखरखाव किसी निजी संस्था को नहीं सौंपा गया है।

कोर्ट ने राज्य के मल्टीप्लेक्स में फिल्म टिकटों पर लगाई गई 200 रुपये की सीमा पर लगाई रोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उच्च न्यायालय ने राज्य के मल्टीप्लेक्स में फिल्म टिकटों पर लगाई गई 200 रुपये की सीमा पर रोक लगा दी है और फिल्म देखने वालों से कहा है कि वे अदालत के अंतिम फैसले तक अपने टिकट और भुगतान रसीदें संभाल कर रखें। फिल्मों के लिए अत्यधिक टिकट मूल्य वसूलने से रोकने के लिए, राज्य सरकार ने मल्टीप्लेक्स में प्रदर्शित फिल्मों के लिए अधिकतम टिकट मूल्य 200 रुपये निर्धारित करने का आदेश दिया है।

उच्च न्यायालय ने इस पर स्थगन आदेश जारी किया है। इसने मल्टीप्लेक्स को बेचे गए प्रत्येक टिकट का व्यापक और लेखा-परीक्षा योग्य रिकॉर्ड रखने का भी निर्देश दिया है। यदि उच्च न्यायालय राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सीमा को चुनौती देने वाली एसोसिएशन ऑफ मल्टीप्लेक्स ऑफ इंडिया और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर देता है और राज्य सरकार के पक्ष में फैसला सुनाता है, तो यह निर्देश दिया गया है कि मल्टीप्लेक्स इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से एकत्र की गई सभी राशि उन ग्राहकों को वापस कर दें जिन्होंने बुकिंग के लिए उपयोग किए गए भुगतान के उसी तरीके से टिकट बुक किए थे। प्रतिवादी संख्या 1 और उसके अधीन संचालित सभी मल्टीप्लेक्स को बेचे गए प्रत्येक टिकट का व्यापक और लेखा-परीक्षा योग्य रिकॉर्ड रखने का निर्देश दिया जाता है। बिक्री की तिथि और समय, ऑनलाइन या काउंटर पर की गई बुकिंग का विवरण, क्रेडिट, डेबिट कार्ड, यूपीआई नेट बैंकिंग या नकद के माध्यम से किए गए भुगतान का विवरण, एकत्रित राशि, जीएसटी घटक, सभी नकद लेनदेन के लिए डिजिटल रूप से पता लगाने योग्य रसीदें जारी की जाएँगी और कैश रजिस्टर पर मल्टीप्लेक्स के प्रबंधक द्वारा दैनिक आधार पर प्रतिहस्ताक्षर किए जाएँगे। याचिकाकर्ता, अंतिम निर्णय के लंबित रहने के दौरान इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों (लागू जीएसटी को छोड़कर) से एकत्रित सभी राशियाँ उन व्यक्तिगत ग्राहकों को वापस करेगा जिन्होंने बुकिंग के लिए उपयोग की गई समान भुगतान विधि से टिकट बुक किए थे। प्रतिवादी संख्या 1 आज से 45 दिनों के भीतर लाइसेंसिंग प्राधिकारी को अनुमोदन के लिए एक धनवापसी प्रक्रिया योजना प्रस्तुत करेगा। इसमें ग्राहकों को धनवापसी की प्रक्रिया स्पष्ट की जाएगी। लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन के बाद, इसे अंतिम अनुमोदन के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। न्यायालय के आदेश के अनुसार, वर्तमान फिल्म प्रदर्शन के लिए भुगतान किए गए किराए के संबंध में भौतिक या इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त टिकटों को सुरक्षित रूप से रखा जाएगा और मल्टीप्लेक्स सिनेमाघरों के मालिक सभी प्रकार की सिनेमा टिकट बिक्री का पूरा रिकॉर्ड रखेंगे। इस मामले में, उच्च न्यायालय ने रिट याचिका, अपील के संबंध में अपने अंतिम आदेश में याचिकाकर्ता, राज्य और उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त निर्देश जारी किए हैं, ताकि याचिकाकर्ता को नुकसान होने की स्थिति में उपभोक्ताओं से ली गई अतिरिक्त राशि को उसी तरीके से वापस किया जा सके जिस तरीके से उन्होंने भुगतान किया था।

कंटेनर ट्रक ने स्कूटर को टक्कर मारी, दो बहनों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को बेंगलूरु के पूर्वी बाहरी इलाके में शिवनपुरा के पास एक कंटेनर ट्रक ने मंदिर से घर लौट रही दो बहनों के स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई।

मृतकों की पहचान होसाकोटे निवासी 22 वर्षीय श्वेता और 24 वर्षीय शैलजा के रूप में हुई है। मामले की निगरानी कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों बहनें कैवारा स्थित एक मंदिर गई थीं और दोपहर करीब 1.45 बजे दुर्घटना के समय घर लौट रही थीं। पुलिस के अनुसार, चिंतामणि-होसाकोटे राजमार्ग पर दुर्घटना स्थल पर एक खराब सड़क है। हालाँकि, उन्होंने बताया कि टक्कर का मुख्य कारण कंटेनर ट्रक चालक की लापरवाही से गाड़ी चलाना था। श्वेता की मौके पर ही मौत हो गई। शैलजा को पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनकी चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस कंटेनर चालक की तलाश कर रही है। एक जाँचकर्ता ने कहा हमने कंटेनर जब्त कर लिया है। संदिग्ध को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। चालक पर बीएनएस धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से वाहन चलाना) और 106 (लापरवाही से मौत) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मैसूरु दशहरा कार्यक्रम के दौरान

मंत्री एच.सी. महादेवप्पा के पोते के गणमान्य व्यक्तियों के साथ खुली जीप में बैठने पर विवाद

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु पैलेस में विजयादशमी जुलूस शुरू होने से पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और उनके कैबिनेट सहयोगियों के साथ एक खुली जीप में समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा के पोते की मौजूदगी को लेकर उठे विवाद के बाद, महादेवप्पा ने प्रोटोकॉल के किसी भी उल्लंघन से इनकार किया। विपक्षी भाजपा ने दशहरा समारोह के दौरान मंत्री के पोते के गणमान्य व्यक्तियों के साथ जाने पर आपत्ति जताई थी। विजयादशमी जुलूस शुरू होने से पहले पारंपरिक नंदी ध्वज पूजा के बाद, महादेवप्पा के पोते, सिद्धरामैया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को मैसूरु पैलेस के उत्तरी द्वार के ठीक बाहर नंदी ध्वजस्तंभ से महल परिसर के अंदर उनके बैठने के स्थान तक ले जाने वाली खुली जीप में सवार हो गए। मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री महादेवप्पा ने शनिवार को संवाददाताओं को बताया कि नंदी ध्वजस्तंभ से गणमान्य व्यक्तियों के बैठने के स्थान तक जाने के दौरान कोई प्रोटोकॉल लागू नहीं था। उन्होंने कहा इसमें कोई प्रोटोकॉल या सलामी शामिल नहीं है। कोई भी अपनी इच्छानुसार जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने जंबो सवारी जुलूस देखने के लिए इकट्ठा हुए लोगों की भारी भीड़ का अभिवादन करने के लिए खुली जीप में चढ़ने का फैसला किया। महादेवप्पा ने कहा कि जिन लोगों को दशहरा के बारे में जानकारी नहीं है, उन्होंने शायद विवाद पैदा किया है। मंत्री ने कहा कि इस वर्ष दशहरा 'जनता के दशहरा' के रूप में मनाया गया और उत्सव से संबंधित सभी कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिससे जनता की सराहना मिली। महादेवप्पा ने पौराकर्मिकाओं के योगदान की सराहना की, जिन्होंने 11 दिनों तक चले दशहरा उत्सव के दौरान उत्पन्न लगभग 1,000 टन कचरे को साफ करके शहर को साफ रखा। उन्होंने उत्सव के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराने के लिए सिद्धरामैया को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ। हमने जिला प्रशासन के साथ बैठकर, चर्चा की और आम जनता को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों की योजना बनाई। नेतृत्व परिवर्तन के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में, महादेवप्पा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को जनता द्वारा पाँच साल के लिए जनादेश दिए जाने के बाद, पार्टी आलाकमान के मार्गदर्शन में निर्वाचित कांग्रेस विधायकों ने सिद्धरामैया को मुख्यमंत्री चुना था। हमारा एक आलाकमान है। वे जो भी निर्णय लेंगे, वह अंतिम होगा। मुख्यमंत्री ने भी यही बात कही है। सिद्धरामैया अभी मुख्यमंत्री हैं और वे अपने पद पर बने रहेंगे। जब भी कोई स्थिति उत्पन्न होगी, आलाकमान निर्णय लेगा। नेतृत्व परिवर्तन के बारे में अनावश्यक रूप से बात करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

जाति जनगणना कार्य से घर लौटते समय सड़क दुर्घटना में शिक्षिका की मौत

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो।

जाति जनगणना कार्य के लिए गए एक शिक्षिका की तालुका के थिम्मापुर क्रॉस के पास काम खत्म करके घर लौटते समय सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। मृतक शिक्षिका का नाम दानम विजयकुमार नंदरागी (52) है, जो बसवनबागेवाड़ी तालुका के वंडल गाँव की निवासी थीं। वह बागलकोट तालुका के रामपुर सरकारी शेल्टर कॉलोनी स्कूल में सह-शिक्षिका के रूप में कार्यरत थीं और जनगणना कार्य के लिए तैनात थीं। यह घटना उस समय हुई जब वह शुक्रवार शाम काम खत्म करके अपने बेटे के साथ बाइक से घर लौट रही थीं। जनगणना कार्य के दबाव में दानम का बेटा विकास खराब सड़क के कारण अपनी बाइक से नियंत्रण खो बैठा और वाहन से गिर गया। घटना के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी मृत्यु हो गई।

इस संबंध में बागलकोट ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने प्रस्तावित रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को रेल सौधा, हुब्बल्ली में दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर के साथ चल रही और प्रस्तावित रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में हुब्बल्ली सेंट्रल के विधायक महेश तेंगिनाकाई, ज्योति पाटिल, महापौर हुब्बल्ली-धारवाड़, रुद्रेश गली, आयुक्त हुब्बल्ली-धारवाड़, विजय कुमार, सहायक आयुक्त, बेला मीना, डीआरएम हुब्बल्ली, राज्य सरकार से केआईएडीबी के अधिकारी और प्रमुख विभागाध्यक्ष (पीएचओडी) और एसडब्ल्यूआर के अधिकारी मौजूद थे। समीक्षा के दौरान, मंत्री ने कर्नाटक में हुब्बल्ली-अंकोला नई लाइन, तुमकुरु-चित्रदुर्ग नई

लाइन, धारवाड़-बेलगावी नई लाइन, बागलकोट-कुडाची लाइन, गदग-वाडी लाइन सहित प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति और सड़क ऊपरी पुलों (आरओबी) और सड़क निचले पुलों (आरयूबी) पर चल रहे कार्यों का आकलन किया। उन्हें गदग-याल्विगी नई लाइन की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) से भी अवगत कराया गया, जिसे दिसंबर 2025 तक रेलवे बोर्ड को प्रस्तुत किया जाना है।

मंत्री ने 397 करोड़ की अनुमानित लागत से हुब्बल्ली स्टेशन के पुनर्विकास की भी समीक्षा की। साथ ही 17,000 करोड़ की अनुमानित लागत वाली हुब्बल्ली-अंकोला नई लाइन परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का भी विवरण दिया। मंत्री ने 2025 के दौरान नई लाइन निर्माण, दोहरीकरण और आरओबी, आरयूबी कार्यों की प्रगति में दक्षिण पश्चिम रेलवे की उपलब्धियों का जायजा लिया। जोशी ने रेलवे विकास कार्यों के त्वरित निष्पादन की आवश्यकता पर बल दिया और किसी भी अड़चन को दूर करने में केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

बंटवाल में अवैध बूचड़खाने के लिए घर जब्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ जिले में अपनी तरह की पहली कार्रवाई में, पुलिस ने बंटवाल ग्रामीण थाना क्षेत्र के पाडी में मारिपल्ला के पास एक घर को जब्त किया, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर अवैध बूचड़खाने के रूप में किया जा रहा था। पुडु गाँव के पाडी निवासी हसनब्बा के घर को जब्त कर लिया गया और सरकार ने उसे अपने कब्जे में ले लिया, क्योंकि पता चला कि उसका इस्तेमाल अवैध बूचड़खाना चलाने के लिए किया जा रहा था। हसनब्बा के खिलाफ बंटवाल ग्रामीण थाने में अपराध संख्या 123/2025, गौ संरक्षण अधिनियम की धारा 303 बीएनएस, 4, 7, 12 और गौहत्या निषेध अधिनियम की धारा 11(डी) के तहत मामला दर्ज किया गया था। उसे गिरफ्तार कर एसीजेएम और जेएमएफसी

अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि हसनब्बा का पहले भी इसी तरह के अपराधों का इतिहास रहा है। 2017 में, उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 379 के साथ-साथ गौ संरक्षण अधिनियम और गौहत्या निषेध अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। 2018 में भी, इसी तरह की धाराओं के तहत एक और मामला दर्ज किया गया था। इन बार-बार उल्लंघनों के आधार पर, बंटवाल पुलिस ने मेंगलूरु के सहायक आयुक्त और उप-विभागीय मजिस्ट्रेट को कार्रवाई की सिफ़ारिश की थी। पुलिस रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, मेंगलूरु के सहायक आयुक्त और उप-विभागीय मजिस्ट्रेट ने कर्नाटक मवेशी निवारण एवं संरक्षण अधिनियम, 2020 की धारा 8(4) और 8(5) के तहत संपत्ति को जब्त करने का आदेश दिया। तदनुसार संपत्ति जब्त कर सरकार को सौंप दिया गया। जिला पुलिस अधीक्षक ने मीडिया को बताया कि दक्षिण कन्नड़ में यह पहला मामला है जहाँ अवैध बूचड़खाना चलाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले घर को जब्त किया गया है।

एमएम हिल्स जंगल में बाघ के आंशिक अवशेष मिले

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एमएम हिल्स वन्यजीव अभयारण्य के हनूर रेंज में गुरुवार को एक बाघ के आंशिक अवशेष मिले थे। ऐसा माना जा रहा है कि यह जानबूझकर की गई हत्या का मामला है। यह घटना जून के आखिरी हफ्ते में एमएम हिल्स में पाँच बाघों – एक माँ और उसके चार शावकों – के शव मिलने के कुछ ही महीनों बाद हुई है, जो बाद में जहर देकर मारे गए थे। यह बाघ की मौत वन्यजीव सप्ताह समारोह के पहले ही दिन हुई और वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने जाँच के आदेश दिए हैं। मंत्री ने कहा है

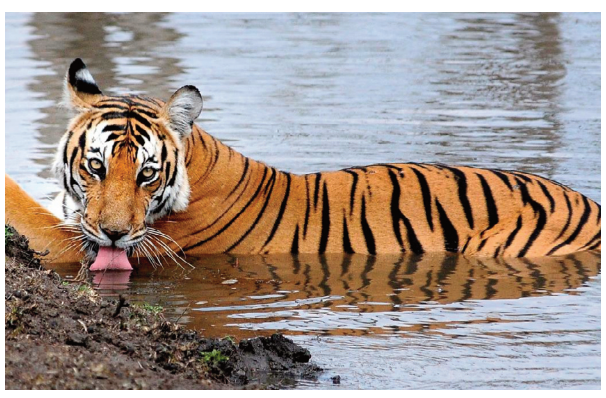

कि इस क्षेत्र में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए और लापरवाह अधिकारियों तथा शिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिशों के साथ आठ दिनों के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) के नेतृत्व में एक टीम जाँच करेगी। पीसीसीएफ स्मिता बिजूर के नेतृत्व वाली टीम को हनूर बीट के पच्चेदोड्डी गाँव के पास उस स्थान का व्यक्तिगत रूप से दौरा करने और गहन जाँच करने का निर्देश दिया गया है, जहाँ बाघ के आंशिक अवशेष मिले थे। मंत्री ने निर्देश दिया है कि पिछले तीन वर्षों में इस जंगल में दर्ज सभी शिकार के मामलों पर ध्यान दिया जाए और पूर्व की जाँच रिपोर्टों की समीक्षा की जाए। इस नवीनतम घटना ने एक बार फिर एमएम हिल्स अभयारण्य में वन्यजीवों के निरंतर शिकार और वन संरक्षण में सुधार तथा शिकार-रोधी शिविरों को सुदृढ़ करने की अनिवार्यता को उजागर किया है।

बदलते मौसम के बीच कर्नाटक में डेंगू और चिकनगुनिया के मामले बढ़े

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में मौसम में अचानक आए उतार-चढ़ाव, जिसमें बारी-बारी से बारिश, गर्मी और ठंड का दौर शामिल है, ने मौसमी और वेक्टर जनित बीमारियों, खासकर डेंगू और चिकनगुनिया, में वृद्धि को बढ़ावा दिया है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य में डेंगू के मामले 5,000 को पार कर गए हैं, जबकि चिकनगुनिया के मामले 1,000 के करीब पहुँच रहे हैं।

अकेले बेंगलूरु में अब तक डेंगू के 2,478 और चिकनगुनिया के 120 मामले सामने आए हैं।

डॉक्टरों ने संक्रमण में वृद्धि के लिए रुके हुए पानी में एडीज एजिप्टी मच्छरों के प्रजनन को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और लगातार बुखार, तेज सिरदर्द, बदन दर्द, जोड़ों में दर्द, उल्टी, जी मिचलाना, आँखों के पीछे दर्द या ग्रंथियों में सूजन जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लेने का आग्रह किया है। मच्छर जनित बीमारियों के अलावा, डॉक्टरों ने वायरल बुखार, खांसी, जुकाम, दस्त और सांस संबंधी समस्याओं में भी तेज वृद्धि देखी है। राज्य भर के अस्पतालों के बाह्य रोगी विभागों में बुखार से संबंधित मामलों में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा रही है। चिकित्सा विशेषज्ञ इस बात पर जोर दे रहे हैं कि साफ-सफाई बनाए रखना, उबला हुआ पानी पीना और पौष्टिक भोजन करना प्रमुख निवारक उपाय हैं। उन्होंने नागरिकों को इस अप्रत्याशित मौसम के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की भी सलाह दी है।

लाल पत्थर खनन के लिए नए मानदंड जल्द ही मंजूर किए जाएंगे: मंत्री दिनेश गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि लाल पत्थर के खनन के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं और खनन की अनुमति इन अद्यतन मानदंडों के अनुसार ही दी जाएगी। मेंगलूरु में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा लाल पत्थर के संबंध में नए दिशानिर्देश पहले से ही लागू हैं। जिला आयुक्त दशहरा के बाद अंतिम निर्देश जारी करेंगे और खनन की अनुमति केवल निर्धारित रूपरेखा के अनुसार ही दी जाएगी। उन्होंने नदी रेत खनन की स्थिति भी स्पष्ट की और कहा कि गैर-सीआरजेड (तटीय विनियमन क्षेत्र) रेत के लिए निविदाएँ जारी की गई हैं, जिससे पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खनन की अनुमति मिलती है।

हालाँकि, सीआरजेड क्षेत्रों से रेत का मुद्दा केंद्र सरकार के निर्णय पर निर्भर है। जिले में सड़कों की बिगड़ती स्थिति पर टिप्पणी करते हुए, गुंडू राव ने कहा कि सरकार इस समस्या से पूरी तरह अवगत है और उन्होंने आश्वासन दिया कि गड्ढों की मरम्मत के उपाय जल्द ही शुरू किए जाएँगे। उन्होंने कहा मामला सरकार के संज्ञान में है। लगातार हो रही बारिश के कारण इस प्रक्रिया में कुछ देरी हुई है। एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल), एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) और राजस्व विभाग के माध्यम से बारिश से हुए नुकसान के लिए धनराशि पहले ही जारी कर दी गई है। उन्होंने आगे बताया कि दक्षिण कन्नड़, शिवमोग्गा और कोडागु जिलों को राहत राशि का अधिक आवंटन प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा जिले को प्राप्त धनराशि का आकलन हो जाने के बाद, मरम्मत कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश जारी किए जाएँगे। क्या डी. के. शिवकुमार नवंबर में मुख्यमंत्री बनेंगे को लेकर मंत्री ने कहा यह सच नहीं है। पूर्व सांसद एल. आर. शिवराम गौड़ा की हालिया टिप्पणी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि डी. के. शिवकुमार नवंबर में मुख्यमंत्री बनेंगे, पर प्रतिक्रिया देते हुए गुंडू राव ने इस बयान को खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कुछ लोग सिर्फ सुर्खियों में बने रहने के लिए ऐसी टिप्पणियाँ करते हैं। उन्हें पार्टी के संगठनात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने दें। अंतिम निर्णय पार्टी आलाकमान को करना है, और अनावश्यक भ्रम की कोई आवश्यकता नहीं है। संवेदनशील धर्मस्थल मामले पर, मंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं कर रही है और जाँच पूरी तरह से विशेष जाँच दल (एसआईटी) के हाथों में है। उन्होंने बताया सरकार ऐसे मामलों में गिरफ्तारी का आदेश नहीं दे सकती। एसआईटी सबूतों के आधार पर कार्रवाई करेगी और जरूरी कार्रवाई तय करेगी। अगर कोई साजिश है, तो जाँच के जरिए उसका पर्दाफाश किया जाएगा। गुंडू राव ने जोर देकर कहा इस मामले में कोई राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है और सरकार ने कोई निर्देश जारी नहीं किया है। एसआईटी को अपना काम करने की पूरी आजादी दी गई है।

बेंगलूरु के दो इंजीनियरिंग छात्रों को समुद्र तट पर डूबने से बचाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तटीय सुरक्षा पुलिस (केएनडी) के जवानों ने समय रहते बहादुरी का परिचय देते हुए शुक्रवार शाम को मारवन्थे समुद्र तट पर डूबने की कगार पर पहुँचे बेंगलूरु के दो इंजीनियरिंग छात्रों को बचा लिया। बेंगलूरु के पाँच-छह इंजीनियरिंग छात्रों का एक समूह मनोरंजन के लिए मारवन्थे समुद्र तट पर आया था। समुद्र में प्रवेश निषेध की चेतावनियों के बावजूद, समूह के दो सदस्य मारस्वामी मंदिर क्षेत्र के पास पानी में बहुत आगे निकल गए और तेज लहरों में फँस गए। केएनडी के जवान निशांत और विष्णु, जो पास ही तैनात थे, तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और अपनी जान जोखिम में डालकर दोनों को बचाया। बताया गया है कि एक छात्र लगभग 100 मीटर तक समुद्र में बह गया था, उसके बाद

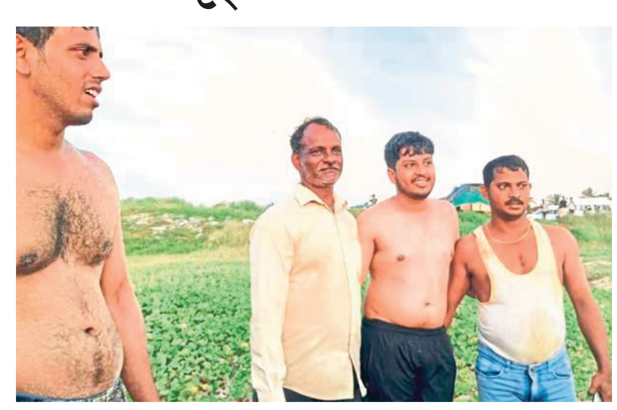

उसे सुरक्षित बाहर निकाला गया। उनकी त्वरित और साहसी कार्रवाई की घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने सराहना की। घटना के बाद, तटीय सुरक्षा पुलिस के एएसआई मंजूनाथ, जवान सविता और राघवेंद्र, गंगोली पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर पवन नायक और हाईवे पेट्रोलिंग स्टाफ ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। गौरतलब है कि 7 सितंबर को गोपाडी के पास चरकिकाडु में समुद्र में खेलते समय बेंगलूरु के तीन छात्र डूब गए थे, जबकि एक बच गया था। इसके कुछ ही हफ्ते बाद हुई इस ताजा घटना ने एक बार फिर स्थानीय समुद्र तटों पर बार-बार होने वाली त्रासदियों के बावजूद सुरक्षा चेतावनियों की अनदेखी करने वाले पर्यटकों को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं।

केरल में सोना और पैसे की चोरी के आरोप में कर्नाटक के मंदिर का पुजारी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केरल के कन्नूर के इर्रिकुर स्थित एक घर से सोना और पैसे चोरी करने के मामले में कर्नाटक के एक मंदिर के पुजारी को गिरफ्तार किया गया है। सिंगापट्टनम निवासी आरोपी मंजूनाथ ने कथित तौर पर चोरी की गई रकम का कुछ हिस्सा 22 वर्षीय दर्शिता से लिया था, जिसकी बाद में मैसूरु में हत्या कर दी गई थी।

पुलिस ने बताया कि चुंगस्थानम के अंचमपुरा निवासी सुभाष की पत्नी दर्शिता ने 22 अगस्त को अपने पति के घर से 30 सोने के सिक्के और 4 लाख चुराए थे।

उसने कथित तौर पर 2 लाख मंजूनाथ को यह कहते हुए सौंप दिए थे कि ये 'भूत भगाने' के अनुष्ठान के लिए हैं। अगले दिन, मैसूरु के सालिग्रामम स्थित एक लॉज में उसकी हत्या कर दी गई और उसके मुँह में कथित तौर पर विस्फोटक रखे हुए थे।

कर्नाटक पुलिस ने हत्या के सिलसिले में उसके दोस्त सिद्धराजू को गिरफ्तार कर लिया है। चोरी तब हुई जब सुभाष की माँ सुमति और भाई सूरज घर पर नहीं थे। लुटेरों ने घर में घुसने के लिए डुप्लीकेट चाबी का इस्तेमाल किया।

शुरुआत में, पुलिस ने डकैती के मामले में पूछताछ के लिए दर्शिता को बुलाया था, लेकिन वह कर्नाटक चली गई थी। जांचकर्ताओं ने कहा कि हत्या और डकैती का आपस में गहरा संबंध है, इर्रिकुर स्थित घर से पैसे और गहने गायब हैं। ढाई साल की बेटी की मां दर्शिता ने अपनी मौत से पहले अपने ठिकाने के बारे में परिवार और पुलिस को गुमराह किया था।

आज से हासन, बेंगलूरु होते हुए मेंगलूरु-दिल्ली के बीच विशेष ट्रेन चलेगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तट से लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को बढ़ावा देते हुए, दक्षिण रेलवे ने मेंगलूरु सेंट्रल से दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन तक हासन और बेंगलूरु होते हुए एक विशेष ट्रेन सेवा की घोषणा की है। यह इस मार्ग से मेंगलूरु से उत्तर भारत के लिए पहली ट्रेन होगी। यह सेवा रविवार, 5 अक्टूबर से शुरू होने वाली है। ट्रेन संख्या 06008, मेंगलूरु सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल, 5 अक्टूबर को दोपहर 2:25 बजे मेंगलूरु सेंट्रल से रवाना होगी और पुत्तूर, सुब्रह्मण्य रोड, हासन और

बेंगलूरु होते हुए एक विस्तारित मार्ग से दिल्ली की ओर जाएगी। यह ट्रेन उसी दिन रात 11:30 बजे यशवंतपुर जंक्शन (बेंगलूरु) पहुँचेगी और रात 11:45 बजे अपनी यात्रा फिर से शुरू करेगी। यह येलहंका, हिंदूपुर और धर्मावरम होते हुए 6 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे हैदराबाद के काचीगुडा स्टेशन पहुँचेगी। वहाँ से, ट्रेन सुबह 10:40 बजे रवाना होगी और काजीपेट, बल्हारशाह, नागपुर, झाँसी और अन्य प्रमुख जंक्शनों से गुजरते हुए अंततः 7 अक्टूबर को रात 8 बजे हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) पहुँचेगी। यह एक ऐतिहासिक सेवा है, क्योंकि यह मेंगलूरु से हासन होते हुए उत्तर भारत जाने वाली पहली ट्रेन है, जो बेंगलूरु, हैदराबाद, दिल्ली और उत्तरी राज्यों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बेहतर पहुँच प्रदान करती है। इस कदम का रेलवे उपयोगकर्ताओं और स्थानीय समुदायों द्वारा व्यापक रूप से स्वागत किया गया है, खासकर क्योंकि यह दशहरा की छुट्टियों के बाद वापसी की भीड़ के साथ मेल खाता है। दक्षिण कन्नड़ जिला रेलवे उपयोगकर्ता समिति ने नए मार्ग के लिए अधिकारियों को बधाई दी है और आग्रह किया है कि इस तरह की कनेक्टिविटी को नियमित बनाया जाए। यात्रियों ने नवयुग एक्सप्रेस के पुनरुद्धार की भी मांग दोहराई है, जो पहले मेंगलूरु को दिल्ली के रास्ते जम्मू के वैष्णो देवी मंदिर से जोड़ती थी। हालाँकि इसे कई साल पहले बंद कर दिया गया था, फिर भी इसकी वापसी की मांग जोरदार बनी हुई है।

भारी बारिश की सूचना से सहमा जम्मू कश्मीर

वैष्णो देवी यात्रा तीन दिन के लिए बंद

जम्मू, 04 अक्टूबर (ब्यूरो)। अगले तीन दिन जम्मू कश्मीर पर भारी हैं। मौसम विभाग की चेतावनी के कारण पूरा प्रदेश सहमा हुआ है। इस खतरे से निपटने के लिए जो तैयारियां की जा रही हैं उनमें अगर नदी-नालों के किनारे रहने वालों को सतर्क रहने, आवश्यकता होने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने की तैयारियों के बीच ही विश्व प्रसिद्ध वैष्णो देवी की यात्रा को भी तीन दिन के लिए बंद करने की घोषणा की गई है।

मौसम विभाग की चेतावनी है कि एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ जम्मू कश्मीर सहित उत्तर पश्चिम भारत की ओर बढ़ रहा है, जिससे 4 से 7 अक्टूबर तक मैदानी इलाकों में मध्यम से भारी वर्षा और ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी का अनुमान है, जिसकी तीव्रता 6 अक्टूबर के आसपास चरम पर होगी। इसमें कहा गया है कि जम्मू क्षेत्र के कुछ इलाकों में भारी बारिश, गरज, बिजली, ओले और 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे भूस्खलन, भूस्खलन और जम्मू-श्रीनगर तथा श्रीनगर-लेह जैसे प्रमुख राजमार्गों पर व्यवधान की चिंता बढ़ सकती है।

नतीजतन मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सभी विभागों को हाई अलर्ट पर रहने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा, फसलों को होने वाले नुकसान को रोकना और संभावित मौसम संबंधी व्यवधान के दौरान आवश्यक सेवाओं और सड़क संपर्क को बनाए रखना है। अब्दुल्ला ने कृषि और बागवानी विभागों को किसानों और बागवानों को समय पर सलाह जारी करने और चालू फसल कटाई के दौरान बाजारों तक फलों का सुचारू परिवहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। राजमार्ग एजेंसियों और लोक निर्माण विभाग को बर्फ और मलबा हटाने के लिए मशीनरी और मानव संसाधन तैयार रखने को कहा गया, जबकि बिजली और जल शक्ति विभागों को सेवाओं को शीघ्र बहाल करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल तैनात करने को कहा गया।

यह खतरा कितना बड़ा माना जा रहा है इसी से स्पष्ट होता है कि खराब मौसम संबंधी सलाह के बाद, वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने 5 से 7 अक्टूबर, 2025 तक वैष्णो देवी यात्रा स्थगित करने की घोषणा की है। श्राइन बोर्ड का कहना है कि अगर मौसम अनुकूल रहा तो तीर्थयात्रा 8 अक्टूबर, 2025 को फिर से शुरू होगी। बोर्ड का कहना था कि श्रद्धालुओं से आग्रह है कि वे इस बढ़ते मौसम संबंधी जोखिम के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक समय के अपडेट के लिए आधिकारिक चैनलों पर नजर रखें।

बोर्ड का कहना है कि यह एहतियाती उपाय यात्रा के सामने आने वाली हालिया चुनौतियों को दर्शाता है, जो इस साल प्रतिकूल मौसम और भूस्खलन के कारण बार-बार रुकी है, जिसमें अगस्त के अंत में हुई एक बड़ी घटना भी शामिल है जिसमें कई लोगों की जान चली गई और यात्रा लंबे समय तक बंद रही। अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों को सलाह दी है कि वे कटरा स्थित आधार शिविर की यात्रा तब तक न करें जब तक कि उन्हें अनुमति न मिल जाए, प्रभावित स्थलों पर चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों के बीच सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए।भारत के सबसे प्रतिष्ठित तीर्थस्थलों में से एक, वैष्णो देवी तीर्थयात्रा, हर साल लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है, लेकिन 2025 में अनियमित मौसम के कारण इसे बीच-बीच में स्थगित करना पड़ा है। श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं से सहयोग पर जोर दिया है और आश्वासन दिया है कि एडवाइजरी हटने के बाद यात्रा सुचारू रूप से शुरू करने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जाएंगी।

राबड़ी आवास में राजद कार्यकर्ताओं ने अपने ही विधायक के खिलाफ किया हंगामा

टिकट नहीं देने की लगाई गुहार

पटना, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के आवास पर आज उस वक़्त अफ़रा-तफ़री का माहौल हो गया। राजद कार्यकर्ताओं ने राबड़ी आवास में जमकर हंगामा किया।

यह हंगामा मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र से आए पार्टी कार्यकर्ता कर रहे थे। वे लोग अपने वर्तमान विधायक सतीश दास से नाराज थे और इसी बात की शिकायत करते हुए लालू प्रसाद यादव से वर्तमान विधायक सतीश दास को दुबारा टिकट देने से मना कर रहे थे। नाराज़ कार्यकर्ताओं ने वर्तमान

विधायक सतीश दास को आगामी चुनाव में दोबारा टिकट नहीं देने की पुरज़ोर मांग की। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि विधायक सतीश दास ने न केवल क्षेत्र के विकास के कार्यों को अनदेखा किया है, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं की सुध भी नहीं ली। इस वजह से राजद के कार्यकर्ताओं में नार-ाजगी थी।

राजद कार्यकर्ताओं ने बताया कि वे लोग नारेबाजी करते हुए लालू यादव के आवास के भीतर तक पहुंच गए और उन्होंने उनसे अपनी शिकायत की। उन्होंने लालू प्रसाद यादव से शिकायत करते हुए कहा कि सतीश दास को किसी भी क़ीमत पर टिकट नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने जनता और समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ धोखा किया है। बिहार विधान सभा चुनाव से पहले राजद कार्यकर्ताओं का अपने विधायक के प्रति विरोध से फिलहाल चर्चा का विषय है।

गयाजी में एनडीए के बीच सीट बंटवारे पर घमासान, लोजपा (रामविलास) ने अतरी और बोधगया पर ठोकी दावेदारी

गयाजी, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की अधिसूचना से पहले एनडीए घटक दलों में सीट बंटवारे की सुगबुगाहट तेज हो गई है। गया जिले की 10 विधानसभा सीटों में लोजपा (रामविलास) ने इस बार दो सीटों में अतरी और बोधगया पर अपनी सशक्त दावेदारी पेश कर माहौल गरमा दिया है।

पार्टी नेतृत्व का मानना है कि 2020 में परिस्थितियां अलग थीं, पर इस बार संगठन और जनाधार दोनों मजबूत स्थिति में हैं। वहीं, अतरी विधानसभा क्षेत्र से जेडीयू की भी मजबूत दावेदारी है। साथ ही हम पार्टी भी दावेदारी कर रही है।

बता दें बोधगया विधानसभा भाजपा की पारंपरिक सीट है, लेकिन 2020 में हार मिलने के

बाद लोजपा (रामविलास) के साथ हम (से) पार्टी भी दावेदारी ठोक रहे हैं।

पिछले चुनाव में एनडीए ने जिले की 10 सीटों में से भाजपा को चार, जेडीयू को तीन और हम पार्टी को तीन सीटें दी थी। जिसकी नतीजा भाजपा ने गयाजी शहरी से डॉ. प्रेम कुमार और वजीरगंज से वीरेंद्र सिंह को जीत दिलाई।

वहीं, भाजपा को बोधगया और गुरुआ विधानसभा से करारी हार मिली थी। जेडीयू ने शेरघाटी, बेलागंज और अतरी से चुनाव लड़ा, पर तीनों सीटों पर हार मिली।

हम (से.) पार्टी ने इमामगंज, बाराचट्टी और टिकारी को अपने खाते में डाला। जीतन राम मांझी (इमामगंज), ज्योति मांझी (बाराचट्टी) और अनिल कुमार (टिकारी) विजयी रहे।

अब जबकि गठबंधन की एकजुटता पर जोर दिया जा रहा है, लोजपा (रामविलास) ने रणनीतिक तरीके से अतरी सीट को प्राथमिक लक्ष्य घोषित किया है। कार्यकर्ताओं की मान्यता है कि धार्मिक, जातीय और युवाओं पर पकड़ वाली टीम यहां चुनाव लड़ने को तैयार है। संगठन ने इस सीट के लिए भी बायोडाटा जुटाना शुरू कर दिया है।

नोटिफिकेशन के बाद ही साफ होगा कि एनडीए में किसको किस सीट पर मौका मिलेगा। लेकिन इतना तय है कि इस बार लोजपा (रामविलास) किसी प्रतीकात्मक लड़ाई नहीं बल्कि प्रभावी मौजूदगी दर्ज कराने के मूड में है।

गयाजी जिले के एनडीए समर्थक कार्यकर्ता अब सीट बंटवारे की आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। चुनावी संग्राम से पहले ही गठबंधन के भीतर शक्ति परीक्षण शुरू हो चुका है।

बिहार चुनाव 2025 : क्या तेज प्रताप की राजद से बेदखली बदलेगी हसनपुर में जीत का समीकरण?

समस्तीपुर , 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। राजनीतिक दल बेसब्री से चुनाव तारीखों की घोषणा होने का इंतजार कर रहे हैं। बिहार की चुनावी बिसात पर कुछ सीटें ऐसी होती हैं जो सिर्फ विधायक नहीं चुनतीं, बल्कि सत्ता के समीकरणों को भी उलटफेर कर देती हैं। एक ऐसी ही सीट समस्तीपुर जिले के रोसड़ा अनुमंडल में स्थित हसनपुर है। साल 2000 के बाद से ये सीट राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जदयू के बीच सीधी टक्कर का केंद्र बन गई, लेकिन इस सीट को असली राष्ट्रीय सुर्खियां तब मिलीं, जब 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद ने अपने प्रमुख नेता लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को यहां से उम्मीदवार

बनाया।

हसनपुर सीट, खगड़िया लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है और इसकी राजनीति हमेशा से जमीन और जमीर की लड़ाई रही है, जहां एक ओर सादगी भरी समाजवादी विचारधारा का गढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर यह लालू प्रसाद यादव के परिवार की रणनीति का प्रयोग स्थल भी बन गया। तेज प्रताप यादव, जो अपनी विवादास्पद छवि और असामान्य राजनीतिक व्यवहार के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं, पहले वैशाली जिले के महुआ से विधायक थे। 2015 में महुआ में उनकी जीत का अंतर (करीब 21,000 वोट) था। इसके बाद लालू यादव ने तेज प्रताप के लिए एक 'सुरक्षित सीट' की तलाश की और उनकी नजर हसनपुर पर पड़ी, क्योंकि ये यादव बाहुल्य सीट है।

इस चयन की वजह साफ थी। हसनपुर में यादव समुदाय की आबादी 30 प्रतिशत से अधिक है, जो किसी भी यादव उम्मीदवार के लिए एक ठोस आधार प्रदान करती है। ये रणनीति सफल साबित हुई। 2020 के चुनाव में, राजद के तेज प्रताप यादव ने जदयू के राजकुमार राय को 21,139 वोटों के बड़े अंतर से मात दी। तेज प्रताप को 80,991 मत (47.27 प्रतिशत) मिले, जबकि राजकुमार राय को 59,852 मत (34.93 प्रतिशत) प्राप्त हुए। ये जीत परिवार और पार्टी के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न थी और यादव-मुस्लिम समीकरण ने इसे सुनिश्चित किया।

बिहार में फिर से रिकॉर्ड बहुमत के साथ आ रही एनडीए की सरकार : शिवराज सिंह चौहान

पटना, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के दौर में बिहार के दौरे पर आए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को पटना में 'मखाना महोत्सव 2025' में हिस्सा लिया। चौहान ने यह विश्वास जताया है कि बिहार में फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (छऊअ) की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि मखाना बोर्ड मखाना उत्पादन बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। बोर्ड मखाने की उत्पादन लागत कम करेगा और अधिक उपज देने वाले नए बीज की किस्में भी विकसित करेगा।

शिवराज सिंह चौहान ने मखाना निकालने के लिए मशीनों के इस्तेमाल पर जोर दिया। इससे

मखाना निकालना आसान और सुरक्षित हो जाएगा। यह पहल बिहार को मखाना उत्पादन में दुनिया का नेतृत्व करने में मदद करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 सितंबर को राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की शुरुआत की थी।

चौहान ने साफ कहा कि मखाना बोर्ड इन लक्ष्यों को पाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मखाना बोर्ड उत्पादन बढ़ाने, मखाने की लागत कम करने और अधिक उपज वाली नई किस्मों पर शोध करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। मखाना आसानी से निकालने के लिए मशीनीकरण की जरूरत है। इससे मखाना आसानी से और सुरक्षित रूप से निकाला जा सकेगा। मखाना बोर्ड किसानों को कई तरह की सहायता देगा।'

चौहान ने कहा कि, एक समय था जब बिहार में विकास पर ध्यान नहीं दिया जाता था, लेकिन आज पीएम मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास दिख रहा है। उन्होंने बताया कि बिहार भारत की खाद्य आपूर्ति में बहुत योगदान देता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ मिलकर कई फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने के हाल के फैसलों का भी जिक्र किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, 'बिहार दुनिया में सबसे ज्यादा मखाना पैदा करता है, और इसकी खेती लगातार बढ़ रही है। मखाना देश के हर शहर और यहां तक कि दुनिया भर में पहुंच गया है।' उन्होंने बिहार के मखाना उत्पादन में वैश्विक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को आधुनिक खेती के तरीके अपनाने की सलाह भी दी। इससे बिहार मखाना का एक प्रमुख उत्पादक बना रहेगा।

शिवराज सिंह चौहान ने यह भी विश्वास जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (छऊअ) बिहार में फिर से सरकार बनाएगा।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विकास की ऐसी गंगा बहाई है, जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है। हमें मखाना का उत्पादन बढ़ाना है और इसकी उत्पादन लागत कम करनी है। मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूं कि इस बार बिहार में एनडीए सरकार रिकॉर्ड तोड़ बहुमत के साथ फिर से बनेगी।'

पटना में बारिश के दौरान मीठापुर बाजार के पास धंसी सड़क, दो वाहन फंसे, निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल?

पटना, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। शनिवार सुबह से हो रही भारी और लगातार बारिश ने राजधानी पटना में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। मीठापुर सब्जी मंडी के पास सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया है, जिसमें दो वाहन फंस गए हैं। मूसलाधार बारिश शुरू होने से पहले ही घने बादलों से शहर अंधेरे में डूब गया था। मीठापुर सब्जी मंडी के पास एक बड़ी घटना घटी, जहां सड़क का 10 फुट का हिस्सा अचानक धंस गया। दो गाड़ियां उस ढहे हुए हिस्से में गिर गई और फंस गई। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की।

नगर निगम और स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे क्षेत्र की घेराबंदी की

जाएगी। स्थल के पास सभी यातायात गतिविधियों को रोकना। वाहनों को निकालने और क्षति का आकलन करने के लिए राहत और बचाव कार्य शुरू करना। लगातार हो रही बारिश के कारण, खासकर शहर के निचले इलाकों में, व्यापक जलभराव हो गया है, जिससे आम जनता को काफी परेशानी हो रही है। यह स्थिति बिहार के कई हिस्सों को प्रभावित करने वाले व्यापक मौसम पैटर्न का हिस्सा है, जहां हाल ही में बाढ़, नदियों में उफान और बिजली गिरने की घटनाएं हुई हैं। स्थानीय लोगों ने इस घटना के बाद सरकार की मंशा और सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिहार में सड़क निर्माण में लापरवाही बरती जा रही है। पूर्व में कई पुलों के गिरने के बाद भी सरकार संभलता नहीं है। ठेकेदार और अधिकारी मिलीभगत करके सारा पैसा खा जाते हैं। लोगों के लिए बनने वाली सड़क को घटिया तरीके से निर्माण कर उसे छोड़ देते हैं। एक बारिश भी सड़कें नहीं झेल पा रही हैं।

मौसम विभाग ने पटना और बिहार के कई अन्य जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। बिजली गिरने की भी विशेष चेतावनी जारी की गई है। प्रशासन ने जनता से निम्नलिखित सावधानियां बरतने का आग्रह किया है। सुरक्षित स्थानों पर रहें और जब तक आवश्यक न हो, बाहर जाने से बचें।जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें। संवेदनशील या उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सावधानी बरतें। प्रशासन ने पुष्टि की है कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और शहर के प्रभावित हिस्सों में राहत कार्य जारी रखे हुए है।

पीएम नरेंद्र मोदी को साधारण मनुष्य नहीं मानते कन्हैया कुमार
पटना में 20 साल, 20 सवाल के मौके पर किया खुलासा

पटना, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में आगामी चुनाव से पहले, कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने 'डबल इंजन' वाली एनडीए सरकार के खिलाफ तीखा हमला बोलते हुए '20 साल, 20 सवाल' नामक एक नई श्रृंखला की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत, कांग्रेस पार्टी हर दिन बिहार से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर पिछले 20 वर्षों के शासन पर सवाल पूछेगी। कन्हैया कुमार ने सरकार पर 'वोट चोरी', 'जमीन चोर' और 'मुनाफाखोर' होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह सरकार प्रधानमंत्री के दोस्तों की तिजोरी भरने में लगी है। उनका पूरा फोकस अडानी समूह पर रहा, जिसके बिहार में पांव पसारने को लेकर उन्होंने तीन गंभीर सवाल खड़े किए।

कन्हैया कुमार ने आरोप लगाया कि अडानी समूह को बिहार में 1 प्रति एकड़ की दर

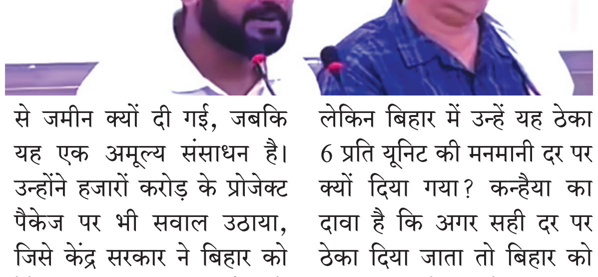

से जमीन क्यों दी गई, जबकि यह एक अमूल्य संसाधन है। उन्होंने हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट पैकेज पर भी सवाल उठाया, जिसे केंद्र सरकार ने बिहार को देने का प्रचार किया। कन्हैया ने दावा किया कि यह पैकेज दरअसल यूपीए सरकार के समय घोषित किया गया था और अब इसे प्रधानमंत्री के दोस्त (अडानी) को सौंप दिया गया है, जिससे होने वाला 1 लाख करोड़ का मुनाफा बिहार के लोगों के बजाय अडानी को चला जाएगा।

उन्होंने बिजली ठेकों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अडानी अन्य राज्यों में 3 प्रति यूनिट की दर से ठेका ले रहे हैं, लेकिन बिहार में उन्हें यह ठेका 6 प्रति यूनिट की मनमानी दर पर क्यों दिया गया? कन्हैया का दावा है कि अगर सही दर पर ठेका दिया जाता तो बिहार को 56,000 करोड़ रुपये की बचत होती। कन्हैया कुमार ने मौजूदा राजनीतिक गठजोड़ को 'तुम मुझे चंदा दो, मैं तुम्हें धंधा दूंगा' की नीति पर चलने वाला बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जहाँ कांग्रेस के समय में एमओयू साइन होते थे, वहीं यह सरकार 'हम दो और इनको दो' की नीति पर चल रही है, जिसमें एक 'जय शाह के पिताजी' और दूसरा 'जय शाह के चाचाजी' शामिल हैं।

बरेली बवाल

नफीस के बरातघर पर चला बुलडोजर

मौलाना तौकीर के गुर्गे फरहत के घर समेत चार दुकानें सील

बरेली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।
बरेली के जखीरा स्थित डॉ. नफीस के बरातघर रज़ा पैलेस पर बीडीए ने शनिवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी है। फाइक एन्कलेव में फरहत के घर को भी सील कर दिया गया है। सैलानी में नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया।

बरेली में बवाल के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद जिला प्रशासन ने उनकी अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई तेज कर दी है। बीडीए ने शनिवार को आरोपी नफीस के जखीरा स्थित बरातघर रज़ा पैलेस पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। यहां कार्रवाई करने से पहले भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया। उधर, फाइक एन्कलेव में मौलाना तौकीर रजा को शरण देने वाले फरहत के मकान को सील कर दिया गया है। नौमहला मस्जिद के पास चार दुकानें सील की गई है। वहीं सैलानी में अतिक्रमण पर नगर निगम का बुलडोजर से चला है।

नफीस और उसके बेटे को जेल भेजा जा चुका है। उसकी मार्केट को बवाल के बाद सील कर दिया गया था। अब उसके बरातघर पर कार्रवाई हुई है। शनिवार दोपहर जखीरा स्थित बरातघर रजा पैलेस पर भारी पुलिस बल तैनात हो गया। मौके पर पहुंचे किला इंस्पेक्टर सुभाष ने बताया कि आला अधिकारियों के निर्देश पर फोर्स तैनात की गई है। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी या सीलिंग की इसकी जानकारी नहीं है। कुछ देर बाद जिला प्रशासन और बीडीए के अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

बीडीए की टीम ने तीन बुलडोजरों से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। सबसे पहले बुलडोजर से बरातघर का गेट तोड़ा गया। इसके बाद अन्य हिस्से पर कार्रवाई की गई। बाद में एक और बुलडोजर बुलाया गया। चार बुलडोजरों से पूरे बरातघर को जमींदोज कर दिया गया। इस कार्रवाई से खलबली मची रही। रजा पैलेस पर पुलिस टीम के पहुंचते ही बरातघर के बाहर लगी नेम प्लेट ने सबको हैरत में डाल दिया। इस पर मुतवल्ली का नाम शोएब बेग और उसके पिता का नाम स्व. अथहर बेग लिखा था। दूसरी ओर पिता के नाम के नीचे पूर्व पीसीएस अधिकारी भी लिखा था।

बरेली के फाइक एन्कलेव में बीडीए की टीम ने शनिवार को आरोपी फरहत का तीन मंजिला मकान सील कर दिया। इसी मकान में 26 सितंबर को मौलाना तौकीर रजा ने पनाह ली थी। बवाल के बाद उन्हें यहीं से गिरफ्तार किया गया था। घर में शरण देने पर फंसा फरहत और फरहान जेल में है। बीडीए के सक्षम अधिकारी ने एक अक्टूबर को नोटिस तामील कराते हुए तीन अक्टूबर से पहले फरहत का घर खाली कराने की अपेक्षा बारादरी पुलिस से की थी। शुक्रवार को वहां न तो पुलिस पहुंची और न ही बीडीए की टीम। शनिवार दोपहर करीब एक बजे बीडीए की टीम यहां पहुंची और सीलिंग की कार्रवाई की। सैलानी में नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान बुलडोजर से दुकान और मकान के बाहर किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया। टीम का कहना है कि इस कार्रवाई का बवाल के मामले से लेना-देना नहीं है। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य की मौजूदगी में कार्रवाई की गई। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस कार्रवाई से खलबली मची रही। बरेली विकास प्राधिकरण की टीम ने शनिवार दोपहर साढ़े तीन बजे के बाद नौमहला मस्जिद के बाहर अंजुमन की चार दुकानों को अवैध बताकर सील कर दिया।

मौलाना शहाबुद्दीन ने किया अखिलेश यादव पर हमला

बरेली को संभल बनाना चाहती है समाजवादी पार्टी

बरेली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।
ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा। मौलाना ने कहा कि समाजवादी पार्टी जब भी कहीं जाती है, शोर मचाती है और ढोल बजाती है। सपा नेताओं के दिलों में न तो प्यार है और न ही सेवा का भाव है। बरेली में शांति बहाल हो गई है, लेकिन सपा के लोग शांति को अशांति में बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि बरेली में अमन व शांति है। जुमे की नमाज भी अच्छे अंदाज में पढ़ी गई। लोग नमाज पढ़कर सीधे अपने घरों में चले गए। मगर अब समाजवादी पार्टी शांत माहौल को अशांत करना चाहती है। इस पर राजनीति करने के लिए उतारू है। समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधित्व मंडल जहां कहीं भी गया, वहां उसने अशांति फैलाई और माहौल खराब किया। मौलाना ने सख्त लहजे में कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव को हम बता देना चाहते हैं कि बरेली का मामला स्थानीय है और यहां के लोग पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर हल करने की कोशिश कर रहे हैं, बाहर के लोगों को शहर में आकर दखल देने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उनके आने से और समस्या बढ़ेगी। बरेली शहर को किसी भी सूरत में संभल बनने नहीं देंगे। अगर सपा के लोगों ने शहर को संभल बनाने की कोशिश की। इस पर पुलिस प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की तो मुस्लिम जमात के कार्यकर्ता सपाइयों को मुंहतोड़ जवाब देना जानते हैं।

मौलाना ने कहा कि बरेली की गंगा जमुनी तहजीब और भाईचारे को कायम रखने के लिए बाहरी लोगों से होशियार रहें। पुलिस व प्रशासन भी बाहर के लोगों पर नजर बनाए रखें, ताकि कोई भी बाहरी व्यक्ति बरेली की शांति में खलल न डाल सके। बता दें कि बवाल के बाद सपा का प्रतिनिधिमंडल बरेली आने वाला था। इसमें शामिल सपा नेताओं को पुलिस ने उनके ही जिले में रोक दिया।

टीईटी अनिवार्यता को लेकर प्रदेश के शिक्षक नाराज

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज

लखनऊ, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट द्वारा टीईटी की अनिवार्यता का आदेश देने के एक महीने बाद भी केंद्र सरकार द्वारा अभी तक अपना पक्ष स्पष्ट न करने पर प्रदेश के शिक्षकों ने नाराजगी जताई है। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बैठक कर केंद्र सरकार के संवेदनहीन रवैये पर नाराजगी जताई। साथ ही जल्द इस पर ठोस निर्णय न लेने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी।

प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से देश भर के लाखों शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। उनमें अपने भविष्य और नौकरी को लेकर चिंता है। विभिन्न संगठनों द्वारा प्रधानमंत्री व शिक्षा मंत्री को हजारों पत्र भेजे गए, इसके बावजूद वह प्रकरण को संज्ञान में नहीं ले रहे हैं। यह केंद्र सरकार की संवेदनहीनता है। प्रदेश महासचिव दिलीप चौहान ने केंद्र सरकार से मांग की कि जब एनसीईटी के 23 अगस्त 2010 की अधिसूचना में साफ है कि इसके पहले के नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य नहीं है। फिर केंद्र सरकार पहल करके इसका समाधान क्यों नहीं करती है। प्रांतीय रिष्ठ उपाध्यक्ष शालिनी मिश्रा ने जल्द ही केंद्र सरकार अपना पक्ष नहीं रखती है तो एसोसिएशन, प्रदेश व देश के शिक्षक संगठनों के साथ मिलकर एक देशव्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक तभी बच्चों को अपना सम्पूर्ण दे सकेंगे जब वह मानसिक रूप से तनावमुक्त रहेंगे। तनाव की स्थिति में बच्चों की बुनियादी शिक्षा पर असर पड़ना संभव है। बैठक में विधि सलाहकार आमोद श्रीवास्तव, विनीत सिंह, शशि प्रभा सिंह, राकेश तिवारी, सुशील रस्तोगी, धर्मेन्द्र शुक्ला, तुलाराम गिरी, सुशील यादव आदि उपस्थित थे।

दूसरी तरफ अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर शिक्षक काली पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि शिक्षक कानूनी लड़ाई के साथ-साथ आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। जल्द केंद्र सरकार ने इस मामले में सकारात्मक कदम नहीं उठाया तो इसकी घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि 25 साल की सेवा के बाद टीईटी लागू करना अव्यवहारिक है। ऐसे में केंद्र सरकार हस्तक्षेप कर इस मामले का हल निकाले।

संभल में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद ध्वस्त होगी

बुल्डोजर कार्रवाई रोकने से हाईकोर्ट का इन्कार

प्रयागराज, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।
संभल में सरकारी तालाब की जमीन पर बनी मस्जिद को ध्वस्त करने की कार्रवाई पर रोक लगाने वाली याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। लगातार दूसरे दिन सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मस्जिद और मैरिज लान को ध्वस्त करने के लिए जारी आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया है। इस फैसले से मुस्लिम पक्ष को तगड़ा झटका लगा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद व मैरिज हाल के ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में त्वरित सुनवाई की मांग के साथ याचिका दाखिल की थी, जो शनिवार को खारिज कर दी गई। आरोप है कि यह मस्जिद सरकारी तालाब की जमीन पर बनी थी। इस मामले में लगातार दूसरे दिन सुनवाई हुई। यह फैसला न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकल पीठ ने दिया है।

दरअसल यह याचिका सरकारी जमीन से बेदखली की कार्रवाई के खिलाफ उपलब्ध वैकल्पिक विधिक उपचार के कारण खारिज की गई है। बहस के बाद याची मुस्लिम पक्षकारों ने याचिका वापस ले ली। हाईकोर्ट ने कहा कि याची तहसीलदार की ओर से जारी बेदखली आदेश के खिलाफ अपील दाखिल करने के लिए स्वतंत्र है।कोर्ट ने अपीलीय प्राधिकारी को मुस्लिम पक्षकारों की अपील पर हाईकोर्ट के इस आदेश से प्रभावित हुए बिना गुणदोष के आधार पर फैसला लेने का निर्देश दिया है।

संभल में तालाब की जमीन पर बने मैरिज हॉल और मस्जिद के ध्वस्तीकरण के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में मस्जिद कमेटी ने तत्काल सुनवाई की मांग के साथ याचिका दाखिल की थी। मामले में शुक्रवार की दोपहर सुनवाई तो हुई लेकिन कोर्ट ने कोई अंतरिम राहत नहीं दी है। याचिका में मसाजिद शरीफ गोसुलबारा रावा बुजुर्ग और मस्जिद के मुतवल्ली मिंजर ने ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता अरविंद कुमार त्रिपाठी और शशांक त्रिपाठी ने दावा किया कि बरात घर पहले ही गिरा दिया गया है। फिर भी प्रशासन की ओर से ध्वस्तीकरण के लिए गांधी जयंती और दशहरे का दिन चुना गया। दूसरी ओर सरकार का आरोप है कि मस्जिद का कुछ हिस्सा सरकारी जमीन पर है और प्रशासन ने अवैध निर्माण हटाने के लिए मस्जिद कमेटी को चार दिन की मोहलत दी थी।

भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की

जांच हो कि बवाल के पीछे असली चेहरा किसका?

बरेली बवाल में 350 आरोपियों के फोन नंबर सर्विलांस पर

बरेली, 04 अक्टूबर (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार शाम को मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि शहर के हालिया बवाल और अतीत की घटनाओं का रिकॉर्ड खंगालते हुए किसी राष्ट्रीय एजेंसी से जांच कराई जाए। तभी यह सच उजागर हो सकेगा कि आखिर किसकी शहर पर शहर में बवाल हुआ? जिस शख्स को बवाल का मास्टरमाइंड मानकर गिरफ्तार किया गया, उसके पीछे कौन है? किसकी शह थी? यह भी साफ होना चाहिए। तभी शहर में दंगों का सिलसिला थमेगा।

श्री अग्रवाल ने कहा कि बरेली बवाल के मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा को राष्ट्र विरोधी रास्ते पर लाने के लिए जिम्मेदार कांग्रेस पार्टी है। तौकीर के पिता को कांग्रेस ने एमएलसी बनाया था। इसके बाद ही सियासत की आड़ में मौलाना तौकीर ने धर्म के आधार पर समाज को बांटने की राजनीति शुरू की। मौलाना तौकीर स्वयं को मुसलमानों का मसीहा बताकर धर्म के नाम पर भीड़ को भड़काने का कार्य करने लगा। तौकीर ने साल 2010 में बरेली को दंगों की आग में झोंकने की सुनियोजित साजिश की। कर्फ्यू के दौरान इस्लामिया इंटर कॉलेज में 20-25 हजार और आजाद इंटर कॉलेज में 10-12 हज़ार लोगों की भीड़ इकट्ठा की गई थी। योजना थी, आधी बरेली को रातों-रात फूंक देने की। स्थिति भयावह हो गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने टेलीफोन तक बंद कर लिए थे। शहर में भय का वातावरण था। लेकिन समाज की सजगता से परिस्थिति बदली। क्षेत्र के लोधी समाज के युवाओं और महिलाओं ने आह्वान पर एकजुट होकर बिना किसी हथियार के बेलन, चकला और जो कुछ भी उपलब्ध था, लेकर मोर्चा संभाला। मात्र आधे घंटे में 35-40 हजार लोग, जिनमें 5-7 हज़ार महिलाएं शामिल थीं, एकत्रित हो गए। उनकी इस एकजुटता के सामने उपद्रवियों को पीछे हटना पड़ा और तभी प्रशासन भी सक्रिय हुआ।

उस घटना के बाद उच्च न्यायालय ने 28 जुलाई 2010 को स्पष्ट आदेश जारी किया कि संबंधित पक्ष किसी भी असामाजिक या राष्ट्रविरोधी गतिविधि में शामिल न हों। लेकिन राजनीतिक दबाव के कारण मामला वर्षों तक दबा रहा। बरेली के तत्कालीन एडीजे ने स्वतः संज्ञान लेकर एफआईआर दर्ज करवाई और तौकीर विरुद्ध वाद आरम्भ हुआ। लेकिन राजनीति सक्रिय हुई और केस को अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया। न्यायाधीश का भी तबादला बरेली से चित्रकूट कर दिया गया।

श्री अग्रवाल ने कहा कि अभी तक प्रदेश सरकार द्वारा की गई कार्रवाई से ज्ञात होता है कि इस कांड के तार प्रदेश से तो जुड़े ही थे साथ ही देश और विदेश से भी जुड़े पाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार इसकी गहनता से जांच भी करा रही है। इस जांच में केंद्रीय एजेंसियों का भी सहयोग लिया जाए तो निश्चित रूप से दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा और वे चेहरे जो राजनीतिक और व्यक्तिगत रोटियां सेंक रहे थे, उजागर होंगे।

उधर, बरेली बवाल मामले में पुलिस ने 350 आरोपियों के फोन नंबर सर्विलांस पर लगाए हैं, जो बवाल के बाद से फरार हैं। आरोपियों की लोकेशन पता की जा रही है ताकि जल्द गिरफ्तारी की जा सके। पुलिस उन सोशल मीडिया अकाउंट की भी जांच कर रही है, जिन पर भड़काऊ सामग्री पोस्ट की गई थी। बरेली में 26 सितंबर को बवाल करके भागे मौलाना तौकीर के करीबियों व समर्थकों की तलाश तेज हो गई है। ऐसे 350 आरोपियों के मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगाकर उनकी लोकेशन पता की जा रही है। साथ ही, भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने वाले 117 सोशल मीडिया अकाउंट की जांच भी की जा रही है। पुलिस के मुताबिक आईएमसी के पदाधिकारियों, सक्रिय सदस्यों और मौलाना के करीबियों ने बवाल के दौरान भीड़ का नेतृत्व किया था। बवाल के मुकदमे में इनमें से कुछ नामजद हैं तो फोटो-वीडियो से पहचान के बाद कुछ के नाम मुकदमों में शामिल किए गए हैं। इसकी भनक लगते ही वे भाग निकले। उधर, बवाल के आरोपियों और उनके मददगारों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है।

पुलिस के मुताबिक ऐसे 350 लोगों के नंबर सर्विलांस पर लगाए गए हैं। इनमें से कुछ के फोन लिसनिंग पर लेकर भी उनकी गतिविधियों की टोह ली जा रही है। उनके परिवार के सदस्यों को उठाकर भी दबाव बनाया जा रहा है। साथ ही 117 सोशल मीडिया अकाउंट की जांच की जा रही है। इनमें 32 एक्स और बाकी फेसबुक अकाउंट हैं, जिनके जरिए बवाल के पहले से विवादित पोस्ट किए जा रहे थे। कुछ अकाउंट ऐसे भी हैं, जिनसे बवाल के बाद भी विवादित सामग्री शेयर की गई।

पुलिस का मानना है कि बवाल के बाद ज्यादातर खुराफाती कारों व बाइक से शहर से भागे होंगे। उनकी तलाश में टोल प्लाजा के सीसी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। कुछ आरोपियों के ट्रेन या बस से भागने की आशंका है। इसलिए एसएसपी ने रेलवे स्टेशनों व बस अड्डों पर लगे सीसी कैमरों की फुटेज चेक कराने का आदेश दिया है। पुलिस ने कई मुकदमों में आरोपियों पर लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत भी धाराएं लगाई हैं। बवाल के दिन पुलिस की एंटी राइट गन, वायरलेस आदि की तोड़फोड़ व चोरी की गई थी। कई बैरिकेड भी तोड़ दिए गए थे। एक दंत चिकित्सक की दुकान के शीशे व दो बाइकें भी तोड़ी गई थीं। कोतवाली पुलिस अब इस नुकसान का आकलन कर रही है। कोतवाल अमित पांडेय ने बताया कि आईएमसी की ओर से भीड़ बुलाई गई थी, ऐसे में इस तरह के सभी नुकसान की भरपाई इसी पार्टी से की जाएगी।

अंक पहेली

एक दिन मैंने देखा कि छोटा-सा शिवम अपने दोस्त रघु के साथ कंचे खेल रहा था। शिवम ने रघु से कहा, 'अगर तुम मुझे एक कंचा दे दो, तो मेरे पास भी उतने ही कंचे हो जाएंगे, जितने कि तुम्हारे पास हैं।' शिवम की बात सुनकर रघु ने जवाब दिया, 'अगर तुम मुझे अपने कंचों में से एक कंचा दे दो, तो मेरे पास तुम्हारे से दोगुने कंचे हो जाएंगे।' उनकी बात सुनकर मुझे समझ नहीं आ रहा कि शिवम और रघु के पास कितने कंचे हैं? क्या आप इस बारे में मेरी मदद करेंगे?

शिवम के पास पांच कंचे हैं और रघु के पास सात कंचे हैं।

ओवन में ज्वालामुखी का लावा

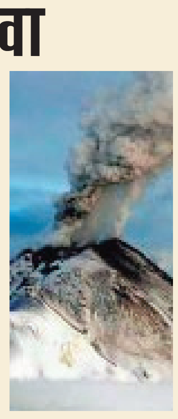

दुनिया का पहला पिज्जेरिया (जहां पिज्जा बनते हैं), पोर्ट एल्बा, 1830 में खुला था। उस वक्त पिज्जा जिस ओवन में पकाए जाते थे, उसके किनारों में स्थानीय ज्वालामुखी से लाया गया लावा भरा होता था।

वीडियो गेम का नाम सुनते ही बच्चों के चेहरों पर खुशी आ जाती है। क्या आप जानते हैं कि वीडियो गेम्स की शुरुआत कब हुई, कौन-सी वीडियो गेम्स सबसे अधिक प्रसिद्ध हुईं और इनके क्या फायदे और नुकसान हैं, चलिए हम आपको बताते हैं..

वीडियो गेम्स की दुनिया

वीडियो गेम्स की शुरुआत कंप्यूटर युग के साथ ही हुई। टीवी-वीडियो गेम से शुरू होकर अब यह ऑनलाइन इंटरनैट गेम और मोबाइल गेम तक पहुंच चुकी है। इंटरनैट का प्रचलन बढ़ने के साथ-साथ वीडियो गेम्स की लोकप्रियता भी बढ़ी है। अब इसके लिए ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करने पड़ते। कई ऐसी साइट्स हैं, जिनसे मफ्त वीडियो गेम्स को आप अपने पीसी पर डाउनलोड कर सकते हैं।

मारियो : जब यह गेम पहली बार शुरू हुई, तो इसने दो सौ गेम्स को पीछे छोड़ दिया था। इसको डोंकी कौंग गेम में जम्प मैन कहा जाता था। इस पात्र की रचना शिंगिरू मियांमोटो ने की थी। इसके बाद मारियो को फिल्मों, कॉक्सि और टीवी में भी लाया गया था।

पोकेमॉन : यह पात्र संतोषी तजीरी की खोज था। इस गेम में छोटे लड़के की शरारतों तो दिखाया गया था। जल्दी ही इस पात्र को एनिमेशन में भी बदल दिया गया। फिर इसे बच्चों के खेलने के खिलौने में लाया गया।

टैटरिस : यह गिरते डिब्बे वाली पजल वीडियो गेम है। इसकी रचना एलेक्सी पजीतनोव ने की थी। इस गेम के पहले संस्करण की 35 मिलियन कापियों की बिक्री हुई थी।

द सिमस : इस गेम में जंग की नीति और जीवन को दिखाया गया है। इसकी रचना विल राइट ने की थी। तीन भागों में विभाजित इस गेम में जब आप दूसरे-तीसेर भाग में जाते हैं, तो वास्तविक जिदगी के समान यहां भी चुनौतियां बढ़ती जाती हैं।

निड ऑफ स्पिड : यह गेम बहुत सारे रेसिंग वीडियोज पर आधारित है, जैसे कार रेस। रेस लगाती कारों को बगैर टक्कर के जीत दिलाना बच्चों को न सिर्फ रोमांचित करता है, बल्कि उन्हें जीवन में भी बिना किसी को चोट पहुंचाए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

फाइनल फैंटसी : इसका निर्माण हिरोनोब सागगुची ने किया था। 12 भागों में विभाजित इस गेम का हरेक एक भाग बच्चों के रोमांच में इज़ाफा करता जाता है।

ग्रैंड यैफट आटो : यह गेम मिट्टी से भरे हुए एक डिब्बे की कहानी है। इसको डेव जोंस ने तैयार किया था। इसकी विशेषता डिब्बा है, जो दो भागों में विभाजित है।

द लैजेंड ऑफ जैलडा : यह काफी रोमांचक गेम है। यह साहसिक कार्यों पर आधरित है। इसकी रचना शिंगिरू मियांमोंटो ने की है।

टॉम कलैंसी : यह गेम पूरी तरह से भूतों और इन्द्रधनुष के रंगों पर आधारित है।

ड्रैगन कवैस्ट : ड्रैगन के बुरे इरादों के खिलाफ लड़ने वालों पर आधारित इस गेम में एक पात्र राजा भी है। बच्चे इस राजा के साथ खेलते हैं, जोकि ड्रैगन से बचना चाहता है। इसकी रचना यूगीहोरी ने की है

डोंकी कौग : शिंगिरू मियांमोटो द्वारा तैयार इस गेम से मारियो पात्र की रचना की गई थी। इस गेम में मारियो को पैसे जमा करना होते हैं।

हैरी पॉटर : यह गेम लोकप्रिय पुस्तक हैरी पॉटर पर आधारित है। इस गेम में जादू की दुनिया है और वह सब है, जो हैरी पॉटर की पुस्तकों और फिल्मों में होता है।

जेम्स बॉन्ड : यह लोकप्रिय जासूसी पात्र जे स बॉन्ड के कारनामों पर आधरित गेम है। इसमें बच्चे जेम्स बॉन्ड के साथ मिलकर दुश्मनों को मात देने के लिए अलग-अलग योजनाएं बनाते हुए खेलते हैं।.

फायदे भी हैं

वीडियो गेम्स केवल बच्चों का मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि उनकी जानकारी भी बढ़ाती हैं। कई वीडियो गेम्स बच्चों को खेल-खेल में साईंस की मुश्किल बातें सिखा देती हैं, तो कुछ मैथ्स में उन्हें तेज कर देती हैं। बच्चों की एकाग्रता बढ़ती है और दिमाग़ भी तेज़ होता है। क्रिकेट, फुटबाल सहित कई खेलों की वीडियो गेम्स से बच्चों की इन खेलों के प्रति रुचि भी बढ़ती है।

नुकसान भी हैं

बच्चे अब बंद कमरे में बैठकर गेम खेलना पसंद करते हैं, जिससे उनकी शारीरिक सक्रियता में कमी आई है। इससे उनकी सेहत को नुक़सान पहुंच रहा है। कई वीडियो गम्स हिंसा से भरपूर होती हैं, जो बच्चों में गुस्सा भी बढ़ाती हैं। ज्यादा समय तक एकटक गेम खेलने से आंखों की रोशनी पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

आजकल दुनियाभर में घट रही घटनाओं से संबंधित वीडियो गेम्स भी फटाफट मार्किट में आ जाती हैं, जो इनके अच्छे और बुरे पहलुओं से बच्चों को रूबरू करवाती हैं। इनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज बुश पर इराकी पत्रकार द्वारा फेंके गए जूते और तालिबानी आतंकवादियों के खिलाफ चल रही लड़ाई पर आधारित वीडियो गेम्स प्रमुख हैं। इसमें ओसामा बिन लादेन को हराकर बच्चे रोमांचित होते हैं।

शैतान का त्रिभुज

कई दुर्घटनाएं ऐसी होती हैं, जिनके कारण इंसान कुदरत की सुपरनैचुरल ताकतों पर विश्वास करने लगता है। हालांकि इनके पीछे कोई तर्क या वैज्ञानिक तथ्य नहीं होते...

नियाभर में बहुत-सी रहस्यात्मक चीजों को विश्वसनीय बनाने के लिए कई घटनाओं या दुर्घटनाओं को उसके साथ जोड़ा जाता है। ये काल्पनिक हैं या इनका वास्तविकता से कोई संबंध है, यह हमेशा से ही बहस का मुद्दा रहा है। बरमूडा त्रिभुज (बरमूडा ट्राएंगल) भी इनमें से एक है।

शैतान का त्रिभुज (डैविल्स ट्राएंगल) के नाम से प्रसिद्ध बरमूडा ट्राएंगल अमेरिका के दक्षिण-पूर्वी एटलांटिक तट पर स्थित एक काल्पनिक इलाका है। आमतौर पर यह ट्राएंगल मियामी, फ्लोरिडा, सैन डियागो, पोर्टो रिको का इलाका माना जाता है। इस इलाके से बहुत-से शिप और हवाई जहाज गायब होने की घटनाएं हो चुकी हैं। इस तरह जहाजों के गायब होने की घटनाओं को बरमूडा ट्राएंगल की सुपरनैचुरल क्वालिटीज व रहस्यों की प्रसिद्ध मान्यता को विश्वसनीय बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

इस इलाके में हुई दो सबसे बड़ी दुर्घटनाएं अमेरिका से संबंध रखती हैं। अमेरिकी नौसेना का जहाज़ मार्च 1918 में इसी क्षेत्र में डूबा था और 5 दिसंबर 1945 को पांच लड़ाकू जहाजों ने नेवल एयर स्टेशन से उड़ान भरी, पर वे कभी लौट कर नहीं आए। इन विमानों में लैफ्टिनेंट चार्ल्स टेलर के साथ 13 ट्रेनी पायलट थे। हालांकि माना जाता है कि शिप शायद अप्रत्याशित तूफान के कारण समुद्र में डूब गया था और हवाई जहाज ईंधन की कमी के चलते क्रैश होकर समुद्र में गिर गए थे। वैसे आजतक इन जहाजों के अवशेष भी नहीं मिल पाए हैं।

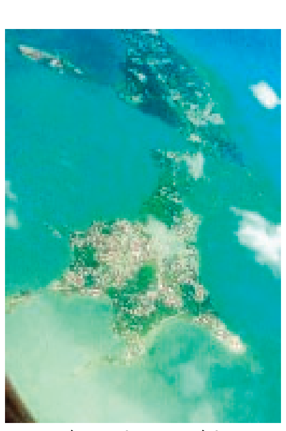

इस इलाके में जहाज के गायब होने की एक और प्रसिद्ध घटना फरवरी 1963 की है, जब काफी ज्यादा मात्रा में पिघला हुआ सल्फर ले जा रहा एक सिविलियन टैंकर 'एसएस मैरीन सल्फर वीन' यहां डूब गया। हालांकि मैरीन सल्फर क्वीन का मलबा भी नहीं मिल पाया है, पर जीवन रक्षकऔर दूसरी वस्तुएं समुद्र में तैरती हुई बरामद हो गई थीं।

अमेरिकी नौसेना बरमूडा ट्राएंगल में विश्वास नहीं करती है और न ही इसका दुनिया के न शे में कहीं जिक्र ही है। उनके अनुसार टैलिग्राफ, रेडियो और राडार की डिवेलपमेंट से पहले नाविक तब तक यह नहीं जान पाते थे कि तूफान या हरिकेन उनके नजदीक है, जब तक कि वह क्षितिज पर दिखाई नहीं देता था। और इस तरह जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो जाते थे।

सभ्यता की शुरुआत से अब तक दुनियाभर में नैविगेशनल व इंसानी गलतियों, तूफानों, आग, डकैती और बनावट या मकैनिकल गलतियों के कारण हजारों जहाज समुद्र में गायब हो चुके हैं। हवाई जहाज भी इन्हीं समस्याओं के कारण दुनियाभर में समुद्र में गिरते रहे हैं। चूंकि जहाज़ के डूबने या क्रैश होने का कोई जीवित गवाह नहीं होता, इसलिए नुक़सान का वास्तविक कारण और ग़ायब हुए जहाज़ या एयरक्राफ्ट की लोकेशन पता नहीं चल पाती।

मालूम क्या?

चीन में एक किसान को दोषी पाए जाने के बाद उसे मौत की सजा सुनाई गई। जज ने फैसला सुनाते हुए कहा कि किसान के अंतिम वाक्य के आधार पर ही उसकी सजाा का तरीका तय किया जाएगा। यदि किसान झूठ बोलता है, तो उसे फांसी की सजा दी जाएगी और यदि वह सच बोलता है, तो उसका सिर धड़ से अलग कर दिया जाएगा। किसान अपना अंतिम वाक्य बोलता है और सब लोग हैरान रह जाते हैं, क्योंकि उसे आजाद कर दिया जाता है, उसे कोई सजा नहीं होती। दरअसल जज उसकी सजा का फैसला ही नहीं कर पाता। क्या आप बता सकते हैं कि किसान ने क्या कहा था?

उत्तर: किसान ने कहा, 'मुझे फांसी की सजा दी जाएगी।' यदि किसान झूठ बोलता, तो उसे फांसी की सजा दी जानी थी, पर किसान ने यही कहा। इसका मतलब है कि वह सच बोल रहा था। लेकिन यदि वह सच बोल रहा था, तो उसका सिर कलम किया जाना था। जज के लिए यह फैसला करना असंभव हो गया कि किसान सच बोल रहा है या झूठ। इसलिए वह सजा का फैसला नहीं कर पाया और उसने किसान को आजाद कर दिया।

क्या आप जानते हैं?

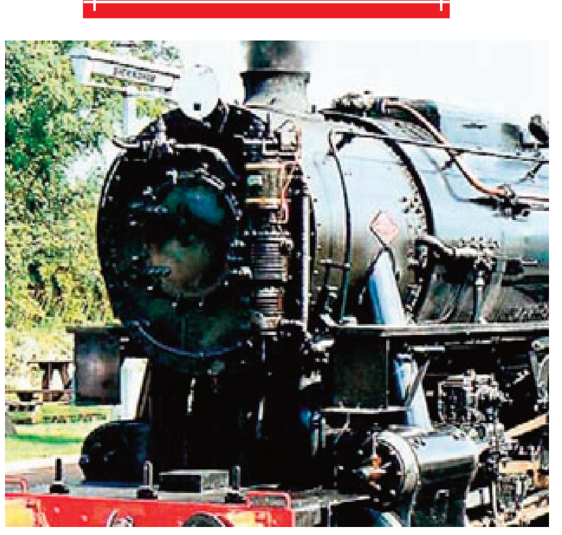

- भारत की 'फेरी क्वीन' दुनिया का सबसे पुराना भाप से चलने वाला रेल गाड़ी का इंजन है।
- स्तनपायी प्राणियों का खून लाल रंग का होता है, जबकि कीटों का पीला और झींगों का नीला।
- मजदूर चींटियां 7 साल तक जीती हैं, लेकिन रानी चींटी लगभग 15 साल तक जी सकती है।
- कैस्पियन-सी दुनिया की सबसे बड़ी झील है।
- आन और जॉन टेलर ने विश्व प्रसिद्ध बाल कविता 'ट्विंकल-ट्विंकल लिटल स्टार' की रचना की।
- शुक्र ग्रह को पृथ्वी का सिस्टर प्लैनेट कहा जाता है।
- अधिकतर स्तनपायी प्राणियों की मौत का जिम्मेदार मच्छर होता है।

जमीन के नीचे दुनिया

समय के साथ-साथ कई शहरों का नामोनिशां मिट गया। आज इनके केवल कुछ अवशेष ही बचे हैं, जो इनकी कहानी बताते हैं।

पेट्रा : पेट्रा शहर सातवीं सदी ईस्वी सन् में दुनिया के नक्शे से गायब हो गया। यह व्यापार का बड़ा केंद्र था। हजारों साल तक यह मलबे के नीचे दबा रहा। 1812 में स्विस स्कॉलर ने इसकी पहचान प्राचीन राजधानी नबातियन के खंडहरों के रूप में की। दक्षिणी जॉर्डन में सुदूर रेगिस्तानी दर्रों की एक श्रृंखला फैली हुई है। 2000 साल से भी ज्यादा साल पहले अरेबिया, सीरिया, फिलिस्तीन और मिस्र के बीच व्यापार करने वाले काफिले इसी रास्ते से होकर जाते थे। खुदाई से पता चलता है कि नबातियन लोग पानी की सप्लाई को कंट्रोल करने की कला जानते थे।

मोहन जोदाड़ो : 1921 तक सिंधु घाटी की सभ्यता के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी, जब तक हड़प्पा और मोहन जोदाड़ो की खुदाई का काम शुरू नहीं हुआ था। यह सभ्यता करीब 4,500 साल पहले यहां रहती थी और हजार साल तक यहां रही। मोहन जोदाड़ो एक सुव्यवस्थित शहर था।

माचू पिचू : माचू पिचू की खोज पुरातत्ववेत्ताओं ने करीब 100 साल पहले की थी, लेकिन इतिहासकार अभी भी इस प्राचीन शहर की कार्यप्रणाली के बारे में यकीन से कुछ नहीं कर रहे। इंका लोगों का लिखने का कोई सिस्टम नहीं था, इसलिए उनका कोई लिखित रिकॉर्ड भी नहीं है। माना जाता है कि इंका लोगों ने 1430 ईस्वी सन् के आसपास इसका निर्माण शुरू करवाया था, पर करीब सौ साल बाद इंका शासकों ने इसे त्याग दिया, ज्योंकि उस समय स्पेन ने इंका सम्राज्य को हरा कर कब्जा कर लिया था।

कारवां और भी : प्लेंक मैक्सिको, स्टोनहेंज, इंग्लैंड, पलमिरा, सीरिया, टैनिस, मिस्र, पर्सपोलिस, ईरान, ग्रेट एनक्लोजर, जिम्बाबवे, निमरूद, इराक, मेसा वर्दे, कोलोराडो, प्राचीन ट्रॉय।

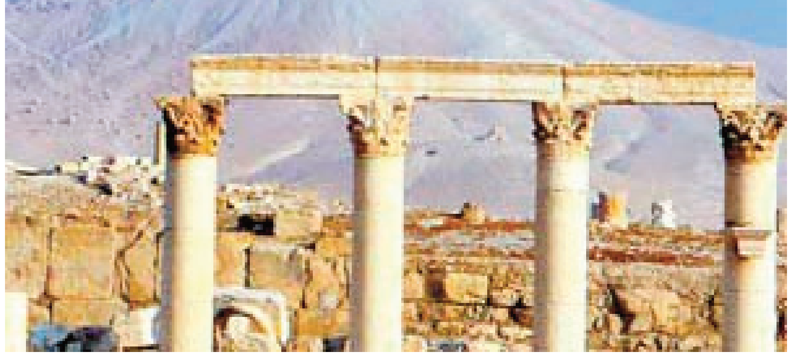

द ग्रेट साल्ट लेक

62 मील लम्बी और लगभग 30 मील चौड़ी द ग्रेट साल्ट लेक अमरीका के उटाह राज्य के उत्तरी भाग के एक बड़े क्षेत्र पर फैली हुई है। यह 'सागर' किसी समय नेवादा तथा इडाहो के बीच लगभग 20,000 वर्ग मील क्षेत्र पर फैला था। 'द ग्रेट साल्ट लेक' के और भी सिकुड़ने की आशंका है, क्योंकि बीयर नदी, वेबर नदी और जॉर्डन नदी (जो वासाच पर्वतों व चट्टानों से होकर गुजरती हैं), अब इतनी सक्षम नहीं रहीं कि झील में भरपूर पानी उंडेल सकें। किसी समय झील की गहराई क हज़ार फुट थी, लेकिन आज इसकी गहराई मात्र 15-16 फुट रह गई है। इसमें आने वाले पानी के बहाव में कमी और वाष्पीकरण के कारण इसके जल स्तर में गिरावट आ रही है। इसे एक संवेदनशील 'लाइमैटिक इंडीकेटर' माना जाता है, क्योंकि इसकी गहराई में मात्र 2 फुट की कमी आने से ही इसका क्षेत्र 100 वर्ग किलोमीटर कम हो जाता है।

हम बताएं, आप बनाएं

पाक ने ट्रंप का शांति प्रस्ताव ठुकराया कहा ये मसौदा हमारा नहीं है इसे बदला गया है

इस्लामाबाद, 04 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान कब किसके साथ गद्दारी कर दे कोई नहीं जानता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान की सेना प्रमुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस बुलाकर साथ में डिनर किया और गलबहियां डालकर फोटो सेशन कराया। इसके बाद आवभगत से गदगद मुनीर ने ट्रंप के लिए नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। अब इसी पाकिस्तान ने राष्ट्रपति ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने देश को औपचारिक रूप से इससे अलग करते हुए कहा है कि यह दस्तावेज हमारा नहीं है और इसमें हमारे मूल मसौदे में बदलाव किए गए हैं। डार का यह बयान संसद में आया, जिससे पाकिस्तान इस प्रस्ताव से आधिकारिक रूप से दूरी बनाने वाला पहला बड़ा देश बन गया है। आपको बता दें कि इस प्रस्ताव को हमास ने मंजूर कर लिया है। डार ने कहा कि अमेरिका द्वारा घोषित यह शांति योजना उस मसौदे से अलग है जो मुस्लिम देशों ने संयुक्त रूप से तैयार किया था। उन्होंने कहा, यह हमारा ड्राफ्ट नहीं है। इसमें जो संशोधन किए गए हैं, वे हमारी सहमति से नहीं हुए। सूत्रों के अनुसार, इस सख्त रुख के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की मंजूरी है। सेना नहीं चाहती कि इस योजना को किसी भी रूप में अमेरिकी या इजराइली हितों को मान्यता देने वाला समझा जाए। रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा है कि यह बयान पाकिस्तान सरकार की फेस-सेविंग एक्सरसाइज का हिस्सा है ताकि जनता के बीच यह संदेश जाए कि इस्लामाबाद ने अमेरिकी दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया है। इस रुख से पाकिस्तान यह भी संदेश देना चाहता है कि वह मुस्लिम देशों की एकजुटता से अलग नहीं हो रहा और न ही मुस्लिम मकसद को बेच रहा है। सूत्रों का कहना है कि हालांकि सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान इस प्रस्ताव को खारिज कर रहा है, परंतु पर्दे के पीछे वह अमेरिका और अरब के साथ कूटनीतिक संवाद जारी रखेगा। जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान का यह कदम घरेलू राजनीतिक और धार्मिक दबाव को ध्यान में रखकर उठाया गया है। पाकिस्तान के भीतर मौजूद कट्टरपंथी और प्रोपैलेस्टाइन लॉबी किसी भी ऐसी योजना का विरोध कर रहे हैं जिसमें हमास के निरस्त्रीकरण या इजरायल की आंशिक मान्यता जैसी बातें शामिल हों ।

न्यूज ब्रीफ

इंडोनेशिया में स्कूल इमारत ढहने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़ी

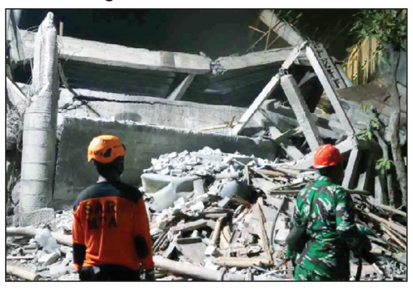

जकार्ता। इंडोनेशिया में एक स्कूल की इमारत ढहने की घटना में मलबे से कई और शव बरामद होने के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। कई छात्र अब भी लापता हैं और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। बचावकर्मी इमारत ढहने के बाद से बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। शुक्रवार शाम को बचावकर्मियों को नौ शव मिले, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई। लगभग 50 छात्र लापता हैं। इंडोनेशिया के जावा प्रायद्वीप के सिदोअर्जो में स्थित एक सदी पुराने 'कोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल' के प्रार्थना कक्ष का ढांचा ढह गया था। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा नियंत्रण एजेंसी के प्रमुख सुहार्यंतो के अनुसार, शुक्रवार को दो शव प्रार्थना कक्ष के पास पाए गए जबकि एक शव निकास द्वार के पास मिला। सुहार्यंतो ने संवाददाताओं को बताया कि शनिवार रात तक बचाव कार्य पूरा हो जाने की उम्मीद है।

जापान में पहली महिला प्रधानमंत्री बनेगीं सनाए तकाइची

टोक्यो। जापान की पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री सनाए ताकाइची शनिवार को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की पहली महिला अध्यक्ष चुनी गईं और अब उनका देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी को दूसरे दौर के निर्णायक मतदान में हराया । कोइजुमी पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरों कोइजुमी के बेटे हैं। यह चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के इस्तीफे के बाद हुआ है जिनकी सरकार ने संसद में बहुमत खो दिया था। पार्टी नेतृत्व की दौड़ में शामिल पाँचों उम्मीदवारों में से किसी को भी पहले दौर के मतदान में बहुमत नहीं मिलने के बाद दूसरे चरण के मतदान में ताकाइची को कोइजुमी के 156 वोटों के मुकाबले 185 वोट मिले। ताकाइची को सांसदों के 149 और एलडीपी सदस्यो के 36 वोट मिले जो कोइजुमी को सांसदों के 145 और पार्टी की स्थानीय शाखा संगठन (प्रीफेक्चुरल चैप्टर) के 11 वोटों से कही ज्यादा है। पार्टी के नेतृत्वकारी पद के लिए ताकाइची की यह तीसरी दावेदारी थी।

होटल बुलाकर दो भारतीयों ने कॉलगर्ल के गहने-पैसे लूटे, अब भुगतेंगे 12 कोड़े और 5 साल की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर घूमने गए दो भारतीयों ने कॉलगर्ल को ही लूट लिया। योजना के मुताबिक दोनों ने पैसों की जरुरत पूरी करने के लिए लड़कियों के मुंह में कपड़ा ठूंसा और बांध दिया, फिर उनके पैसे और गहने लूटकर फरार हो गए। पकड़े जाने ने पर स्थानीय अदालत ने 12 कोड़े मारने और 5 साल एक महीने की सजा सुनाई है। 23 वर्षीय अरोकियासामी डायसन और 27 वर्षीय राजेंद्रन माइलारासन ने पीड़ितों के साथ लूटपाट की और उन्हें चोट भी पहुंचाई। अदालत को बताया गया कि अरोकियासामी और राजेंद्रन 24 अप्रैल को भारत से सिंगापुर छुट्टियां मनाने आए थे। दो दिन बाद लिटिल इंडिया इलाके में टहलते समय एक अज्ञात व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और पूछा कि क्या वे वेश्याओं को किराए पर लेना चाहेंगे। उस व्यक्ति ने फिर उन्हें दो महिलाओं से संपर्क करवाया और चला गया। अरोकियासामी ने राजेंद्रन से कहा कि उन्हें पैसे की जरूरत है। उसने सुझाव दिया कि वे उन महिलाओं से संपर्क करें और होटल के कमरे में उनसे लूटपाट कर लेंगे। राजेंद्रन इस पर सहमत हो गया। उन्होंने उसी दिन शाम 6 बजे के आसपास होटल के कमरे में पहली महिला से मिलने की व्यवस्था की। कमरे में जाने के बाद उन्होंने पीड़िता के हाथ-पैर कपड़ों से बांध दिए और उसे थप्पड़ मारा। उन्होंने उसके गहने, 2 हजार सिंगापुर डॉलर नकद, उसका पासपोर्ट और बैंक कार्ड लूट लिए। रिपोर्ट के मुताबिक रात लगभग 11 बजे उन्होंने दूसरी महिला के साथ एक अन्य होटल में मुलाकात की। जब वह आई तो उन्होंने उसकी बाहों को कसकर पकड़ लिया। राजेंद्रन ने उसके मुंह को ढक दिया ताकि वह चिल्ला न सके।

शांति प्रस्ताव को लेकर अमेरिकी धमकी के बाद राजी हुआ हमास ट्रंप ने इजराइल को गाजा में कार्रवाई तत्काल रोकने को कहा

वाशिंगटन,04 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के गाजा शांति प्रस्ताव पर फिलिस्तीनी मिलिशिया संगठन हमास सहमत हो गया है ।उसने शांति प्रस्ताव के प्रभावी होने के 72 घंटे के भीतर जीवित या मृत, सभी 48 इजरायली बंधकों को रिहा करने और गाजा प्रशासन स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञों की फिलिस्तीनी संस्था को सौंपने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल को गाजा में तुरंत बमबारी रोकने को कहा है। ट्रंप की ओर से हमास के लिए शांति प्रस्ताव स्वीकार करने को लेकर डेडलाइन दिए जाने के कुछ देर बाद ही हमास ने इस प्रस्ताव पर रजामंदी की घोषणा की।

करीब दो साल से गाजा में जारी इजराइल के सैन्य अभियान के थमने की संभावनाओं को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति के शांति प्रयासों को सराहा जा रहा है ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप के गाजा शांति प्रयासों का स्वागत करते हुए कहा कि बंधकों की रिहाई महत्वपूर्ण कदम है।

हमास ने बयान जारी कर संकेत दिया है कि वह तुरंत मध्यस्थता वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार है जिसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संतोष व्यक्त करते हुए टुथ सोशल पर लिखा, हमास की ओर से जारी बयान के आधार पर मेरा मानना है कि वे स्थायी शांति के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने इसराइल की तरफ से गाजा पर बमबारी तुरंत रोके जाने की जरूरत बताई है जिससे जल्द से जल्द बंधकों को सुरक्षित निकाला जा सके।

शांति वार्ता में शामिल होने को तैयार: हमास

हमास की तरफ से कहा गया है कि ट्रंप के गाजा प्लान पर विस्तृत चर्चा के लिए मध्यस्थों के माध्यम से तत्काल वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार है। हमास ने यह भी दोहराया कि वह गाजा का प्रशासन %स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञों की फिलिस्तीनी संस्था को सौंपने के लिए तैयार है। हमास ही अब तक गाजा का प्रशासन चलाता था। द टाइम्स आफ इजराइल के मुताबिक योजना में निर्धारित शर्तों के अनुसार हमास शेष बचे सभी 48 बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है, जिसके तहत उन्हें स्थायी युद्ध विराम लागू होने के 72 घंटों के भीतर रिहा किया जाएगा और बदले में उन्हें 2,000 से अधिक फिलिस्तीनी सुरक्षा कैदियों तथा मारे गए गाजावासियों के शवों के साथ रिहा किया जाएगा। इसके बाद इजरायल गाजा से अपनी वापसी का पहला चरण पूरा करेगा।

हमास को ट्रंप की चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हमास को रविवार शाम 6 बजे तक इजरायल के साथ शांति समझौते पर पहुंचने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि हमास को गाजा प्लान को स्वीकार कर इजरायली बंधकों को रिहा करने का आखिरी मौका दिया जा रहा है, अगर वह इस पर सहमति नहीं जताता है तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। बीते दिनों अमेरिका दौरे पर गए इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ट्रंप से अमेरिकी शांति योजना पर बातचीत हुई जिसमें दोनों के बीच इसे लेकर सहमति बनी थी। 30 सितंबर को मिस्र, जॉर्डन, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्की, इंडोनेशिया और पाकिस्तान ने संयुक्त बयान जारी कर ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव का समर्थन किया था। अमेरिका के गाजा शांति प्रस्ताव के तहत हमास को तुरंत 48 इजराइली बंधकों को छोड़ना होगा, जिनमें लगभग 20 जीवित माने जा रहे हैं। इसके साथ ही उसे सत्ता और हथियार छोड़ने होंगे। जबकि इजराइल, गाजा में अपनी कार्रवाई रोक कर अधिकांश क्षेत्रों से पीछे हटेगा, सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा और मानवीय मदद तथा पुनर्निर्माण की अनुमति देगा। गाजा के लगभग 20 लाख फिलिस्तीनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशासन लागू होगा। बीस सूत्री गाजा पीस प्लान में क्या है खास:- इजराइल गाजा में तुरंत सैन्य अभियान रोक कर चरणबद्ध तरीके से सेना को हटाएगा। हमास 72 घंटे के भीतर सभी बंधकों को रिहा करेगा। इजराइल अपने यहां आजीवन कारावास की सजा पाए 250 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इसके अलावा हिरासत में लिए गए 1700 गाजावासियों की भी रिहाई होगी ।-हमास के जो सदस्य शांतिपूर्वक साथ रहने की शपथ लेंगे, उन्हें माफी दी जाएगी ।-गाजा में बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता के रूप में रोजाना कम से कम 600 ट्रक राहत सामग्री पहुंचेंगे ।-गाजा की शासन व्यवस्था में हमास को कोई भूमिका नहीं मिलेगी और सभी आतंकी सुरंगें व सैन्य ढांचे नष्ट किए जाएंगे।

गाजा का प्रशासन फिलिस्तीनी तकनीकी विशेषज्ञों के हाथों में होगा, जिसे एक अंतरराष्ट्रीय समिति की निगरानी में चलाया जाएगा। -गाजा को आतंक मुक्त क्षेत्र बनाया जाएगा। गाजा का पुनर्निर्माण और विकास कार्य शुरू होगा। इजराइल न तो गाजा का विलय करेगा और न ही स्थायी कब्जा।-अमेरिका, इजराइल-फिलिस्तीन विवाद के राजनीतिक समाधान पर बातचीत को आगे बढ़ाएगा।

हमास का आतंकी हमला और इजराइल की जवाबी कार्रवाई

उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमास के आतंकी हमले में 815 नागरिकों सहित 1,195 लोगों की जान चली गई और बड़ी संख्या में लोगों और महिलाओं को बंधक बनाया गया था। इस आतंकी हमले के बाद से इजराइल ने गाजा में जो सैन्य कार्रवाई शुरू की, जिसने पूरे मध्य पूर्व को प्रभावित किया है। गाजा संघर्ष में गाजा, इजराइल के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ दक्षिणी लेबनान, सीरिया, यमन और ईरान में भी लोग हताहत हुए हैं। गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई में अबतक हजारों लोगों की जान जा चुकी है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय (जीएचएम) और इजरायली विदेश मंत्रालय के अनुसार, 24 सितंबर 2025 तक 68,300 से अधिक लोग (66,414 फिलिस्तीनी और 1,983 इजरायली) गाजा युद्ध में मारे गए हैं। साथ ही 217 पत्रकार और मीडियाकर्मी, 120 शिक्षाविद और 224 से अधिक मानवीय सहायता कार्यकर्ता शामिल हैं ।

अमेरिका ने लगाया दाढ़ी पर प्रतिबंध, कई सैनिकों, मुस्लिमों और यहूदियों के लिए संकट

वाशिंगटन,04 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका ने नई ग्रूमिंग नीति के तहत दाढी रखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे धर्म के आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की नौकरी भी खतरे में आ गई है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा जारी हालिया मेमो के तहत सैन्य दाढ़ी रखने की छूट को लगभग समाप्त कर दिया गया है, जिससे धार्मिक आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की सेवा पर संकट मंडरा रहा है। यह नीति 2010 से पहले की मानकों पर लौटने का आदेश देती है, जिसमें दाढ़ी की छूट की सामान्यत: अनुमत नहीं होगी।

हालांकि इससे पहले 2017 में भी कुछ तरह के निर्देश दिए गए थे, बाद में सिख सैनिकों के लिए दाढ़ी और पगड़ी की स्थायी छूट को औपचारिक रूप दिया था। इसी तरह, मुस्लिम, ऑर्थोडॉक्स यहूदी और नॉर्स पगान सैनिकों को धार्मिक आधार पर छूट मिली हुई थी। जुलाई 2025 में सेना ने चेहरे के बालों की नीति को अपडेट किया था, लेकिन धार्मिक छूट को सुरक्षित रखा था। हालांकि, नई नीति इन प्रगतिशील बदलावों को उलट रही है, जो 1981 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले गोल्डमैन बनाम वेनबर्गर से प्रेरित सख्त ग्रूमिंग नियमों पर लौट रही है। यह नीति केवल सिखों तक सीमित नहीं है। मुस्लिम सैनिकों के लिए दाढ़ी धार्मिक दायित्व है, जबकि ऑर्थोडॉक्स यहूदियों के लिए पायोट और दाढ़ी पवित्र हैं। काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) ने हेगसेथ को पत्र लिखकर स्पष्टता की मांग की है: क्या मुस्लिम, सिख और यहूदी सैनिकों की धार्मिक स्वतंत्रता संरक्षित रहेगी सीएआईआर ने प्रथम संशोधन का हवाला देते हुए कहा कि लंबे समय से पेंटागन की नीतियां इन अधिकारों को मान्यता देती रही हैं ।काले सैनिकों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि छद्म फॉलिकुलाइटिस बार्बे (रेजर बंप्स) के कारण चिकित्सकीय छूट अब स्थायी नहीं रहेगी। इंटरसेप्ट के अनुसार, यह नीति नस्ल और धर्म पर आधारित बहिष्कार को बढ़ावा देती है। नॉर्स पगान सैनिकों ने भी इसे अपनी मान्यताओं के खिलाफ बताया है। इस मामले में सिख कोअलिशन, जो अमेरिकी सैन्य में सिखों के अधिकारों के लिए प्रमुख वकालत संगठन है, उसने हेगसेथ की टिप्पणियों पर क्रोधित और गहरी चिंता व्यक्त की है। संगठन के अनुसार, सिखों की केश (अकाटे बाल) उनकी पहचान का अभिन्न अंग है, और यह नीति वर्षों की समावेशिता की लड़ाई को धोखा देने जैसी है। एक सिख सैनिक ने एक्स पर लिखा, मेरे केश मेरी पहचान है। यह समावेशिता के लिए लड़ाई के बाद विश्वासघात जैसा लगता है। घोषणा के कुछ ही घंटों पर निर्देश जारी 30 सितंबर को मरीन कॉर्प्स बेस क्वांटिको में 800 से अधिक वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए हेगसेथ ने सुपरफिशियल व्यक्तिगत अभिव्यक्ति जैसे दाढ़ी को समाप्त करने की घोषणा की। उन्होंने कहा, हमारे पास नॉर्डिक पगानों की सेना नहीं है।

पुतिन के उकसावे से नाराज ट्रंप......कहीं कर ना दें भारत के खिलाफ कोई नया ऐलान

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप की कई कोशिशों के बाद भी भारत-रूस के संबंध बिगड़ने का नाम नहीं ले रहे हैं। ट्रंप को ये स्थिति परेशान कर रही है। इसके बाद रूस ने फिर ट्रंप को उकसाने की कोशिश की है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि उनका देश भारत और चीन का आभारी है, जिन्होंने ब्रिक्स की स्थापना की। पुतिन ने अमेरिका को भड़काने वाली कई बातें कहीं। भारत और चीन के अमेरिकी दबाव के बावजूद रूस से तेल खरीद जारी रखने पर पुतिन ने कहा कि भारत ने अमेरिका के सामने झुकना स्वीकार नहीं किया, ये दिल्ली की स्वतंत्र नीति को दिखाता है। पुतिन ने प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी की भी जमकर तारीफ की। अब इसके बाद संदेह हैं कि कहीं पुतिन के ट्रंप को उकसाने का खामियाजा भारत को न भुगतना पड़ जाए। दरअसल, ट्रंप किसी भी कीमत पर शांति का नोबेल पुरस्कार पाना चाहते हैं। ट्रंप के पिछले कई बयानों से साफ नजर आ रहा है कि वह नोबेल पुरस्कार पाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। रूस और यूक्रेन की जंग भी ट्रंप इसलिए शांत कराना चाहते हैं कि इसका क्रेडिट लेकर वह नोबेल पुरस्कार के लिए अपनी दावेदारी को और मजबूत कर सकें। लेकिन पुतिन ट्रंप की किसी भी शर्त को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। पुतिन के उकसावे के बाद ट्रंप यूरोपीय देशों पर इस बात के लिए दबाव बना सकते हैं कि वे भी भारत पर टैरिफ लगाएं। इसके पीछे ट्रंप ये वजह बता सकते हैं कि रूस अब खुलकर भारत का समर्थन कर रहा है। पहले ही नाटो चीफ भारत के खिलाफ बयानबाजी कर चुके हैं। ट्रंप पिछले कुछ समय से भारत की जगह पाकिस्तान को तरजीह दे रह हैं।

यूक्रेन के सैन्य ठिकानों और गैस साइट्स पर रूस ने जमकर की गोलाबारी, मिसाइलें भी दागीं

कीव,04 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

रूस और यूक्रेन की जंग बीते साढ़े 3 साल से जारी है। शांति के प्रयास नाकाम रहे हैं,जिसे जैसा मौका मिलता है वैसा हमला कर देता है। बीती रात रूस ने यूक्रेन के कई सैन्य ठिकानों, गैस साइट्स पर गोलाबारी की और कहीं कहीं भी मिसाइलें दागी। कुल मिलाकर दोनों देश एक-दूसरे की सैन्य ठिकानों या ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर अपने दुश्मन को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को रूसी सेना ने कई यूक्रेनी सैन्य ठिकानों और गैस संरचनाओं को निशाना बनाया।

वहीं, यूक्रेनी की तरफ से भी इस हमले की पुष्टि की गई है। यूक्रेन की सरकारी ऊर्जा कंपनी नैफ्टोगैज ने इस हमले को देश के गैस संरचनाओं पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया। कंपनी की तरफ से कहा गया कि रूस की तरफ से किए गए हमलों में उसे काफी गंभीर नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रातभर कई प्लेटफार्म्स से मिसाइलें और लंबी दूरी के ड्रोन यूक्रेन के ऊपर दागे गए। इन ड्रोन्स और मिसाइल ने बखूबी अपने लक्ष्यों को भेदा और अपना मिशन सफल बनाया। इस हमले को लेकर यूक्रेनी वायुसेना की तरफ से बताया गया कि इसें रूस 810 ड्रोन्स के अलावा चार बैलिस्टिक मिसाइलें और नौ क्रूज मिसाइलें दागीं थीं। यूक्रेनी सेना के मुताबिक यह हमला जुलाई में किए गए हमले से भी काफी भयानक था। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस की तरफ से किए गए इस हमले को कायरता पूर्ण करार दिया था। उन्होंने कहा, ऐसी हत्याएं अब हो रही हैं, जबकि वास्तविक कूटनीति बहुत पहले शुरू हो सकती थी, यह एक जानबूझकर किया गया अपराध है और युद्ध को लम्बा खींचने जैसा है। जेलेंस्की ने कहा, दुनिया क्रेमलिन के अपराधियों को हत्याएं बंद करवा सकती है, हमें बस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

पीओके की विस्फोटक स्थिति को लेकर झुकी शहबाज सरकार, बातचीत शुरू कर कई मांगें मानीं

इस्लामाबाद,04 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की विस्फोट स्थिति और पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस की गोलीबारी में 12 लोगों की मौत के बाद व्यापक स्तर पर लोगों के गुस्से को देखते हुए पाकिस्तान सरकार को झुकना पड़ा है ।शहबाज सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत शुरू कर इस विस्फोटक स्थिति के तात्कालिक समाधान की कोशिश कर रही है ।दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत के बाद कुछ बिंदुओं पर सहमति बनी है लेकिन बैठक के नतीजों की आधिकारिक घोषणा फिलहाल नहीं हुई है। सभी की नजरें इस बात पर टिकी हुई हैं कि बैठक में जिन बिंदुओं पर सहमति बनी है, शहबाज सरकार उन पर कितना टिकती है।

मुज़फ़्फ़राबाद के पीसी होटल में शुक्रवार (3 अक्टूबर) को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तरफ से गठित समिति की उच्चस्तरीय बैठक हुई। जिसमें पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री राजा परवेज़ अशरफ़, संघीय मंत्री तथा पीओके सरकार के मंत्री शामिल हुए। बैठक में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) सदस्यों के साथ बातचीत हुई।

बैठक में जिन बिंदुओं पर सहमति बनी है उनमें हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं में सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों की मौतों के मामलों में आतंकवाद निरोधक क़ानून की उचित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने और जरूरत होने पर न्यायिक आयोग नियुक्त किए जाने पर सहमति बनी है। इसके अलावा 01 और 2 अक्टूबर की घटनाओं में मारे गए व्यक्तियों के परिजनों को वही मुआवजा मिलेगा जो सुरक्षा बलों के मामलों में निर्धारित है। गोली लगने से घायल प्रति व्यक्ति को 10 लाख रुपये का मुआवज़ा दिया जाएगा। प्रत्येक मृतक के परिवार के एक सदस्य को 20 दिनों के भीतर सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त मुज़फ़्फ़राबाद और पुंछ संभागों में दो नए इंटरमीडिएट और सेकेंडरी शिक्षा बोर्ड स्थापित किए जाएंगे। पीओके के तीनों शिक्षा बोर्डों को 30 दिनों के भीतर संघीय इंटरमीडिएट और सेकेंडरी शिक्षा बोर्ड इस्लामाबाद से जोड़ा जाएगा। सरकार 15 दिनों के भीतर स्वास्थ्य कार्ड लागू करने के लिए धन जारी करेगी। उल्लेखनीय है कि पीओके में हाल के दिनों में काफी विस्फोटक स्थिति पैदा हो गई। पानी, बिजली, आटा-चावल जैसी बुनियादी चीजों में सब्सिडी, टैक्स में राहत की मांग को लेकर लोगों ने प्रदर्शन और आंदोलन शुरू किया तो पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी कर दी ।जिसमें 12 लोगों की जान चली गई और काफी संख्या में लोग घायल हुए। शहबाज सरकार ने कम्युनिकेशन ब्लैकआउट कर दिया। गोलीबारी में प्रदर्शनकारियों की मौत से लोगों का गुस्सा और भड़क गया। हजारों प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान और पीओके सीमा पर विरोध-प्रदर्शन कर नाराजगी जाहिर की। कई जगहों पर गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वैन और बुलडोजर को आग के हवाले कर दिया। पीओके में पुलिस गोलीबारी और हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय अधिकार समूहों ने चिंता जाहिर की। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पाकिस्तान सरकार से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के अधिकार की रक्षा करने, प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग से बचने और संचार प्रतिबंधों को हटाने की अपील की।

भारत ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से हराया, जडेजा-सिराज चमके

भारत की तरफ से रवींद्र जडेजा ध्रुव जुरेल और केएल राहुल ने जड़ा शतक

अहमदाबाद,04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत ने अहमदाबाद टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को महज ढाई दिनों में एक पारी और 140 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने 286 रनों की बढ़त के साथ अपनी पहली पारी 5 विकेट पर 448 रन बनाकर घोषित की थी। शनिवार को सिर्फ 45.1 ओवरों में मेहमान टीम की दूसरी पारी 146 रनों पर समेटकर शानदार जीत दर्ज की। भारत की जीत में स्पिनर रवींद्र जडेजा (4/54), तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (3/31) और कुलदीप यादव (2/23) की घातक गेंदबाजी का अहम योगदान रहा। जडेजा ने गेंद से कमाल करते हुए न केवल 4 विकेट लिए बल्कि बल्ले से भी धमाल मचाते हुए नाबाद 104 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। भारत के लिए पहली पारी में जडेजा के अलावा ध्रुव जुरेल (125) और केएल राहुल (100) ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहली पारी पारी में 162 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत ने 5 विकेट पर 448 रन बनाकर पहली पारी घोषित की थी और 286 रनों की बढ़त हासिल की थी। दूसरी पारी में शुरुआत से ही भारतीय गेंदबाजों ने आक्रामक रुख अपनाया। मोहम्मद सिराज ने तेग नारायण चंद्रपॉल को पुल शॉट पर नितीश रेड्डी के शानदार कैच के जरिए पवेलियन भेजा। कप्तान शुभमन गिल ने सातवें ओवर से ही जडेजा को आक्रमण में लगाया, जिन्होंने जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग के विकेट झटके। कुलदीप यादव ने कप्तान रोस्टन चेज को चतुराई से सेटअप कर बोल्ड किया, जबकि शाई होप का यशस्वी जायसवाल ने शानदार कैच लपका। लंच तक वेस्टइंडीज का स्कोर 66/5 हो चुका था। लंच के बाद एलिक अथानेज और ग्रीव्स ने थोड़ी देर संघर्ष किया, लेकिन वॉशिंगटन सुंदर और सिराज ने साझेदारी तोड़ी। इसके बाद मेहमान बल्लेबाज तेजी से पवेलियन लौटे। जडेजा और कुलदीप ने निचला क्रम निपटा दिया और वेस्टइंडीज को 146 रनों पर समेटकर भारत को एक पारी और 140 रनों से बड़ी जीत दिलाई।

न्यूज ब्रीफ

महिला विश्व कप से बाहर हुईं फ्लोरा डेवोनशायर, हन्ना रोवे न्यूजीलैंड टीम में शामिल

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर चोट के कारण महिला विश्व कप 2025 से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हन्ना रोवे को टीम में शामिल किया गया है। डेवोनशायर को ट्रेनिंग के दौरान फील्डिंग करते समय बाएं हाथ में चोट लगी थी। इस चोट को ठीक होने में करीब 2 से 3 हफ्ते लग सकते हैं। स्पिन ऑलराउंडर डेवोनशायर पहली बार विश्व कप खेल रही थीं, जबकि उनकी जगह शामिल की गईं हन्ना रोवे दो वनडे विश्व कप में खेल चुकी हैं और अब तक न्यूजीलैंड की ओर से 60 वनडे मैचों में हिस्सा ले चुकी हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बेन सॉयर ने एक बयान में कहा, हम सभी फ्लोरा के लिए दुखी हैं। उन्होंने कड़ी मेहनत कर इस टीम में जगह बनाई थी और अफसोस है कि उनका सफर इतनी जल्दी खत्म हो रहा है। हालांकि हमें खुशी है कि हन्ना जैसी अनुभवी खिलाड़ी टीम से जुड़ रही हैं। भले ही वह फ्लोरा जैसी ऑलराउंडर नहीं हैं, लेकिन उनका अनुभव और कौशल टीम के लिए अहम साबित होगा। हन्ना रोवे 7 अक्टूबर को इंदौर में टीम से जुड़ेंगी और इसके बाद गुवाहाटी के लिए यात्रा करेंगी। न्यूजीलैंड का अगला मुकाबला 6 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका से होगा ।

ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल्स 2025: प्रज्ञानानंद चौथे स्थान पर, कारुआना बने चैंपियन

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद 2025 ग्रैंड शतरंज टूर फ़ाइनल्स में अपना अभियान

चौथे स्थान पर खत्म किया और 40,000 डॉलर की राशि अर्जित की। 20 वर्षीय इस खिलाड़ी को तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में अनुभवी ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जहां अर्मेनियाई स्टार ने लगातार तीन जीत के बाद तीन गेम शेष रहते जीत हासिल की। हार के बावजूद, प्रज्ञानानंद का एलीट चार-खिलाड़ियों के फ़ाइनल में पहुंचना उनके बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाता है, क्योंकि वे विश्व स्तरीय ग्रैंडमास्टर फ़ेबियानो कारूआना, ग्रैंडमास्टर मैक्सिम वचियर-लाग्रेव और अरोनियन जैसे दिग्गजों के साथ खड़े हुए। शीर्ष तीन में जगह बनाकर, इन तीनों ने 2026 ग्रैंड शतरंज टूर में अपनी जगह पक्की कर ली। खिताब कारुआना के नाम रहा, जिन्होंने वाचियर-लाग्रेव से पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी की। अमेरिकी खिलाड़ी ने लगातार तीन जीत हासिल कर मैच पर कब्ज़ा जमा लिया। आखिरी गेम में वाचियर-लाग्रेव ने लगभग प्लेऑफ में जगह बना ली थी, लेकिन दबाव में एक बड़ी चूक ने कारुआना को खिताब और 150,000 डॉलर का शीर्ष पुरस्कार जीतने में मदद की। लाग्रेव को 100,000 डॉलर मिले, जबकि अरोनियन को 60,000 डॉलर मिले ।

ब्यू वेबस्टर टखने की चोट के कारण शेफ़ील्ड शील्ड के शुरुआती मैच से बाहर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर टखने की चोट के चलते तस्मानिया की शेफ़ील्ड शील्ड सीज़न के

शुरुआती मैच में क्वींसलैंड के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। हालांकि यह चोट गंभीर नहीं मानी जा रही है। वेबस्टर की फिटनेस की दोबारा जांच गुरुवार को क्वींसलैंड के खिलाफ वन-डे कप मुकाबले से पहले की जाएगी। शील्ड का दूसरा राउंड 15 अक्टूबर से शुरू होगा, जहां तस्मानिया की भिड़ंत वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया से होनी है। वेबस्टर ने इस सीज़न में एशेज से पहले तस्मानिया के सभी चार शील्ड मैच खेलने का लक्ष्य रखा था। टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत करते हुए उन्होंने सात मैचों में चार अर्धशतक लगाए हैं, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज़ से पहले टीम में उनकी जगह पर दबाव की चर्चा हो रही है। इस बीच, कैमरून ग्रीन के पूरी तरह गेंदबाज़ी करने के लिए तैयार होने की उम्मीद है। टीम संयोजन के अनुसार, ग्रीन को टॉप ऑर्डर में बनाए रखा जा सकता है या फिर उन्हें निचले क्रम में वापस भेजा जा सकता है। वेबस्टर ने सीज़न से पहले कहा था, ग्रीनी के फिर से गेंदबाज़ी करने की वजह से मुझे मौका मिला है। मैं चाहूंगा कि हम दोनों टीम में साथ खेलें। अगर आप टॉप छह बल्लेबाज़ों में रन बना रहे हैं और गेंदबाज़ी भी कर सकते हैं, तो यह टीम के लिए बोनस है। उन्होंने आगे कहा, ग्रीनी शानदार बल्लेबाज़ हैं। मैं चाहता हूं कि वह टॉप ऑर्डर में बेहतरीन प्रदर्शन करें और मैं नंबर 6 पर रन बनाता रहूं। इस तरह हम दोनों गेंद और फील्डिंग से भी योगदान देकर ऑस्ट्रेलिया के लिए मैच जीत सकते हैं।

शुभमन गिल बने भारतीय टीम के वनडे कप्तान ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रोहित-कोहली की वापसी

नई दिल्ली,04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

शुभमन गिल को रोहित शर्मा की जगह भारतीय क्रिकेट टीम का नया वनडे कप्तान नियुक्त किया गया है। गिल 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम का नेतृत्व करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए रोहित शर्मा को बल्लेबाज के रूप में टीम में चुना गया है और विराट कोहली के साथ वह मार्च में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। 26 वर्षीय गिल अब टेस्ट और वनडे में कप्तान और टी20 टीम के उप-कप्तान के रूप में तीनों प्रारूपों में नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभा रहे हैं।

38 वर्षीय रोहित दिसंबर 2021 से भारत के पूर्णकालिक वनडे कप्तान थे। कुल मिलाकर, उन्होंने 56 वनडे मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें 42 जीते, 12 हारे, एक टाई और एक बेनतीजा रहा। उन्होंने कार्यवाहक कप्तान के रूप में भारत को 2018 एशिया कप खिताब दिलाया और फिर पूर्णकालिक कप्तान के रूप में 2023 एशिया कप खिताब दिलाया। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचा। उनके कार्यकाल का समापन भारत द्वारा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने के साथ हुआ।

इस गर्मी में भारत के इंग्लैंड दौरे से पहले मई में रोहित के टेस्ट प्रारूप से संन्यास लेने के बाद गिल भारत के टेस्ट कप्तान भी बन गए थे। टेस्ट कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज में गिल ने भारत को इंग्लैंड में 2-2 से ड्रॉ कराया और 75.40 की औसत से 754 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

रोहित और कोहली दोनों के टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलिया में आगामी वनडे सीरीज में सात महीने से भी अधिक समय में उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति होगी। ऑस्ट्रेलिया में तीन वनडे मैचों के बाद भारत के लिए खेलने का उनका अगला अवसर नवंबर-दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ और जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की घरेलू श्रृंखला में होगा।

वहीं, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और हार्दिक पांड्या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगे। हार्दिक और ऋषभ पंत चोटिल होने के कारण बाहर हैं, जबकि बुमराह को लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद आराम दिया गया है।

वनडे के साथ टी20 सीरीज के लिए भी टीम की घोषणा कर दी गई है। सूर्यकुमार यादव टीम के कप्तान बने रहेंगे। जसप्रीत बुमराह की टी20 टीम में वापसी हुई है, जबकि नितीश कुमार रेड्डी भी टी20 टीम में है। अन्य खिलाड़ियों में एशिया कप में खेलने वाले खिलाड़ी हैं।

भारत 19, 23 और 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया में तीन एकदिवसीय मैच खेलेगा, जिसके बाद 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक पांच टी20 मैच खेले जाएंगे।

भारतीय टीम इस प्रकार है-

भारत की वनडे टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, यशस्वी जयसवाल, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा।

भारत की टी20 टीम: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

छत्तीसगढ़ के जशपुर में 11 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर,04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ में राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन 11 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2025 तक जशपुर के कम्यूनिटी हॉल में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ के स्थापना की रजत जयंती महोत्सव के तहत जिला शतरंज संघ जशपुर द्वारा आयोजित की जा रही है। इस टूर्नामेंट में कुल मिलाकर 2 लाख 51 हजार रुपये से अधिक का नकद पुरस्कार और आकर्षक ट्रॉफी वितरण किया जाएगा।

कार्यक्रम के आयोजक सदस्यों एफए हर्ष शर्मा और एसएनए अनिल शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 11 अक्टूबर को सुबह 9:30 बजे होगा और इसका समापन 13 अक्टूबर को शाम 4 बजे किया जाएगा। प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए क्रमश: 31 हजार, 21 हजार और 11 हजार रुपये के नकद पुरस्कार के साथ ट्रॉफी भी प्रदान की जाएगी। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के लिए पांच प्रमुख वर्ग होंगे, जिनमें अंडर-09, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15 के साथ-साथ वरिष्ठ खिलाड़ी और दिव्यांग प्रतिभागी भी शामिल हैं। इसके अलावा, सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ जशपुर निवासी खिलाड़ी और सर्वश्रेष्ठ सरगुजा डिवीजन खिलाड़ी के लिए भी विशेष पुरस्कार रखे गए हैं। प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं को नकद पुरस्कार और ट्रॉफी दी जाएगी। प्रवेश शुल्क और पंजीकरण प्रक्रिया जशपुर जिले के प्रतिभागियों के लिए प्रवेश शुल्क मात्र 100 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि अन्य जिलों के खिलाड़ियों के लिए यह शुल्क 500 रुपये है। सभी प्रतिभागियों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य चैस एसोसिएशन का वार्षिक पंजीकरण अनिवार्य है, जिसमें जशपुर के लिए 75 रुपये और अन्य जिलों के लिए 150 रुपये शुल्क लगेगा।पहले 50 पुरुष और 30 महिला खिलाड़ियों को नि:शुल्क डॉर्मेट्री आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा, प्रतियोगिता स्थल पर स्वच्छ और पौष्टिक भोजन रियायती दरों पर मिलेगा। इच्छुक प्रतिभागी सशुल्क होटल में भी कम दामों पर ठहर सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने या अन्य जानकारी के लिए: 7828697878, 8770453053, 8770491200 मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

बांग्लादेश ने दूसरे टी-20 में अफगानिस्तान को 2 विकेट से हराया

शारजाह। बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को शुक्रवार देर रात दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में रोमांचक अंदाज में 2 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। अफगानिस्तान ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 147 रन बनाए, जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 19.1 ओवर में 8 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह अफगानिस्तान की लगातार चौथी टी20 हार रही, जिनमें से तीन बांग्लादेश के खिलाफ आई हैं। गेंदबाजी में शोरिफुल इस्लाम (1/13), मोहम्मद सैफुद्दीन (0/22) और नासुम अहमद (2/25) ने किफायती स्पेल डालकर अफगानिस्तान को 147/5 तक सीमित कर दिया। जवाब में बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही और आज दोनों ओपनर सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे ओवर तक स्कोर 16/2 था और पांचवें में सैफ हसन भी चलते बने। मात्र 24 पर तीन विकेट गिरने के बाद जिम्मेदारी शमीम हुसैन और जाकेर अली पर आई। दोनों ने 56 रनों की साझेदारी कर टीम को मुकाबले में वापस लाया।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप: कियारा रोड्रिग्ज ने चौथी बार जीता लंबी कूद में स्वर्ण

नई दिल्ली,04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कियारा रोड्रिग्ज ने शनिवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक और चैंपियनशिप रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

कियारा रोड्रिग्ज ने अपने पहले प्रयास में 6.29 मीटर और दूसरे प्रयास में कोई अंक नहीं हासिल करने के बाद चार छलांगें पार कर लीं। हंगरी की पेट्रा लुटेरान ने 5.98 मीटर के साथ रजत और डेनमार्क की ब्योर्क नोएरेमार्क ने अपने पांचवें प्रयास में 5.84 मीटर की छलांग लगाते हुए कांस्य पदक हासिल किया। भारत की निमिशा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल चौथे स्थान पर रहीं, जिन्होंने तीसरे दौर में 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया था।

निमिषा को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के दो मौके मिले, लेकिन वह फ़ाउल और 5.45 मीटर के प्रयास में हार गईं। दुर्भाग्य से, भारतीय खिलाड़ी पोडियम से बाहर हो गईं क्योंकि वह अपने आखिरी दो प्रयासों में बेहतर छलांग नहीं लगा पाईं। निमिषा, दयावंती (महिला डिस्कस थ्रो एफ64) के अलावा सात पुरुष एथलीट – दिलीप महादु गावित (400 मीटर टी47), हैनी (डिस्कस थ्रो स्न37), सागर थायत (डिस्कस थ्रो एफ44), राहुल (ऊंची कूद टी63), पुष्पेंद्र सिंह (भाला फेंक एफ44), अजीत सिंह यादव (भाला फेंक एफ46) और सचिन सरजेराव खिलियारी (गोला फेंक एफ46) एक स्थान से पोडियम से चूक गए।

सोमवार को 100 मीटर टी-47 में स्वर्ण पदक जीतने वाली कियारा रोड्रिग्ज यहां तिहरा पदक जीतने की कोशिश में हैं। उन्होंने शुक्रवार शाम को हीट में 13 साल पुराना 200 मीटर टी-47 विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और चार जंप भी पार कर लीं।

भारत में शुरु हुई और यहीं थमी मार्कस रेम और स्टेफी नेरियस की 16 साल की जादुई साझेदारी

मार्कस ने अपनी कोच के साथ जो यात्रा 2009 में भारत में शुरू की, वह अंततः भारत में ही समाप्त हुई

नई दिल्ली,04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जब मार्कस रेम ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में 8.43 मीटर की लंबी छलांग लगाई, तो उन्होंने न सिर्फ अपना लगातार आठवां विश्व खिताब जीता, बल्कि पैरा खेल इतिहास की सबसे यादगार साझेदारियों में से एक का समापन भी किया। इस स्वर्ण पदक के पीछे एक गहरी और सशक्त कहानी थी — एथलीट और कोच के बीच का 16 साल पुराना रिश्ता, जो भारत में शुरू हुआ और संयोग से भारत में ही समाप्त हुआ।

सोलह साल पहले, एक दुबला-पतला जर्मन लड़का और उनकी नई कोच पहली बार बैंगलोर के एक खचाखच भरे स्टेडियम में साथ उतरे थे। किशोरावस्था का वह खिलाड़ी अनुभवहीन था, लेकिन जुनून से भरा हुआ था। 14 साल की उम्र में वेकबोर्डिंग दुर्घटना में अपना दायां पैर खोने के बाद वह खुद को फिर से खोज रहा था। दूसरी ओर, कोच स्टेफी नेरियस पहले से ही विश्व चैम्पियन थीं। एक ऐसी भाला फेंक खिलाड़ी, जिसने दबाव का भार झेला था और जीत का स्वाद चखा था।

स्पर्धा के बाद रेम ने कहा, वह प्रतियोगिता भारत में ही हमारी शुरुआत थी। वह हमारी पहली विदेशी प्रतियोगिता थी। मैं घबराया हुआ था, खुद को लेकर असमंजस में था, लेकिन स्टेफी ने मुझे विश्वास दिलाया। वहीं से यह शानदार सफर शुरू हुआ। अब जब यह भारत में खत्म हो रहा है, तो लगता है मानो जीवन ने यह कहानी खुद लिखी हो।

जैसे ही जर्मनी का राष्ट्रगान बजा और उनके गले में पदक डाला गया, रेम ने एक बार फिर अपने हेडबैंड को छुआ। यह छोटा सा इशारा

था, लेकिन उनके लिए इसका गहरा अर्थ था। वह कहते हैं, स्टेफी अब अपने वीकेंड और परिवार के साथ समय बिताने की हकदार हैं। मैं जो कुछ भी हूं, उसमें उनका बहुत बड़ा योगदान है।

रेम के लिए खेल हमेशा पहचान का माध्यम थे। वह याद करते हैं, मैं वही बच्चा था जो तेज दौड़ता था, दूर तक कूदता था, लेकिन हादसे के बाद, एक दिन में ही मैंने सब खो दिया। मानो अपनी पहचान खो दी हो। नेरियस समझती थीं। उनका नजरिया सिर्फ तकनीक या फिटनेस तक सीमित नहीं था। यह उस किशोर की आत्मा को फिर से जगाने के बारे में था, जिसे लगता था कि उसके सपने खत्म हो चुके हैं। प्रशिक्षण सत्रों में उतनी ही बातचीत होती जितनी ड्रिल्स। वह हमेशा उसे याद दिलातीं कि जिस इंसान को वह फिर से पाना चाहता है, वह कहीं गया नहीं है — बस उसे दोबारा खोजने की जरूरत है। नेरियस ने अपने शिष्य के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा, मैंने रेम और इसने मुझे अलग पहचान दिलाई। मेरा काम सिर्फ इसे रास्ता दिखाना था और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा करने में सफल रही। उनकी उपलब्धियों का रिकॉर्ड केवल कहानी का एक हिस्सा है। जब रेम ने शुरुआत की थी, तो कृत्रिम पैर वाले खिलाड़ियों का लंबी कूद विश्व रिकॉर्ड 7 मीटर से भी कम था। नेरियस की कोचिंग में उन्होंने हर दीवार तोड़ दी। पहले 7 मीटर, फिर 7.50, फिर 8 मीटर का जादुई आंकड़ा, और आखिरकार 2023 में 8.72 मीटर की चौंकाने वाली छलांग — जो सक्षम खिलाड़ियों को भी चुनौती देती है। रेम न कहा, वह हमेशा मुझे मेरी सीमाओं से आगे ले जाती रहीं। जब भी मुझे लगता था कि अब और नहीं हो सकता, वह दिखातीं कि एक और कदम बाकी है। लेवरकुज़न में प्रशिक्षण के दौरान नेरियस अपनी शांति और सख्ती के लिए जानी जाती थीं। वह हर बारीकी पर ध्यान देतीं — टेकऑफ का कोण, रन-अप की लय, कूद का टाइमिंग।

आईपीओ बाजार में जोरदार तेजी, 2023 व 2024 में रिकॉर्ड डीआरएचपी दाखिल

185 से अधिक कंपनियों ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किए

मुंबई,04 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय कंपनियों में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की होड़ तेज हो गई है। साल 2023 और 2024 के पहले 9 महीनों में 185 से ज्यादा कंपनियों ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास डीआरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) दाखिल किया है। यह आंकड़ा 1997 के बाद सबसे अधिक है और संकेत देता है कि 2026 आईपीओ बाजार के लिए ऐतिहासिक साल हो सकता है। प्राइमरी मार्केट में तेजी के पीछे कई अहम कारण हैं। घरेलू बचत से हर साल 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश हो रहा है, जिससे कंपनियां नए शेयर जारी करने को उत्साहित हैं। इसके अलावा, बाजार अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों की कंपनियां भी लिस्टिंग की ओर अग्रसर हैं। आईपीओ प्रदर्शन में मजबूती, प्रतिस्पर्धी कंपनियों की नेटवर्थ में वृद्धि और अनुकूल वैल्यूएशन ने भी कंपनियों को पूंजी बाजार की ओर आकर्षित किया है। परंपरागत रूप से बैंक फंडिंग पर निर्भर कंपनियां अब इक्विटी के ज़रिए पूंजी जुटाने के पक्ष में हैं। अब तक 2024 में कंपनियां आईपीओ के जरिए 1.1 लाख करोड़ से ज्यादा रुपए जुटा चुकी हैं और साल के अंत तक 1.6 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पार हो सकता है।

अगले सप्ताह आएंगे पांच बड़े आईपीओ, 27000 करोड़ तक जुटाने की तैयारी

मुंबई। इस सप्ताह शेयर बाजार में आईपीओ का बड़ा धमाल लेकर आ रहा है। करीब 27,000 करोड़ के फंड जुटाने की तैयारी के साथ कुल 29 लिस्टिंग्स होने जा रही हैं। इस आईपीओ वेव की अगुवाई टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया कर रही हैं, जो निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है। टाटा कैपिटल, एक अग्रणी एनबीएफसी का आईपीओ 6 से 8 अक्टूबर तक खुलेगा। कुल साइज 15,500 करोड़ का है, जिसमें 6,846 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 8,666 करोड़ का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है।

न्यूज़ ब्रीफ

आरबीआई ने दो फाइनेंस कंपनियों पर लगाया लाखों का जुर्माना

मुंबई। रतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प पर क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड से जुड़े नियमों का पालन न करने के लिए 31.80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने 31 मार्च 2024 तक की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाईं। जांच में सामने आया कि अमेरिकन एक्सप्रेस ने कुछ क्रेडिट कार्डधारकों के असफल या गलत लेनदेन से बने क्रेडिट बैलेंस को ग्राहकों को वापस लौटाने का प्रयास नहीं किया। इस लापरवाही को गंभीर नियामक उल्लंघन माना है। इसी दौरा आरबीई ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज पर भी 4.2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 में वितरित कुछ ऋण खातों में पैन कार्ड या संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने में विफल रही। यह उल्लंघन 'केवाईसी निर्देश, 2016' के प्रावधानों के खिलाफ माना गया। आरबीआई ने इस लापरवाही को नियामक अनुपालन में कमी बताया। क्रेडिट कार्ड व केवायसी नियमों के उल्लंघन का मामला आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि ये जुर्माने केवल नियामक अनुपालन की कमियों के कारण लगाए गए हैं। इन जुर्मानों का कंपनियों के कारोबार या उनके लेन-देन की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। आरबीआई की यह कार्रवाई वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए की गई है।

बहराइच में चोरी की बढ़ती घटनाओं से टॉर्च की बिक्री बढ़ी

बहराइच। बहराइच जिले के बाजारों में टॉर्च की बिक्री में अचानक तेजी देखी जा रही है। चोरी की घटनाओं ने लोगों की नींद उड़ा दी है, जिसके कारण वे रात में खुद की सुरक्षा के लिए टॉर्च का सहारा ले रहे हैं। मोबाइल फ्लैशलाइट और घर की रोशनी की तुलना में टॉर्च की रोशनी अधिक दूर तक जाती है, जिससे इसका चलन बढ़ा है। टॉर्च की मांग बढ़ने से मरम्मत करने वालों की भी ग्राहकी बढ़ गई है, जिससे उनकी आमदनी में इजाफा हुआ है। खास बात यह है कि पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी सुरक्षा के लिए टॉर्च खरीद रही हैं। बहराइच के बिसातखाना मार्केट समेत अन्य जगहों पर रोजाना हजारों टॉर्च बिक रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक, पिछले एक हफ्ते में टॉर्च की बिक्री तीन गुना बढ़ी है। लोग ज्यादा बैकअप और रिचार्जेबल टॉर्च को प्राथमिकता दे रहे हैं।

पीयूष गोयल ने सिंगापुर यात्रा में निवेश को बढ़ावा देने पर जोर दिया

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिंगापुर की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान कंपनी प्रमुखों और नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। गोयल ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और निवेश आधारित सुधारों को रेखांकित करते हुए विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, वित्तीय सेवाओं तथा हरित अर्थव्यवस्था में अवसरों का उल्लेख किया। उन्होंने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से व्यापार, नवाचार और डिजिटल कनेक्टिविटी में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। इसके अलावा, उप प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ औद्योगिक और व्यापार सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया। यह बैठक दोनों देशों के बीच सतत विकास और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर तेजी रही, आरबीआई की नीतिगत घोषणाओं ने शेयर बाजार को दिया सहारा

मुंबई,04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अक्टूबर 2025 के पहले सप्ताह में घरेलू शेयर बाजारों ने मजबूती दिखाई और बीते सप्ताह की गिरावट से उबरते हुए साप्ताहिक आधार पर बढ़त दर्ज की। बाजार की चाल पर इस सप्ताह घरेलू कारकों का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा में जीडीपी ग्रोथ अनुमान को बढ़ाना और महंगाई अनुमान में कमी करना निवेशकों के लिए भरोसा बढ़ाने वाला कदम साबित हुआ। इसके अलावा देशभर में मानसून की अच्छी स्थिति, घरेलू संस्थागत निवेशकों की सतत खरीदारी और वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में बेहतर कॉरपोरेट नतीजों की उम्मीद ने बाजार को बल दिया।इस सप्ताह केवल चार कारोबारी सत्र रहे, क्योंकि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और विजयादशमी की छुट्टी थी।

सोमवार और मंगलवार को बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सेंसेक्स क्रमशः 61 और 97 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी मामूली कमजोरी दर्ज की गई। बुधवार को बाजार ने दमदार वापसी की। सेंसेक्स 715 अंक उछलकर 80,983 पर और निफ्टी 225 अंकों की तेजी के साथ 24,836 पर बंद हुआ। शुक्रवार को भी बाजार में मजबूती बनी रही। सेंसेक्स 226 अंकों की तेजी के साथ 81,207 और निफ्टी 57 अंक चढ़कर 24,894 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत में सेंसेक्स में कुल मिलाकर 843 अंकों और निफ्टी में 259 अंकों की बढ़त रही। हालांकि विदेशी निवेशकों की बिकवाली अब भी चिंता का विषय है, लेकिन घरेलू संकेतकों की मजबूती निकट भविष्य में बाजार को स्थिरता दे सकती है। निवेशकों को आने वाले सप्ताह में कॉरपोरेट परिणामों और वैश्विक रुझानों पर नजर रखनी चाहिए।

आईएचएच हेल्थकेयर को 7 साल बाद सेबी से मिली मंजूरी, फोरटिस में हिस्सेदारी खरीद का रास्ता साफ

मुंबई (ईएमएस)। मलेशियाई हेल्थकेयर दिग्गज आईएचएस हेल्थकेयर को आखिरकार भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से वह अनुमति मिल गई है, जिसका इंतजार कंपनी को सात साल से था। अब आईएचएच अपनी सब्सिडियरी नार्थन टीके वेंचर के जररि फोरटिस हेल्थकेयर और मालार हास्पिटल में 26-26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए अनिवार्य ओपन ऑफर ला सकेगी। यह डील 2018 में 170 रुपए प्रति शेयर की दर से 3,349 करोड़ रुपए की मानी गई थी, लेकिन फोरटिस का शेयर 980.10 पर पहुंच गया है। नई वैल्यूएशन के अनुसार, एनटीके अब 235.29 मिलियन शेयर लगभग 23,068 करोड़ रुपए में खरीदेगी। इसके साथ ही कंपनी को अतिरिक्त 197 मिलियन शेयरों के लिए करीब 19,316 करोड़ रुपए का ओपन ऑफर भी लाना होगा। मालार अस्पताल के लिए लगभग 32 करोड़ रुपए का ऑफर आएगा। आईएचएच ने नवंबर 2018 में फोरटिस में 31 फीसदी हिस्सेदारी ली थी, लेकिन तत्कालीन प्रमोटर सिंह ब्रदर्स पर डेलची सेन्यको के कोर्ट केस के कारण ओपन ऑफर अटक गया। डेलची ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका लगाई थी, जिससे सेबी की अनुमति रुक गई। अब सेबी की मंजूरी के बाद आईएचएच ने डेलची पर टोक्यो कोर्ट में 11,800 करोड़ के हर्जाने का दावा किया है। आईएचएच का आरोप है कि डेलची ने जानबूझकर डील रोककर उन्हें भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाया। इस डील के पूरा होने के बाद आईएचएच भारत के हेल्थकेयर सेक्टर में अपनी स्थिति और मज़बूत कर सकेगी।

सितंबर में चांदी ने सोने को पीछे छोड़ा, 19.4 फीसदी की जोरदार तेजी

मुंबई,04 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सितंबर महीने में चांदी ने निवेशकों को खुश करते हुए 19.4 प्रतिशत की तेजी दिखाई है, जो कि सोने की 13.56 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है। महीने की शुरुआत में चांदी की कीमत 1,26,000 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो 30 सितंबर को बढ़कर 1,50,500 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। यह पिछले कई वर्षों में चांदी की सबसे तेज मासिक बढ़ोतरी मानी जा रही है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को चांदी 1,50,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जबकि मंगलवार को यह अपने उच्चतम स्तर 1,50,500 रुपए पर पहुंची। हालांकि चांदी ने बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन सोने की कीमतों में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। एक सितंबर को सोने की कीमत 1,05,670 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो महीने के अंत तक बढ़कर 1,20,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। यह 13.56 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत है। चांदी की इस तेजी के पीछे मजबूत औद्योगिक मांग और वैश्विक आपूर्ति में कमी प्रमुख कारण हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि चांदी का औद्योगिक उपयोग कुल मांग का लगभग 60-70 प्रतिशत है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों में चांदी की बढ़ती मांग ने कीमतों को ऊपर धकेला है। 2024 में केवल सौर पैनल के लिए 23.2 करोड़ औंस चांदी की जरूरत होगी। एक जिंस बाजार विशेषज्ञ ने बताया कि लगातार सात वर्षों से बाजार आपूर्ति की कमी का सामना कर रहा है, जो कीमतों में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि चांदी की दोहरी भूमिका निवेश और औद्योगिक धातु ने इसे सोने से बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बिहार के 5 लाख...

प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पीएम-सेतु योजना को लॉन्च किया। पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी की मांग है कि हम देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्थानीय टैलेंट, स्थानीय संसाधन और स्थानीय ज्ञान को तेज़ी से आगे बढ़ाएं, और हमारे हजारों आईटीआई इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इसी उद्देश्य के साथ पीएम-सेतु योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना से देशभर के 1,000 से ज्यादा आईटीआई संस्थानों को लाभ मिलेगा और उन्हें अपग्रेड किया जाएगा, जिससे वे दुनिया की कौशल मांग के अनुरूप युवाओं को तैयार कर सकें। पीएम मोदी ने बताया कि भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर जी ने अपना पूरा जीवन समाज की सेवा और शिक्षा के विस्तार में लगाया। और उनके नाम पर बनने वाली स्किल युनिवर्सिटी, उसी सपने को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम बनेगी।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कहा, बहुत खुशी की बात है कि आज देशभर के आईटीआई टॉपर्स के लिए कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने इन संस्थानों के छात्र और छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए। बिहार में युवा आयोग और जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वास की स्थापना की गई है। इसमें बिहार के युवाओं को नौकरी के नियुक्ति पत्र और 25 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण किया जा रहा है। इससे बिहार के लोगों को बहुत फायदा होगा।केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, आज एक ऐतिहासिक पल है। 11 साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक पहल की थी। कौशल विकास और उद्यमिता क्षेत्र के महत्व को समझते हुए एक नए विभाग का गठन किया था। उस काम के पीछे जो उनकी सोच और प्रयास था, आज उसी विकास यात्रा में हम सभी साथ मिलकर एक मील का पत्थर मनाने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हमें हमारे आईटीआई में पढ़ने वाले बच्चों के सम्मान के लिए पहल करनी है। आज हम यहां कुछ चुनिंदा बच्चों को मंच पर बुलाकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सम्मानित करने का काम करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने विजन दिया कि 2047 तक देश को विकसित होना है। निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित करने की नींव 11 साल पहले ही रख दी थी।

सज्जाद गुल की...

तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और उनकी संपत्तियां जब्त की जा रही हैं। अभी कुछ ही दिनों पहले हंदवाड़ा पुलिस ने कुपवाड़ा जिले के क्रालगुंद में पाकिस्तान स्थित आतंकी हैंडलर नजीर अहमद गनई की संपत्ति कुर्क की थी।

हर हाल में डालने...

और पांच किलो मुफ्त चावल पहुंच गया है, लेकिन बस्तर ऐसे विकास से वंचित रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने देश की सबसे अच्छी आत्मसमर्पण नीति बनाई है। एक ही महीने में 500 से ज्यादा लोगों ने आत्मसमर्पण किया है। सभी को आत्मसमर्पण करना चाहिए। जैसे ही कोई गांव नक्सल मुक्त होगा, राज्य सरकार उसे विकास के लिए एक करोड़ रुपए देगी। नक्सलवाद से किसी का भला नहीं होगा।

अमित शाह ने 75 दिनों तक चलने वाले दशहरा उत्सव को दुनिया के सबसे लंबे और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण त्यौहारों में से एक बताया, जो इस क्षेत्र की आदिवासी विरासत का सम्मान करता है। शाह ने कहा, मैंने आज मुरिया दरबार में भाग लिया और मुझे अपार खुशी हुई। बस्तर संभाग के सभी (आदिवासी) समुदाय के नेता मौजूद थे और उन्होंने अपनी समस्याएं साझा कीं। मैं दिल्ली जाकर सभी से कहूंगा कि वे कम से कम एक बार मुरिया दरबार जरूर देखें। 1874 से, यह सक्रिय भागीदारी, न्याय व्यवस्था, आदिवासी संस्कृति, विचारशील संवाद और लोगों की सहभागिता को दर्शाता रहा है।इस अवसर पर, केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य की महतारी वंदन योजना की लगभग 65 लाख महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में 1,000 रुपए की 20वीं मासिक किस्त जारी की। अमित शाह ने आदिवासी बहुल बस्तर और सरगुजा संभागों के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना का भी शुभारंभ किया

भाजपा उतारेगी...

उतारेगी, जिनके लिए केवल एक ही चुनाव होगा।

भाजपा द्वारा सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस के नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ प्रतीकात्मक मुकाबले के लिए पहले दो उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की उम्मीद है, जो इन दोनों सीटों पर आसानी से जीत हासिल कर लेगा। हालांकि, पार्टी द्वारा शेष दो सीटों में से एक पर एक मजबूत उम्मीदवार उतारने की उम्मीद है, जहां उसके जीतने की प्रबल संभावना है। भाजपा द्वारा सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा से पहली दो सीटों पर चुनाव सुनिश्चित हो जाएगा, जो आमतौर पर अतीत में निर्विरोध होती थीं, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी उन्हें जीत लेती थी। जम्मू में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए सेठी ने कहा कि बैठक का मुख्य विषय राज्यसभा में पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए आवश्यक व्यक्तियों की संख्या पर था। उन्होंने कहा कि यह किसी विशिष्ट व्यक्ति के बारे में नहीं, बल्कि उन व्यक्तियों के गुणों के बारे में था जो राज्यसभा में पार्टी का प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने जम्मू कश्मीर से आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति पर आंतरिक विचार-विमर्श शुरू कर दिया है, और वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह को नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के साथ सीटों के बंटवारे और संभावित गठबंधन समन्वय के बारे में चर्चा शुरू करने का काम सौंपा गया है। कांग्रेस आलाकमान ने जम्मू कश्मीर से उच्च सदन के लिए संभावित उम्मीदवारों की सूची बनाने के लिए एक पैनल का गठन किया है। जिन नामों पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है उनमें पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) प्रमुख गुलाम अहमद मीर, पार्टी प्रवक्ता रविंदर शर्मा और पूर्व मंत्री रमन भल्ला शामिल हैं।

रमण भल्ला को वर्तमान में पार्टी के भीतर सबसे मजबूत समर्थन प्राप्त है, क्योंकि नेतृत्व ऐसे उम्मीदवार को नामांकित करने के लिए इच्छुक है जो पहले से ही विधायक न हो। जेकेपीसीसी के एक नेता ने बताया कि गुलाम अहमद मीर एक सम्मानित और अनुभवी नेता हैं, लेकिन वे पहले से ही जम्मू कश्मीर विधानसभा के सदस्य हैं। पार्टी उनकी सीट पर दोबारा चुनाव का जोखिम नहीं उठाना चाहती, क्योंकि इससे एक संवेदनशील राजनीतिक मोड़ पर मामला और जटिल हो सकता है।

पाकिस्तान से ...

में गिरफ्तार किया गया था। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर पंजाब पुलिस के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को निशाना बनाया था। इसके पीछे आतंकियों का मकसद, समाज में भय फैलाना था।एनआईए के अनुसार, इस साजिश में पाकिस्तान स्थित बीकेआई आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। उसे ही इस हमले का मास्टरमाइंड भी कहा जाता है। इसके लिए रिंदा ने अमेरिका स्थित गैंगस्टर हैप्पी पासिया के साथ मिलकर प्लान तैयार किया। पासिया को भारत में आतंकवादियों की भर्ती करना, धन जुटाना और उन्हें हथियार व विस्फोटक मुहैया कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रिंदा और पासिया, दोनों को चार्जशीट में भगोड़े घोषित किया गया था। पिछले साल उक्त चार्जशीट में दो गिरफ्तार आरोपी रोहन मसीह और विशाल मसीह भी शामिल थे। जांच के दौरान एनआईए ने अभिजोत सिंह उर्फ गोपी की पहचान उक्त मामले में सह-साजिशकर्ता के रूप में की, जिसके बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। जांच से पता चला है कि अभिजोत दिसंबर 2023 में आर्मेनिया गया था। वहां पर वह हैप्पी पासिया के आतंकी गुट शमशेर शेरा के संपर्क में आया। शेरा ने अभिजोत को पासिया के आतंकी गिरोह में भर्ती किया था।पिछले साल के मध्य में भारत लौटने के बाद, अभिजोत ने जुलाई 2024 में लक्ष्य की रेकी की। उसके बाद रोहन मसीह के साथ मिलकर अगस्त 2024 में पंजाब पुलिस के सेवानिवृत्त अधिकारी की हत्या का प्रयास किया। उसे इस काम के लिए विदेश स्थित बीकेआई संचालकों से धन प्राप्त हुआ था। इसके बाद, सितंबर 2024 में, रोहन और विशाल ने ग्रेनेड हमले को अंजाम दिया। साजिश के तहत फील्ड ऑपरेटिव को रसद सहायता और आतंकी हार्डवेयर उपलब्ध कराने में शामिल अन्य आरोपियों व सहयोगियों का पता लगाने के लिए एनआईए ने अपने प्रयास जारी रखे हुए हैं।

हाईकोर्ट जाएगा...

पर इसका गलत फायदा उठाया है। प्रशांत ने कहा कि हाल ही में आयोजित हुए वैश्विक अयप्पा संगमम को व्यापक समर्थन मिला, उसके बाद से सबरीमाला मंदिर को लेकर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। टीडीबी 1998 से 2025 तक की जांच की मांग करेगा, जिसमें सोने के वजन में गड़बड़ी और इसमें शामिल व्यक्ति की जांच शामिल होगी। उन्होंने कहा, कोर्ट 1998 से लेकर 2025 तक के सबरीमाला से जुड़े मामलों की जांच करे।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब द्वारपालक मूर्तियों की सोने की परत दोबारा चढ़ाने के लिए उन्हें चेन्नई भेजा गया, तब सभी प्रक्रियाएं नियमों के अनुसार पूरी की गई थीं। प्रशांत ने कहा कि इन्हें तिरुवाभरणम आयुक्त की निगरानी में कार्यकारी अधिकारी और सतर्कता अधिकारियों की मौजूदगी में भेजा गया था। पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई थी और शुरुआत व अंत में महसर (सूची) तैयार की गई थी। सोना पुलिस सुरक्षा के साथ एक सुरक्षित वाहन में ले जाया गया था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रायोजक उन्नीकृष्णन को केवल चेन्नई बुलाया गया था, लेकिन उन्हें कभी भी सोना नहीं सौंपा गया। टीडीबी ने कहा, सबरीमाला जैसे मंदिर की प्रतिष्ठा को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। इसलिए बोर्ड पूरी जांच की मांग कर रहा है। अगर किसी ने गलत किया है, तो उसे सजा मिलनी चाहिए। लेकिन राजनीतिक मकसद से बोर्ड और मंदिर की पवित्रता पर झूठे आरोप लगाकर हमला किया जा रहा है। बोर्ड के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और इसी वजह से हम कोर्ट-निगरानी में जांच की मांग कर रहे हैं।

कल सर्वार्थ सिद्धि योग में मनाई जायेगी शरद पूर्णिमा

सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा को बेहद खास त्योहार माना जाता है। शरद पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी जी की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। इसके अलावा भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में धन की कमी दूर होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस वर्ष शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर 2025 को मनाई जाएगी। हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को ही शरदपूर्णिमा कहा जाता है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि इस दिन आकाश से अमृत की बूंदों की वर्षा होती है। शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है। अंतरिक्ष के समस्त ग्रहों से निकलने वाली सकारात्मक ऊर्जा चंद्रकिरणों के माध्यम से पृथ्वी पर पड़ती हैं। पूर्णिमा की चांदनी में खीर बनाकर खुले आसमान के नीचे रखने के पीछे वैज्ञानिक तर्क यह है कि चंद्रमा के औषधीय गुणों से युक्त किरणें पड़ने से खीर भी अमृत के समान हो जाएगी। उसका सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होगा।

इस साल चंद्रमा शरद पूर्णिमा को शाम 7:26 मिनट बजे उदय होगा। जो लोग व्रत रखना चाहते हैं वे 6 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा का व्रत रख सकते हैं और शाम को चंद्रमा की पूजा करें।

कोजागरी पूर्णिमा भी है दूसरा नाम

देश के कई इलाकों में शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। कोजागरी पूर्णिमा का त्योहार पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। कोजागरी पूर्णिमा पर लक्ष्मी जी की विशेष पूजा की जाती है। साथ में भगवान विष्णु की भी पूजा की जाती है। पश्चिम बंगाल व ओडिशा में मान्यता है कि विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

शरद पूर्णिमा पर भगवान कृष्ण ने रचाई थी महारास लीला

पौराणिक मान्यता है कि भगवान कृष्ण ने शरद पूर्णिमा पर ही महा रास की रचना की थी। इस दिन चंद्र देवता की विशेष पूजा की जाती है और खीर का भोग लगाया जाता है। रात में आसमान के नीचे खीर रखी जाती है। ऐसा माना जाता है कि अमृत वर्षा से खीर भी अमृत के समान हो जाती है। शास्त्रों के अनुसार इस तिथि को चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है।

शरद पूर्णिमा – 06 अक्टूबर 2025

प्रदोष एवं निशीथव्यापिनी आश्विनशक्ल पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा व कोजागर व्रत किया जाता यदि पहले दिन पूर्णिमा निशीथव्यापिनी हो और दूसरे दिन प्रदोषव्यापिनी न हो तो यह व्रत पहले दिन किया जात है।

यथा :– आश्विनपौर्णमास्यां कोजागर व्रतम्। सा पूर्वत्रैव निशीथव्याप्ती द्वितीया।

इस वर्ष पर्णिमा तिथि 06 अक्टूबर 2025 को निशीथ एवं प्रदोष के समय व्याप्त होगी एवं इस दिन 07 अक्टूबर 2025 को यह प्रदोष का स्पर्श भी नहीं कर रही है। अतः 06 अक्टूबर 2025 को ही शरद पूर्णिमा व कोजागर व्रत किया जायेगा।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 06 अक्टूबर को दोपहर 12:23 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 07 अक्टूबर को सुबह को 09:6 मिनट पर होगा। पंचांग गणना के आधार पर इस साल शरद पूर्णिमा का पर्व 06 अक्टूबर को किया जायेगा।

शुभ संयोग

इस साल शरद पूर्णिमा के दिन एक बेहद अद्भुत संयोग बनने जा रहा है। इस दिन उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग भी रहेगा। जो इस दिन को और भी खास और फलदायी बनाता है।

शरद पूर्णिमा महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां लक्ष्मी की समुद्र मंथन से उत्पत्ति शरद पूर्णिमा के दिन ही हुई थी। इसलिए इस तिथि को धन-दायक भी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी धरती पर विचरण करती हैं और जो लोग रात्रि में जागकर मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं, वे उस पर अपनी कृपा बरसाती हैं और धन-वैभव प्रदान करती हैं। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ होता और पृथ्वी पर चारों चंद्रमा की उजियारी फैली होती है। धरती जैसे दूधिया रोशनी में नहा जाती है। माना जाता है कि इस दिन चंद्रमा की किरणों से अमृत की बरसात होती है, इसलिए रात्रि में चांद की रोशनी में खीर रखने की परंपरा भी है।

शरद पूर्णिमा पूजा विधि

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर किसी पवित्र नदी में स्नान करें। यदि नदी में स्नान नहीं कर सकते तो घर पर ही पानी में गंगाजल डालकर स्नानादि करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। अब एक लकड़ी की चौकी या पाटे पर लाल कपड़ा बिछाएं और गंगाजल से शुद्ध करें। चौकी के ऊपर मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें और लाल चुनरी पहनाएं। अब लाल फूल, इत्र, नैवेद्य, धूप-दीप, सुपारी आदि से मां लक्ष्मी का विधिवत पूजन करें। इसके बाद मां लक्ष्मी के समक्ष लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें।

पूजन संपन्न होने के बाद आरती करें। शाम के समय पुनः मां और भगवान विष्णु का पूजन करें और चंद्रमा को अर्घ्य दें। चावल और गाय के दूध की खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखें। मध्य रात्रि में मां लक्ष्मी को खीर का भोग लगाएं और प्रसाद के रुप में परिवार के सभी सदस्यों को खिलाएं।

गाय को क्यों दी जाती है पहली रोटी? भूत यज्ञ से जुड़ा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक रहस्य

हिंदू संस्कृति और सनातन परंपरा में गाय को केवल एक पशु नहीं, बल्कि माता के रूप में सम्मानित किया गया है। कहा जाता है कि गाय में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है। यही कारण है कि हिंदू घरों में रोटी बनाते समय पहली रोटी विशेष रूप से गाय के लिए निकाली जाती है। यह परंपरा मात्र धार्मिक मान्यता नहीं, बल्कि जीवन दर्शन और प्रकृति से जुड़ी आस्था का गहरा प्रतीक है। लेकिन आखिर इसके पीछे की वास्तविक मान्यता क्या है? और भूत यज्ञ से इसका क्या संबंध है? आइए विस्तार से समझते हैं। सनातन धर्म में जीवन को चार पुरुषार्थों-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष-के मार्ग पर ले जाने के लिए पांच प्रकार के यज्ञों का उल्लेख किया गया है। ये यज्ञ हैं: देव यज्ञ, ऋषि यज्ञ, पितृ यज्ञ, भूत यज्ञ और अतिथि यज्ञ। इनमें से भूत यज्ञ वह कर्तव्य है जिसमें समस्त जीव-जंतुओं, कीट-पतंगों, पक्षियों, पशुओं और पर्यावरण तक का ध्यान रखा जाता है। यह यज्ञ जीवों के प्रति करुणा और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना को उजागर करता है। भूत यज्ञ

के अंतर्गत ही गाय को पहली रोटी देने की परंपरा जुड़ी हुई है। यह परंपरा न सिर्फ एक धार्मिक अभ्यास है, बल्कि यह इस बात का प्रतीक है कि मानव अपने जीवन के एक हिस्से को उन जीवों के लिए समर्पित करता है, जो बिना कुछ कहे हमारी पृथ्वी और जीवन को संतुलन में रखते हैं। गाय को माता कहे जाने के पीछे केवल श्रद्धा नहीं, बल्कि गहन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक तर्क भी हैं। माना जाता है कि गाय को भोजन कराने से न केवल पापों का क्षय होता है, बल्कि समस्त कष्टों का निवारण भी होता है।

शास्त्रों में उल्लेख है कि गाय को अन्न का अर्पण करने से पितरों की आत्मा को भी तृप्ति मिलती है। यही कारण है कि श्राद्ध और तर्पण जैसे कर्मों में गाय का विशेष स्थान होता है। एक और रोचक पक्ष यह है कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी गाय के पास बैठना या उसे स्नेहपूर्वक देखना सकारात्मक ऊर्जा के संचार में सहायक होता है। गाय की उपस्थिति वातावरण में शांति और मानसिक स्थिरता का भाव उत्पन्न करती है।

इस प्रकार जब कोई गृहस्थ महिला रसोई में पहली रोटी बनाकर गाय को अर्पित करती है, तो वह न केवल एक धार्मिक परंपरा का पालन करती है, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के प्रति अपनी जिम्मेदारी, करुणा और विनम्रता का परिचय भी देती है। यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और आने वाली पीढ़ियों तक इसे जीवित रखना, सनातन संस्कृति की आत्मा को सहेजने के समान है।

उत्तर दिशा में इन वस्तुओं को रखने से आती है सकारात्मक ऊर्जा

वास्तु में सभी दिशाओं का खास महत्व होता है। हर दिशा को लेकर कुछ विशेष प्रकार के नियम होते हैं कि किस दिशा में क्या रखना शुभ होता है और क्या रखना अशुभ माना जाता है। इन्हीं शुभ और अशुभ प्रभाव पर हमारी खुशहाली व घर की सुख समृद्धि निर्भर करती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं उत्तर दिशा से जुड़े कुछ नियम। इस दिशा में कौन सी वस्तुएं होनी चाहिए और कौन सी नहीं।

उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा होने से घर में पति और पत्नी के बीच क्लेश नहीं रहता और संबंध मधुर बने रहते हैं।

उत्तर दिशा में उन्नति के लिए आपको दर्पण लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपके घर में खुशहाली आती है। जो लोग नौकरीपेशा होते हैं और व्यापार करते हैं उनके घर में तरक्की आती है।

अपने घर में आर्थिक रूप से समृद्धि प्राप्त करने के लिए घर की उत्तर दिशा में भगवान कुबेर की मूर्ति रखें। ऐसा करने से आपके घर में कभी धन की तंगी नहीं होती। अगर मूर्ति रख पाना संभव न हो तो इस दिशा में कुबेर देवता का चित्र लगाना भी शुभ माना जाता है

घर में उत्तर दिशा को सुख समृद्धि की दिशा माना जाता है और मछली को सुख समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इस दिशा में आप अक्वेरियम रख सकते हैं। मछली को सुख और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। ऐसा करने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी आप पर प्रसन्न रहती हैं।

घर में इस दिशा में हल्के नीले रंग का पेंट करवाएं। ऐसा करने से आपके घर में लाभ के अवसर आते हैं और आय के नए रास्ते बनते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इस दिशा को और शुभ बनाने के लिए आप यहां पर मनी प्लांट भी लगा सकते हैं। इस दिशा में मनी प्लांट लगाने से आपके घर में पैसों की आवक भी बढ़ती है।

सूर्य-चंद्रमा के सम योग से मेष, सिंह सहित ये अन्य राशियां बनेगी धनवान

आज यानी 5 अक्टूबर 2025, रविवार को सूर्य से पांचवें भाव में चंद्रमा का कुंभ राशि में होना बेहद ही शुभ सम योग का निर्माण कर रहा है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, इसके प्रभाव से व्यक्ति अपने जीवन में धन और सम्मान प्राप्त करता है और भाग्य का साथ मिलता है। शनिवार का दिन मेष, सिंह और मीन राशि वालों को शुभ समाचार प्राप्त होता। जबकि वृष, मिथुन और कर्क राशि के जातकों को सावधानी से काम लेना होगा। वहीं, वृश्चिक व मकर राशि वालों को कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगा, लेकिन पारिवारिक चिंताएं बनी रहेंगी।

मेष : रुके हुए कार्य में सफलता मिलेगी

मेष राशि के जातकों को आज अधिक परिश्रम करनी पड़ सकती है। आज के दिन आपको अजनबी लोगों का सहयोग भी मिलेगा, जिससे रुके हुए कार्य में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में अचानक कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इससे आपको मिलने वाला लाभ प्रभावित हो सकता है। आपके विरोधी आज सक्रिय रहेंगे, लेकिन साहस और निर्णय क्षमता से आपको जीत प्राप्त होगी। घर में किसी प्रकार के निर्माण कार्य करना की जरूरत पड़ सकती है। परिवार से जुड़ी कोई खबर आपके मन को प्रसन्न करेगी।

वृष : जल्दबाजी में कार्य करने से बचें

वृष राशि वालों का आज का दिन परेशान करने वाला रहेगा। जल्दबाजी से किए गए कार्य बिगड़ सकते हैं। इसलिए संयम बनाए रखना आपके लिए बेहतर होगा। आर्थिक मामलों में कुछ दबाव महसूस हो सकता है। किसी प्रकार की पारिवारिक संकोच निर्णय लेने में दबाव डाल सकती है। आज के दिन आपको शुभ समाचार भी प्राप्त होता दिख रहा है। इसके साथ ही पुराने मित्रों से लंबे समय बाद मुलाकात संभव है। आज आपको किसी भी प्रकार की गलतफहमी से बचकर रहना होगा। धन कमाने के लिए गलत तरीकों से दूरी बनाएं, अन्यथा हानि हो सकती है।

मिथुन : समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा

पारिवारिक मामलों में मिथुन राशि के जातकों को कुछ असमानता उभर सकती हैं। इससे आपको कुछ मानसिक अस्थिरता महसूस हो सकती है। आज आपके समाज में मान-सम्मान बढ़ सकती है। इसके साथ ही अप्रत्याशित लाभ की संभावना बनती दिख रही है। हालांकि, इस दौरान आर्थिक मामलों से जुड़े लेन-देन में आपको सावधानी बरतनी होगी। थोड़ी सी भी लापरवाही आपके लिए नुकसान का कारण बन सकती है। कुछ लोग आपके कार्यों का विरोध कर सकते हैं। पारिवारिक समस्या से जुड़ा कोई कठिन निर्णय लेना पड़ सकता है।

कर्क : मेहनत का फल थोड़ी देर से मिलेगा

कर्क राशि के जातकों के लिए रविवार का दिन कुछ मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आज आपके द्वारा की गई मेहनत का फल थोड़ी देर से मिलेगा। आज आपको किसी आवश्यक कार्य के लिए दूर यात्रा करनी पड़ सकती है। इससे थकान महसूस होगी। मानसिक अशांति और कुंठा के कारण कुछ क्षणों के लिए मन विचलित रह सकता है। अधूरे कार्यों को पूरा करने का आज आपको प्रयास करना होगा। आज के दिन सुख-दुःख को एक समान मानकर आपको कार्य करना होगा।

सिंह : खर्चों पर कंट्रोल करना होगा

रविवार का दिन सिंह राशि के जातकों के लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपके आपके सभी कार्य सहजता से पूरे होते नजर आएंगे। कार्यक्षेत्र में अच्छे अवसर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार और व्यवसाय से संबंधित नए अनुभव प्राप्त होंगे। आपको खर्चों पर कंट्रोल करना होगा। धन खर्च होता हुआ दिख रहा है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और आपकी साख भी मजबूत बनेगी।

कन्या : शुभ समाचार प्राप्त होंगे

कन्या राशि वालों का आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। परिवार में शुभ कार्यों का वातावरण बनेगा और किसी समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होता दिख रहा है। इसके लिए बेहतर होगा की आप अच्छा भजन करें। आज के दिन आपको लगातार शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आज वही कार्य करें जिसमें सफलता की संभावना अधिक हो। संतान को लेकर कुछ चिंता सता सकती है। बेहतर होगा कि समझदारी से स्थिति को संभालें।

तुला : कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी

तुला राशि वालों के कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस दौरान एक के बाद एक कई समस्याओं का समाधान होता चला जाएगा। हालांकि, पेट या आंख से संबंधित समस्या परेशान कर सकती है। इससे कार्यक्षेत्र में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य को लेकर भी आपको आज के दिन थोड़ा अधिक ध्यान देना होगा। समय के साथ चलना आपके लिए सफलता की कुंजी बन सकता है।

वृश्चिक : पड़ोसियों से सावधान रहें

वृश्चिक राशि के जातकों के दांपत्य जीवन में सामंजस्य बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में जटिल कार्यों का समाधान आसानी से निकल जाएगा। मानसिक उलझनों के कारण सिरदर्द या तनाव महसूस हो सकता है। संतान से जुड़ी कोई चिंता परेशान कर सकती है। दिन के अंत में स्थिति आपके लिए बेहतर होती जाएगी। पड़ोसियों की वजह से आपको कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में मामूली विवाद से बचना आपके लिए बेहतर होगा।

धनु : महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी न करें

धनु राशि वालों को आज वाहन या आवास से जुड़ी कुछ समस्याएं देखने को मिल सकती हैं। किसी शुभ समाचार के मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। आज के दिन आपको अपने मित्रों और सहयोगियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आर्थिक रूप से दिन आपके अनुकूल रहेगा। पर्याप्त मात्रा में धन होते हुए भी आपको मानसिक शांति की कमी महसूस होती रहेगी। इसलिए महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें वरना बाद में पछताना पड़ सकता है।

मकर : मित्रों का सहयोग मिलेगा

मकर वालों को आज अपने मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी चल-अचल संपत्ति से संबंधित पारिवारिक विवाद सुलझ सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ने से व्यस्तता बनी रहेगी। सोच-समझकर किए गए कार्य में आपको सफलता प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और विरोधियों की गतिविधियों में कमी आएगी।

कुंभ : तर्क-वितर्क से खुद को दूर रखें

आर्थिक लिहाज से कुंभ राशि के लोगों का दिन सामान्य रहने वाला है। आज व्यर्थ के तर्क-वितर्क से समय व धन दोनों की हानि हो सकती है। इसलिए जरूरी है की आप अपने विवेक से काम लें। आपके नियोजित कार्यक्रम सफल होंगे और आर्थिक लाभ मिलेगा। मातुल पक्ष से लाभ प्राप्त हो सकता है। किसी पुराने मित्र या परिचित के आगमन से घर में रौनक बढ़ेगी।

मीन : विरोधी टिक नहीं पाएंगे

मीन राशि के जातकों के लिए यह लाभ कमाने का अवसर है। अपनी सूझबूझ और व्यवहार के बल पर आप मनचाही सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आज के दिन आपको जटिल परिस्थितियों से राहत मिलेगी। विरोधी भी आपके सामने आज टिक नहीं पाएंगे। स्वास्थ्य संबंधी किसी प्रकार की परेशानी से बचने के लिए खानपान में सावधानी बरते। पेट से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है। जीवनसाथी से किसी आर्थिक विषय पर मतभेद हो सकता है। हालांकि, दोनों के बीच प्रेम और आपसी समझ बनी रहेगी।

राशि के अनुसार खरीदें शुभ वस्तुएं, होगी धन-समृद्धि बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा!

हमारे देश में हर साल दीवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। इस खास दिन माता लक्ष्मी और गणपति जी की पूजा और परिवार में खुशहाली व समृद्धि की कामना की जाती है। इस समय कुछ खास वस्तुओं को खरीदा जाता है।

मेष राशि– मेष राशि के जातकों को चांदी के आभूषण, सिक्के या फिर बर्तन खरीदने चाहिए। इसके अलावा आप सोना या पीतल की वस्तुएं भी खरीद सकते हैं। इससे आपको तरक्की मिलेगी।

वृषभ राशि– आपके लिए चांदी की वस्तुएं खरीदना अच्छा रहेगा। यदि आप हीरा जड़ित कोई आभूषण खरीदते हैं तो वह बहुत ही उत्तम रहेगा। आप अपने बजट के अनुसार चांदी के आभूषण या सिक्के भी ले सकते हैं।

मिथुन राशि– मिथुन राशि के लोगों के लिए कांसे का बर्तन, सोना आदि खरीदना शुभ होता है। मिथुन राशि वालों के लिए पन्ना शुभ रत्न है, इन वस्तुओं की खरीदारी आपके लिए उन्नति देने वाली होगी।

कर्क राशि– कर्क राशि के लोगों को चांदी के आभूषण, चांदी के लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, चांदी का श्रीयंत्र, मोती की माला, चांदी में माती जड़ित अंगुठी आदी खरीदना उत्तम रहेगा।

सिंह राशि– सिंह राशि के लोगों के लिए सोना खरीदना श्रेष्ठ रहेगा। आपके लिए शुभ रत्न माणिक्य है। यदि बजट कम है तो आप उन वस्तुओं को खरीद सकते हैं, जिन पर सोने का पानी चढ़ाया गया हो।

कन्या राशि– कांसे या फूल के बर्तन खरीदना चाहिए, इससे आपका बुध ग्रह और मजबूत होगा। आपका शुभ रत्न पन्ना और मोती है। मोती की माला भी खरीद सकते हैं।

तुला राशि– तुला राशि के लोगों को चांदी के आभूषण, चांदी के बर्तन खरीदना शुभ रहेगा। इससे आपकी धन संपत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि– वृश्चिक राशि के लोगों को तांबे के बर्तन, चांदी या चांदी के आभूषण खरीदना चाहिए। इससे वृश्चिक राशि वालों को लाभ होगा।

धनु राशि– धनु राशि के लोगों को सोने के आभूषण, सोने के सिक्के, पीतल के बर्तन आदि खरीदना चाहिए। ऐसा करने से साल भर पैसे की कमी नहीं रहेगी।

मकर राशि– मकर राशि के लोगों को स्टील के बर्तन या अपने लिए कोई वाहन खरीद सकते हैं। इससे साल भर आपकी उन्नति होगी।

कुंभ राशि– कुंभ राशि के लोगों को वाहन या स्टील के बर्तन खरीदने चाहिए। उसके बाद चांदी, सोना आदि खरीद सकते हैं।

मीन राशि –मीन राशि के लोगों को सोने या पीतल की वस्तुएं खरीदनी चाहिए। इससे आपके सुख और समृद्धि में वृद्धि होगी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कैमरे के सामने रहती हूं बिल्कुल सहज : शालिनी पांडे

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने ब्लॉकबस्टर मूवी 'अर्जुन रेड्डी' से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। यह उनके करियर में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। विशेष बातचीत में शालिनी पांडे ने अपनी एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने इस दौरान बताया कि वह कैमरे के सामने बिल्कुल सहज रहती हैं और यही उनके अभिनय का मूल मंत्र है। जब उनसे पूछा गया, क्या आपकी प्रतिभा स्वाभाविक है, या इसके लिए आपने मेहनत की है? इस सवाल पर शालिनी पांडे ने जवाब दिया, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि यह स्वाभाविक प्रतिभा है या नहीं, लेकिन मैं बचपन से ही अभिनेत्री बनने का सपना देखती थी। कैमरे के सामने मैं बहुत सहज रहती हूं, खासकर जब मैं खुद शालिनी नहीं, बल्कि कोई दूसरा किरदार निभा रही होती हूं। संवाद मिलने और किसी और के रूप में ढलने पर मुझे सबसे ज्यादा सुकून और आत्मविश्वास मिलता है। शायद यही वजह है कि यह स्वाभाविक लगता है, क्योंकि अभिनय मेरा सबसे सुरक्षित और पसंदीदा ठिकाना रहा है।

इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए शालिनी ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि सीखने के लिहाज से मेरा सफर सचमुच अद्भुत रहा है। पहली ही फिल्म में मैंने जिन लोगों के साथ काम किया, वह जिस तरह की फिल्म थी और जो लोग उस फिल्म में मेरे साथ खड़े रहे, उन्होंने मेरे सफर को बहुत खास बना दिया।

उन्होंने आगे कहा, पहली ही फिल्म में मुझे बहुत अच्छे अभिनेत-ाओं और निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला है, जिससे मैं सचमुच धन्य महसूस करती हूं। उसके बाद से मैंने जितने भी प्रोजेक्ट किए हैं, वो कमाल की टीम के साथ किए हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं।

बता दें कि शालिनी पांडे ने 'अर्जुन रेड्डी' में एक मेडिकल छात्रा का रोल प्ले किया था। इसमें विजय देवरकोंडा ने लीड रोल प्ले किया था। वह इसके बाद 'डब्बा कार्टल', 'जयेशभाई जोरदार', 'महाराज', और '118' जैसी फिल्म-सीरीज में अपने अभिनय का परिचय दे चुकी हैं।

फिल्म जटाधारा में खलनायिका बन सोनाक्षी सिन्हा मचाएंगी धमाल

सोनाक्षी सिन्हा अपने आगामी द्विभाषी (हिंदी-तेलुगु) प्रोजेक्ट 'जटाधारा' से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं क्योंकि ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा की इस बहुप्रतीक्षित पौराणिक स्पेक्टेकल फिल्म से तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर पहली बार खलनायिका के रूप में नज़र आनेवाली हैं। हालांकि 'धन पिशाचिनी' के रूप में उनका यह किरदार सिर्फ नकारात्मक ही नहीं, बल्कि बेहद शक्तिशाली और दमदार भी है। गौरतलब है कि जहां अधिकतर कलाकार अपने सकारात्मक किरदार को लेकर काफी सजग रहते हैं, वहां सोनाक्षी का यह कदम न सिर्फ साहसिक है, बल्कि उन्हें नए मुकाम पर ले जाने की काबिलियत को भी दर्शाता है। विशेष रूप से रहस्यवाद, आध्यात्मिक प्रतीकों और शक्ति के स्त्री रूप को एक रोचक सिनेमाई ताने-बाने में

पिरोते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरफ अपना कदम बढ़ाया है, वो बॉलीवुड में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। गौरतलब है कि 'जटाधारा' की कहानी काले जादू की रहस्यमयी दुनिया की झांकी पेश करती है, जहाँ तंत्र-मंत्र, गुप्त अनुष्ठान और प्राचीन श्राप आस्था और भय की सीमाओं को दर्शाया गया है। ऐसे में यहाँ सोनाक्षी का किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं, बल्कि तंत्र और तांत्रिक शक्तियों से जन्मी एक भयावह सत्ता की भी है, जो कहानी को गहराई और नया आयाम देती है।

हालांकि हाल ही में दुर्गा पूजा पर रिलीज़ हुआ सोनाक्षी का गाना धना पिशाची (हिंदी और तेलुगु में) पहले ही फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा चुका है। इसके अलावा गाने के दृश्यों में प्राचीन अनुष्ठान, भगवान शिव से जुड़े प्रतीक और पौराणिक छवियाँ सोनाक्षी की खलनायिका वाली भयावह छवि को और प्रभावशाली बनाते हैं। फिल्म में उनके अपोज़िट सुधीर बाबू नज़र आएंगे, जो कहानी को भावनात्मक गहराई देते हैं और अच्छाई और बुराई के संघर्ष को निजी और गहन बनाते हैं।'जटाधारा' के साथ सोनाक्षी सिन्हा न सिर्फ तेलुगु सिनेमा में एंट्री कर रही हैं, बल्कि खुद को नए रूप में गढ़ रही हैं और यह साबित कर रही हैं कि खलनायिका की ताकत कभी-कभी नायक से भी ज़्यादा आकर्षक और प्रभावशाली हो सकती है। फिल्म 'जटाधारा' 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु, दोनों भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंथ 2025: एंजेलिना जोली इफेक्ट के साथ 'हर यात्रा मायने रखती है'

2013 में हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली ने दुनिया को एक बड़े फैसले से सबको चौंका दिया। उनकी मां (मार्शलीन बर्ट्रेंड) की मृत्यु ओवरी कैंसर से हुई थी। जोली ने टेस्ट कराया और पाया कि उनमें बीआरसीए1 जीन म्यूटेशन है, जो उनके ब्रेस्ट कैंसर के चांस को 87 फीसदी तक बढ़ा रहा था। एंजेलिना ने प्रिवेंटिव डबल मास्टेक्टॉमी (दोनों स्तनों को सर्जरी से हटवाना) करवा लिया। उस समय कइयों ने उनके फैसले पर सवाल उठाए, लेकिन बाद में हजारों महिलाएं अस्पताल पहुंचीं और टेस्ट कराए। डॉक्टरों का कहना है कि एंजेलिना की इस पहल से 'जोलि इफेक्ट' नाम की एक अवेयरनेस लहर उठी, जिसने अनगिनत जिंदगियां बचाईं। रिसर्च बताती है कि उनके बयान के बाद लाखों महिलाओं ने बीआरसीए टेस्ट करवाने शुरू कर दिए। जोली ने अपने शरीर से जुड़ी बेहद निजी बात का खुलासा न्यूयॉर्क टाइम्स के ओप-एड लेख में किया था। 2013 के इस लेख में उन्होंने एक मां के डर को जाहिर करते हुए लिखा, मैं यह नहीं चाहती थी कि मेरे बच्चों को बार-बार वही डर महसूस हो जो मैंने अपनी मां के लिए महसूस किया था। मैंने तय किया कि मैं इस डर को कम करने की पूरी कोशिश करूंगी।

जोली की इस ईमानदार कोशिश की दुनिया कायल हो गई। उन्होंने अपने इसी लेख में आगे लिखा, मेरे लिए यह लिखना आसान नहीं था। लेकिन अगर यह किसी एक महिला को भी टेस्ट करवाने और अपना जीवन बचाने के लिए प्रेरित कर सके, तो मैं अपने इस कदम को सही मानूंगी।

स्तन कैंसर का हर निदान व्यक्तिगत होता है। हर निदान के पीछे एक कहानी होती है-साहस, दृढ़ता और आशा की। और जब इससे किसी मशहूर हस्ती का नाम जुड़ जाता है तो आम जन को भी इसकी गंभीरता और भयावहता का एहसास सहज ही हो जाता है। एंजेलिना जोली की ब्रेस्ट कैंसर स्टोरी केवल हॉलीवुड की ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की महिलाओं के लिए एक बड़ा संदेश बन गई।

मैं मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी : दीपिका पादुकोण

हाल ही में आईएमडीबी की पिछले 25 वर्षों में 'भारतीय सिनेमा की सबसे अधिक चर्चित हस्तियों' की सूची जारी हुई थी। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने इसमें टॉप पांच में जगह बनाई थी। दीपिका ने कहा कि उन्हें अक्सर बताया जाता था कि एक महिला के रूप में उन्हें अपने करियर की राह कैसे तय करनी चाहिए, लेकिन वह कभी भी मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से नहीं डरीं। इस सूची में शाहरुख खान पहले स्थान पर रहे, आमिर खान और ऋतिक रोशन दूसरे स्थान पर रहे, और दीपिका पादुकोण तीसरे स्थान पर रहीं।

दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में कहा, जब मैंने अपना सफर शुरू किया था, तो मुझे अक्सर बताया जाता था कि सफल होने के लिए एक महिला को अपना करियर कैसे तय करना चाहिए या उससे क्या अपेक्षा की जाती है। हालांकि, शुरू से ही मैं सवाल पूछने, लोगों को नाराज करने, मुश्किल रास्ते पर चलने और मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी ताकि हम सभी से जिस ढांचे में ढलने की उम्मीद की जाती है, उसे नया रूप दे सकूं।

इसके साथ ही दीपिका पादुकोण ने फैंस को उनके फैसलों के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद भी कहा। दीपिका ने आगे कहा, मेरे परिवार, प्रशंसकों और सहयोगियों का मुझ पर जो भरोसा रहा, उसने मुझे अपने फैसले लेने और चुनने की हिम्मत दी है। मुझे उम्मीद है कि यह रास्ता आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा बदलाव लाएगा। भारतीय सिनेमा के 25 सालों पर आईएमडीबी की रिपोर्ट इस विश्वास को मजबूत करती है कि ईमानदारी, प्रामाणिकता और लचीलापन महत्वपूर्ण हैं, और अपने मूल सिद्धांतों पर डटे रहकर बदलाव लाना संभव है।

बता दें कि हाल ही में दीपिका पादुकोण को फिल्म 'कल्कि एडी 2898' से बाहर किया गया था। इसके बाद उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट में अपने फैसलों के साथ खड़े होने की बात कही थी। इससे पहले उन्हें संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म से भी हटाया गया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के जरिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 अक्टूबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन, शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी सायं 03:05 तक
नक्षत्र : शतभिषा प्रातः 08:02 तक
योग : गण्ड सायं 04:34 तक
करण : तैतिल सायं 03:05 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 12:46 तक
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:01 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:06 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:59 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 05:53 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

योजनाबद्ध तरीके से समय पर पूरा करे विकास कार्य : सैनी

चण्डीगढ़, 04 अक्टुबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यो को योजनाबद्ध तरीके से तय समय सीमा में पूरा किया जाए। साथ ही, जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ धरातल पर हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए अधिकारी हर 15 दिन में विकास कार्यो की प्रगति की समीक्षा करना भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज यहां विकास एवं पंचायत विभाग और ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं को लेकर एडीसी, जिला परिषद के सीईओ, डीडीपीओ और पंचायती राज के कार्यकारी अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि 500 वर्ग गज तक की शामलात भूमि पर अनाधिकृत रूप से निर्मित मकानों का नियमितीकरण करने के कार्यो मे तेजी लाने के लिए ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा की बैठकों का आयोजन किया जाए। इसके अलावा, पात्र लोगों को जागरूक करने के लिए ग्राम पंचायतों में मुनियादी करवाई जाए। अगले तीन सप्ताह के अंदर ग्राम सभा की बैठकों का आयोजन कर इसके तहत केसों का निपटान सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त, जिन जिलों के केस अप्रूव हो चुके है उनकी रजिस्ट्रीयां जल्द करवाई जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए है कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत जिन लाभार्थियों को अधिकार पत्र दिए गए है लेकिन जिनकी रजिस्ट्री किसी कारणवश नहीं हुई उनकी रजिस्ट्री अगले एक महीने में करवाना सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि स्वामित्व योजना को लेकर अलग से कैम्प लगाकर त्रुटियों को ठीक किया जाए और स्वामित्व योजना के मानचित्र को ठीक कर इसकी रिपोर्ट एफसीआर को भेजना सुनिश्चित करे।

उन्होंने पिछले 4 वर्षों में राज्य वित्त आयोग के तहत जिला परिषद को जारी अनुदान के उपयोग की स्थिति पर निर्देश दिए कि योजना बनाकर तय समय सीमा में विकास कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और विकास कार्यो की राशि को शत प्रतिशत खर्च किया जाए। इसके अलावा, हर 2 महीने में पंचायत समितियों की बैठक आयोजित की जाए। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विभिन्न विकास कार्यो व योजनाओं को लेकर अधिकारी एक–दूसरे विभाग के साथ समन्वय कर कार्य करें ताकि विकास के काम समय पर पूर्ण हो सके। इसके अलावा, उन्होंने यह निर्देश दिए कि विकास कार्यो में गुणवता का ध्यान रखा जाए और समय–समय पर निर्माण सामग्री की चेकिंग भी करवाते रहे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शेड पर कहा कि जिन जिलों के कार्य इसके तहत लंबित है वे जिले योजना बनाकर इसको जल्द पूरा करे। इसके साथ ही फरीदाबाद, गुरुग्राम, झज्जर और पलवल जिलों के लिए गोबर धन योजना के तहत एक–एक प्रोजेक्ट बनाकर मुख्यालय भिजवाना सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में महिला चौपाल और एससी/बीसी चौपाल की मरम्मत व जीर्णोद्धार के कार्यों को 2 महीने में पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि ड्रोन दीदी के लिए एसओपी तैयार की जाए। साथ ही लखपति दीदी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समयबद्ध तरीके से योजना बनाई जाए। उन्होंने सांझा बाजार योजना के तहत अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन जिलों में सांझा बाजार नहीं खुले है वहां पर बाजार खोलने को लेकर जमीन को चिन्हित किया जाए। सरकार का सांझा बाजार खोलने को लेकर हित 'लोकल फॉर वोकल' है ताकि स्थानीय कारीगरों को एक नई पहचान मिल सके। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह कैंटीनों को खोलने को लेकर समय सीमा तय की गई है। साथ ही प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना से जुड़ी परियोजनाओं के प्लान बनाकर दिये जाए और इसके तहत चल रहे विकास कार्यो को जल्द पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों की मरम्मत के कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरे करे। साथ ही सड़क पर सफेद पट्टियां समय पर लगें व इनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए। सड़कों पर लगे साइन बोर्ड व्यवस्थित किए जाएं। उन्होंने अमृत सरोवर योजना के तहत बने तालाबों के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता पर बल देते हुए कहा कि फुटपाथ, बैठने के लिए बेंच, पेड़–पौधों का रोपण और अन्य कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। इसके अलावा, शिवधाम के नवीनीकरण योजना को गति देने के लिए भी अधिकारियों को नियमित समीक्षा बैठकें करने और शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नायब सिंह सैनी ने ग्राम सचिवालयों के संबंध में कहा कि सचिवालयों के वातावरण और रख–रखाव पर ध्यान दिया जाए। साथ कम बजट में उत्कृष्ट और आधुनिक ग्राम सचिवालय तैयार किए जाएं ताकि उन्हें आदर्श स्वरूप प्रदान किया जा सके।

इसके अलावा, उन्होंने योग एवं व्यायामशालाओं के निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने, फिरनी पर स्ट्रीट लाइट्स लगाने, इंडोर स्टेडियमों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जिन परियोजनाओं में गलत अनुमान (एस्टीमेट) बनाए जाएंगे, उनके लिए संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे और ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

स्वदेशी से ही भारत बनेगा आत्मनिर्भर : बड़ौली

चंडीगढ़, 04 अक्टुबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने शनिवार को सोनीपत में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा है कि स्वदेशी से ही भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। वहीं उन्होंने कांग्रेस को भी आडे हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने कभी भी स्वदेशी की बात नहीं की, इसलिए भारत की निर्भरता विदेशों पर बढ़ती चली गई। बड़ौली ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने विदेशों पर भारत की निर्भरता को कम करने के लिए स्वदेशी पर जोर दिया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि आज भारत अपनी स्वदेशी वस्तुओं का पूरे विश्व में निर्यात कर रहा है। स्वदेशी वस्तुएं जैसे–जैसे विदेशों में जाएगी भारत और ताकतवर होता जाएगा। पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह सोनीपत में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश की आजादी के बाद विपक्ष की सरकारों ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने हमें पश्चिमी विकास मॉडल और आयात पर निर्भर मिश्रित अर्थव्यवस्था दी जिसके कारण देश के उद्योग कमजोर हो गए। बड़ौली ने कहा कि 1964 में दत्तोपंत ठेंगड़ी ने स्वदेशी चेतना को पुनर्जीवित किया। मोदी सरकार ने दत्तोपंत ठेंगडी के बताए मार्ग पर चलते हुए आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। स्वदेशी पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाकर ही हम भारत को मजबूत राष्ट्र बना सकेगे। उन्होंने कहा कि स्वावलंबन ही सच्ची स्वतंत्रता का मार्ग है। जब तक हम दूसरों पर निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी स्वतंत्रता अधूरी रहेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि भारतीय उद्योग और श्रमिक हमारी ताकत है, इसलिए हमें अंध पश्चिमीकरण से सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी सिर्फ एक नारा या खादी वस्त्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक विकसित भारत के सपने को साकार करने और उसकी नींव को मजबूत करने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। विदेशों से हथियार खरीदने की बजाए अब उनका निर्माण भारत में हो रहा है, जो एक मजबूत और सुरक्षित राष्ट्र के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए हर घर स्वदेशी उत्पाद हमारा मंत्र, लक्ष्य और शक्ति है।

अपराध रोकने में ही नहीं अपराधियों को सजा दिलाने में भी नाकाम है भाजपा सरकार : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 04 अक्टुबर (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी छ्उठइ की 'क्राइम इन इंडिया 2023' रिपोर्ट ने हरियाणा सरकार की पोल खोलकर रख दी है। हरियाणा की बीजेपी सरकार अपराध रोकने में ही नहीं अपराधियों को सजा दिलाने में भी नाकाम साबित हुई है। छ्उठइ रिपोर्ट बताती है कि 2023 में प्रदेश में कुल 2,24,216 एफआईआर दर्ज हुई। 'क्राइम इन इंडिया 2023' रिपोर्ट के अनुसार 3.03 करोड़ आबादी वाले हरियाणा में हर रोज 3 हत्या, 5 बलात्कार, 11 अपहरण के मामले दर्ज हुए। हरियाणा देश में सबसे ऊँची अपराध दर वाले राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि छ्उठइ के आधिकारिक आँकड़े बताते हैं कि संगीन अपराधों के साथ–साथ डिजिटल ब्लैकमेल और ऑनलाइन उगाही भी तेजी से बढ़ रही है। आम नागरिक, व्यापारी ही नहीं, महिलाएं भी जबरन वसूली व ब्लैकमेलिंग का शिकार हो रही हैं। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में अपराधी खु–लेआम घूम रहे हैं और पीड़ित न्याय के लिए तरस रहे हैं। सरकार को दोषसिद्धि दर बढ़ाने के लिए अभियोजन विभाग और पुलिस की कार्यप्रणाली में तुरंत आमूलचूल सुधार करना चाहिए। छ्उठइ रिपोर्ट के हवाले से सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ कुल 15,758 अपराध के मामले मामले दर्ज हुए। इनमें 1,772 बलात्कार, 131 गैंगरेप, 207 दहेज हत्याएँ हैं, लेकिन सज़ा दर सिर्फ 13.6% रही जो शर्मनाक है। क्राइम इन इंडिया 2023 रिपोर्ट के अनुसार राज्य में हर रोज बलात्कार के 5 केस दर्ज होते हैं। बलात्कार के मामले में हरियाणा में अपराध दर 12.4 है, जो राष्ट्रीय औसत 4.3 से काफ़ी ज़्यादा है और राजस्थान के 12.8 की दर के बाद देश में दूसरी सबसे अधिक है। महिलाओं के ख़िलाफ़ अपराध में आरोप–पत्र दाखिल करने की दर देश में सबसे कम यानी सिर्फ़ 56% है, जो राष्ट्रीय औसत 77.9% से काफ़ी कम है। इसी तरह बच्चों के खिलाफ अपराध के 6,401 मामलों में दोषसिद्धि दर मात्र 27.2% है। वहीं डउ वर्ग के खिलाफ अपराध के 352 मामलों में से सिर्फ 68 में ही सज़ा हुई यानी 19.3% की दर के साथ सरकार का पूरा तंत्र अपराधियों के आगे फेल साबित हुआ है। हत्या जैसे नृशंस अपराध के मामले बढ़े हैं। 2022 में 1020 हत्या के केस दर्ज हुए वहीं 2023 में 1042 मामले दर्ज हुए।

विधायक डॉ. जसवंत सिंह यादव ने सेवा पखवाड़ा शिविर में अधिकारियों को दिए योजनाओं के क्रियान्वयन के निर्देश

बहरोड़, 04 अक्टुबर (एजेंसियां)। विधानसभा क्षेत्र में विधायक डॉ. जसवंत सिंह यादव ने जनता के हित में आयोजित सेवा पखवाड़ा शिविरों में सक्रिय भागीदारी निभाई। नगर पालिका बर्डोद, पहाड़ी और रामसिंहपुरा में आयोजित शिविरों में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने सुझाव साझा किए।कार्यक्रम की शुरुआत नगर पालिका बर्डोद से हुई, जहाँ डॉ. जसवंत सिंह यादव ने स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद करते हुए क्षेत्र की प्रमुख आवश्यकताओं और विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चल रहे कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए ताकि योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचे। इसके पश्चात वे पहाड़ी पहुँचे, जहाँ आयोजित सेवा शिविर में उन्होंने जनसुनवाई की और ग्रामीणों से क्षेत्र की समस्याओं व उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. जसवंत सिंह यादव ने अधिकारियों को शिविरों से प्राप्त सुझावों को योजनाओं के क्रियान्वयन में शामिल करने और हर कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

जोधपुर आर्ट्स वीक : महिलाओं के योगदान और जोधपुर की जल संरचनाओं को किया रेखांकित

जोधपुर, 04 अक्टुबर (एजेंसियां)। जोधपुर आर्ट्स वीक (एडिशन 1.0) के तीसरे दिन कला, पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत उत्सव देखने को मिला, जिसमें शहर के ऐतिहासिक और समकालीन स्थलों पर कार्यशालाएं, वॉकथ्रू और पैनल चर्चायें आयोजित हुईं। राव जोधा डेजर्ट रॉक पार्क में 'राव जोधा ऐज़ अ लिविंग आर्काइव' नामक एक गहन और सहभागी कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसे पाटी ÷ लैंड टीचिंग फेलोज़ ने संचालित किया। इस यात्रा ने मारवाड़ क्षेत्र के इतिहास को उसकी ज्वालामुखीय उत्पत्ति और डायनासोर युग से लेकर वर्तमान पारिस्थितिक और सांस्कृतिक परिदृश्य तक को रेखांकित किया। सुराग–आधारित ट्रेल्स, संवेदी अनुभवों और शिक्षार्थियों द्वारा संचालित कहानी कहने की प्रक्रिया के माध्यम से पार्क को भूविज्ञान, पारिस्थितिकी, लोककथाओं और स्मृतियों का जीवंत अभिलेखागार प्रस्तुत किया गया।

श्री सुमेर स्कूल, वॉल्ड सिटी में सुबह की शुरुआत 'कतरन दग्हा: स्टिचिंग वर्कशॉप' से हुई, जिसका संचालन कलाकार ऋचा आर्या ने किया। प्रतिभागियों ने इसमें कपड़े को पुनः उपयोग कर थैले और अन्य वस्तुयें बनाने तथा कढ़ाई तकनीक सीखने का अनुभव किया, जो जोधपुर की स्थानीय महिलाओं की रचनात्मकता से प्रेरित था। इसके बाद कलाकार सरूहा किलारू ने प्रतिभागियों को ड्राईपॉइंट प्रिंटमेकिंग की बारीक कला से परिचित कराया, जिसमें एंटाग्लियो तकनीक की खूबसूरती को प्रत्यक्ष अनुभव कराया गया। इसी दौरान 'पाटी रेज़िडेंसी जोधपुर वॉकथ्रू' ने दर्शकों को हाउस ऑफ प्रेमचंद की सैर कराई, एक चौथी पीढ़ी का मारवाड़ी हवेली, जिसे समकालीन कला–प्रथाओं के केंद्र के रूप में सुसंवर्धित किया गया है। एक प्रभावशाली पैनल चर्चा ;पशुपालक धरोहर आजः राजस्थान से सोमालिया तक' में धकान कलेक्टिव और ऊँट–पशुपालन विशेषज्ञ डॉ. इल्से कोहलर–रोलेफसन ने ऊँट को की–स्टोन स्पीशीज़ और जीवित धरोहर के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया। इस विमर्श ने पारिस्थितिक ज्ञान, महिला श्रम, मौखिक परंपराओं और समकालीन कला–प्रथाओं को जोड़ते हुए जलवायु परिवर्तन के युग में लचीले भविष्य की कल्पना की।

लंदन पहुंचे स्पीकर वासुदेव देवनानी–सावरकर हाउस सहित ऐतिहासिक स्थानों का किया अवलोकन

जयपुर, 04 अक्टुबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वाधान में आयोजित विश्व के विधान मंडलों की संसदीय प्रणाली अध्ययन यात्रा के दौरान लंदन पहुंचे। लंदन में स्पीकर देवनानी ने सावरकर हाउस सहित ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का अवलोकन किया। देवनानी लंदन में मेयर और सांसद सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण से मिले। लंदन में नवरात्रा समापन समारोह में भी देवनानी शामिल हुए। देवनानी ने देखा सावरकर हाउस–राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लंदन यात्रा के दौरान भारत के क्रांतिकारी आंदोलन का केंद्र रहे सावरकर हाउस को देखा। श्री देवनानी ने बताया कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियों से जुड़े इस ऐतिहासिक स्थान पर रहकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ओजस्वी एवं क्रांतिकारी विचारक श्री वीर विनायक दामोदर सावरकर ने 1857 का स्वतंत्रता समर पुस्तक का लेखन किया, जिसने स्वतंत्रता हेतु युवाओं को आंदोलन करने में महती भूमिका निभाई।

जोधपुर में स्वास्थ्य मंत्री ने कफ सिरप विवाद पर कहा

बच्चों की मौत का दवा से कोई संबंध नहीं

जोधपुर, 04 अक्टुबर (एजेंसियां)। सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने शनिवार को स्पष्ट किया कि प्रदेश में कफ सिरप के कारण बच्चों की मौत नहीं हुई। मंत्री ने बताया कि इस संबंध में पहले ही कमेटी बैठाकर जांच करवाई जा चुकी है और दो बार दवा की परीक्षण भी किया गया, जिसमें किसी प्रकार की गड़बड़ी सामने नहीं आई।मंत्री से इस दौरान खीवसर में पूछे जाने पर कि केंद्र सरकार ने कुछ घंटे पहले इस दवा के फार्मूले पर प्रतिबंध लगा दिया है, उन्होंने तुरंत अपने साथ मौजूद अधिकारियों से जानकारी लेना शुरू किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार भी इस मामले की जांच कराएगी। जब उनसे यह सवाल किया गया कि प्रदेश के अस्पतालों में अब भी यह दवा लिखी जा रही है और शुक्रवार को जोधपुर के एक अस्पताल में भी इसका उपयोग हुआ, तो मंत्री ने कहा कि कृपया जानकारी दें कि किस अस्पताल और किस पर्ची पर यह दवा लिखी गई, जांच कर ली जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि 28 सितंबर को ही इस दवा पर रोक लग गई थी।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल द्वारा इस मामले की जांच एसओजी से कराने की मांग पर मंत्री ने कहा कि वे तो हर प्रकरण की जांच एसओजी से कराने की बात करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी दवा के निर्माण से पहले चार चरणों में उसकी जांच की जाती है। हालांकि एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री बिना जवाब दिए ही प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़कर चले गए।

बिहार के कई जिलों में बारिश से हाहाकार

वज्रपात से चार मौत, रेलवे ट्रैक सड़क, अस्पताल जलमग्न

पटना (एजेंसियां)। बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर, वैशाली, गोपालगंज, पूर्णिया समेत कई जिलों में सुबह से बारिश हो रही है। पटना में मीठापुर फ्लाईओवर की सड़क धंस गई। गोपालगंज में अस्पताल में बारिश का पानी घुस गया। सारण, रोहतास और मुजफ्फरपुर में रेलवे ट्रैक के ऊपर बारिश का पानी चढ़ गया है। रोहतास में दलित बस्ती में 15 मकान गिर गए हैं। कई जिलों में सड़कों पर घुटने भर पानी भर गया है। लोगों परेशान हैं। छपरा-सीवान रेल खंड के एकमा स्टेशन के पास मेन लाइन पर पेड़ गिरने से छह घंटे से अपलाइन बंद है। इधर, सारण और गोपालगंज में खराब मौसम को देखते हुए जिलाधिकारी ने शनिवार को स्कूल बंद करने की चिट्ठी जारी कर दी है। बेतिया में आकाशीय बिजली गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई। वहीं गोपालगंज और आरा में एक युवक की जान वज्रपात की चपेट में आने से चली गई।

मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने आज पूरे बिहार में 32 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं सारण, मुजफ्फरपुर, सुपौल में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। गोपालगंज, सीवान, सारण, भोजपुर वैशाली, दरभंगा और मधुबनी जिले में अत्यंत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, शिवहर, समस्तीपुर, वैशाली, पटना, बक्सर, भोजपुर, सारण, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, दरभंगा, मधुबनी, शेखपुरा, बांका, भागलपुर, पूर्णिया, अररिया, कटिहार, किशनगंज, सहरसा, सुपौल में अगले दो से तीन घंटे में मध्यम दर्जे की मेघ गर्जन, वज्रपात, 30 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ बारिश होने के आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, चार और पांच अक्टूबर को पूरे बिहार में अधिकांश स्थानों पर बारिश के आसार हैं। वहीं छह अक्टूबर को उत्तर-पश्चिम बिहार, दक्षिण पश्चिम बिहार अनेक स्थानों पर बारिश के आसार हैं। सात अक्टूबर से मौसम ठीक होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटे में गोपालगंज में 49.6 एमएम, रोहतास में 43 एमएम, नवादा में 42.8 एमएम, सहरसा में 40.2 एमएम, अरवल 36.2 एमएम, बांका में 32.2 एमएम बारिश के आसार हैं।

पटना, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, वैशाली, पूर्णिया, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर समेत कई जिलों में शनिवार अहले सुबह से ही मूसलाधार बारिश हो रही है। पटना, पूर्णिया में तो सुबह में ही अंधेरा जैसा लगने लगा। इसके बाद झमाझम बारिश शुरू हुई। इस कारण पटना, मुजफ्फरपुर, वैशाली शहर के कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई। लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। वहीं गोपालगंज में पिछले 13 घंटे से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने इन इलाके में रहने वाले लोगों से सावधान रहने की अपील की है। कहा कि खराब मौसम में घर से बाहर निकलने से बचें।

कैमूर में पिछले 24 घंटों से हो रही रुक-रुक कर बारिश ने क्षेत्र की जनजीवन को काफी प्रभावित किया है। रामगढ़ पंचायत से मुंडेश्वरी रोड तक का मुख्य मार्ग पूरी तरह से जलमग्न हो गया है, जिससे सड़क पर पानी बहने लगा है और प्रशासन ने खतरे की आशंका को देखते हुए रास्ता अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। स्थानीय लोगों शीतल प्रसाद के अनुसार, बारिश का पानी रोड के ऊपर से बह रहा है, जिससे आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। लोग अब रामगढ़ पंचायत से उमापुर के वैकल्पिक रास्ते से होकर मुंडेश्वरी और भभुआ भगवानपुर की ओर जा रहे हैं। बारिश शुक्रवार रात से शुरू होकर आज दिन भर रुक-रुक कर होती रही, और रात में फिर तेज़ बारिश ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। कई जगहों पर पानी जमा होने से यह दृश्य बाढ़ जैसा लग रहा है।

रोहतास में शुक्रवार रात आंधी एवं भारी बारिश से बड़ी तबाही हुई है। कई जगह जलजमाव से लोग परेशान है। कई जगह बड़े-बड़े पेड़ गिर गए हैं। कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। हजारों घर प्रभावित हो गए हैं। सासाराम सहित जिले के अन्य शहरों में बड़ी संख्या में पेड़ एवं बिजली के खम्भे टूटे, बिजली एवं पेयजल का संकट हो गया है। जिले में सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गए हैं। सासाराम में रेलवे ट्रैक पर भी बारिश का पानी चढ़ गया है। जिला प्रशासन ने आम लोगों से सावधान रहने की अपील की है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के सामने हंगामा

भाजपा जिलाध्यक्ष के गृह क्षेत्र में भारी विरोध

बेगूसराय (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के समर्थक और विधायक सूर्यकांत पासवान के समर्थक शुक्रवार को आमने-सामने हो गए। दोनों ओर से करीब 10 मिनट तक जमकर नारेबाजी की गई। इसके बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह अपने काफिले के साथ मौके से चले गए।

जानकारी के अनुसार, यह घटना बखरी अनुमंडल में अनुमंडल स्तरीय अस्पताल के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान हुई। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह इस कार्यक्रम में पहुंचे थे, वहीं स्थानीय विधायक सूर्यकांत पासवान भी अपने समर्थकों के साथ उपस्थित थे। दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी का सिलसिला शुरू हो गया, जिसमें भाजपा और सीपीआई कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के सामने जमकर नारे लगाए।

सीपीआई समर्थकों का आरोप था कि बिहार सरकार की इस योजना को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह अपने स्तर से हाईजैक कर क्रेडिट लेने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर विधायक सूर्यकांत पासवान ने कहा कि बखरी में अनुमंडलीय अस्पताल की योजना एक साल पहले से स्वीकृत है और इसे पहले ही शिलान्यास करवा लिया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह क्रेडिट लेने का मामला नहीं है, बल्कि जनता की सुविधा बहाल करने का मसला है।

विधायक ने आगे कहा कि हरी गिरी धाम गढ़पुरा में भी बाउंड्री का जो काम शुरू हुआ है, वह बिहार सरकार की योजना है, लेकिन केंद्रीय मंत्री और सांसद इसका क्रेडिट लगातार ले रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह कार्यक्रम भाजपा के वर्तमान जिला अध्यक्ष राजीव वर्मा के गृह क्षेत्र बखरी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किया गया था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किन परिस्थितियों में नारेबाजी शुरू हुई। हालांकि राजनीतिक जानकारों का कहना है कि आगामी विधानसभा चुनाव में बखरी विधानसभा सीट एनडीए और महागठबंधन दोनों के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में बखरी विधानसभा सीट एनडीए और महागठबंधन दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में यह देखना जरूरी होगा कि भाजपा के जिला अध्यक्ष के गृह क्षेत्र में उनका प्रदर्शन कैसा होता है। 2020 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा था।

रिटायर्ड पुलिस की गोली मारकर हत्या, आपसी रंजिश या संपत्ति विवाद? पुलिस जांच में जुटी

भोजपुर (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गजराजगंज ओपी के कारीसाथ गांव में देर रात अपराधियों ने एक रिटायर्ड पुलिस जवान की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान कारीसाथ गांव निवासी 85 वर्षीय कन्हैया प्रसाद यादव के रूप में हुई है।

वहीं मृतक बंगाल पुलिस में जवान के पद पर कार्यरत थे और वर्ष 2005 में सेवानिवृत्त हुए थे। घटना को लेकर परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक देर रात जब वे घर में सो रहे थे, तभी हथियारबंद अपराधियों ने घर में घुसकर उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

गोली काफी नजदीक से मारी गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही गजराजगंज ओपी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की तहकीकात में जुटी है। हत्या के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है, लेकिन प्रारंभिक जांच में व्यक्तिगत रंजिश या संपत्ति विवाद की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम आरा सदर अस्पताल में कराया गया है।

ग्रामीणों ने लगाया 'जेडीयू विधायक लापता' का पोस्टर, इलाके में गरमाई चुनावी सियासत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में जेडीयू विधायक अशोक चौधरी लापता हो गए हैं। इसको लेकर ग्रामीणों ने अनोखा विरोध जताया है। उन्होंने गांव के घरों, बिजली के खंभों और दीवारों पर 'विधायक लापता है' के पोस्टर चिपकाए और कहा कि अब लोग उन्हें खोजने निकल रहे हैं। दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आते ही विरोध भी तेज हो गया है। ताजा मामला सुरक्षित क्षेत्र सकरा विधानसभा का है, जहां जेडीयू विधायक अशोक चौधरी के लापता होने के पोस्टर लगाए गए हैं। ग्रामीणों में अपने ही विधायक के खिलाफ भारी आक्रोश है, जिसके बाद इलाके की राजनीतिक सरगर्मी और बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, रामपुर कृष्ण पंचायत के कई गांवों में ग्रामीणों ने विधायक पर काम नहीं करने और क्षेत्र से गायब रहने का आरोप लगाते हुए यह पोस्टर लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में अब तक कोई विकास कार्य नहीं हुआ है और विधायक लंबे समय से जनता से संपर्क में भी नहीं रहे।

ग्रामीणों का आरोप है कि अब जब चुनाव नजदीक हैं और तारीख का ऐलान होने वाला है, तभी विधायक ने आना-जाना शुरू किया है। नाराज ग्रामीणों ने कहा कि अब हम उन्हें सबक सिखाने का फैसला कर चुके हैं और इसी के तहत विधायक लापता है लिखे पोस्टर सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए हैं। इस मामले के सामने आने के बाद पूरे इलाके में जोरदार चर्चा छिड़ गई है। वहीं, अन्य लोगों का कहना है कि यदि जनप्रतिनिधि क्षेत्र की समस्याओं पर ध्यान नहीं देंगे तो आने वाले दिनों में विरोध और तेज किया जाएगा।

ग्रेजुएट पास बेरोजगार युवाओं हर महीन 1000 रुपये देगी नीतीश सरकार

पटना (एजेंसियां)। नीतीश सरकार ने आगामी बिहार चुनाव से बेरोजगार युवाओं को बड़ी सौगात दी है। सरकार ने युवाओं को आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना का दायरा बढ़ा दिया है। अब इस योजना का लाभ स्नातक (कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय से) उत्तीर्ण युवक-युवतियों को भी मिलेगा। यह योजना पहले 12वीं पास बेरोजगारों के लिए थी। इस योजना के तहत 20 से 25 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे युवक-युवतियां, जो ना तो आगे की पढ़ाई कर रहे हैं और ना ही किसी प्रकार के रोजगार (सरकारी, निजी, स्वरोजगार) से जुड़े हैं, उन्हें प्रत्येक माह 1000 रुपये की दर से अधिकतम दो वर्षों तक भत्ता दिया जाएगा।

नीतीश सरकार की 'सात निश्चय-2' योजना के तहत इसे वर्ष 2025-26 तक के लिए विस्तारित किया गया है। योजना का शुभारंभ दो अक्टूबर 2016 को हुआ था और अब इसमें स्नातक पास बेरोजगारों को भी शामिल कर लिया गया है। इस योजना से जुड़ने वाले युवाओं को श्रम संसाधन विभाग, बिहार द्वारा निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे वह आगे रोजगार या स्वरोजगार के लिए खुद को तैयार कर सकें।

इस योजना का लाभ लेने के इच्छुक युवक-युवतियां अपने जिले के जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र से संपर्क कर सकते हैं या फिर योजना के वेब पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना से जुड़ी जानकारी या किसी समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकार ने टोल फ्री युवा निश्चय सुविधा केंद्र भी शुरू किया है। इच्छुक युवा 1800-3456-4444 पर कॉल कर सकते हैं।

ट्रेन से कटकर रेलवे अधिकारी की मौत, स्टेशन पर मची अफरातफरी

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली जिले के सोनपुर स्टेशन पर एक रेलवे अधिकारी ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही मृत्यु हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, जोगबनी से दानापुर जा रही इंटरसिटी ट्रेन में चढ़ने के दौरान रेलवे अधिकारी का पैर फिसल गया और वे ट्रेन से नीचे गिर गए। इसके बाद ट्रेन से कटने से उनकी मौत हो गई।

मौके पर पहुंची रेल पुलिस की टीम एवं स्टेशन पर मौजूद रेलवे अधिकारी ने शव को रेलवे ट्रैक से बाहर निकाल कर मृतक की पहचान की। मृतक रेलवे अधिकारी की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना के दूबहा निवासी स्व. राजदेव सिंह के पुत्र विजय कुमार सिंह के रूप में हुई।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर सोनपुर रेल मंडल कार्यालय के डिप्टी चीफ कंट्रोलर के पद पर कार्यरत थे। ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते समय उनका पैर फिसलने से यह भयानक हादसा हुआ। हादसे की खबर मिलते ही स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते दर्जनों लोग घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए और भयानक हादसा देख कांप उठे। परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे स्टेशन परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही डीआरएम, सीनियर डीओएम, डीओएम समेत कई वरीय पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। जीआरपी थानाध्यक्ष मंजू देवी ने बताया कि विजय कुमार सिंह के शव को कागजी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा गया।

सीमांचल को मिली बड़ी सौगात, 26 अक्टूबर से पूर्णिया-दिल्ली के बीच उड़ेगी इंडिगो की सीधी फ्लाइट

पूर्णिया सीमांचल की जनता के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। छठ महापर्व से ठीक पहले 26 अक्टूबर से पूर्णिया और दिल्ली के बीच सीधी हवाई सेवा की शुरुआत होने जा रही है। इंडिगो एयरलाइन्स का विमान अब दोनों शहरों के बीच रोजाना उड़ान भरेगा और खुशखबरी यहीं खत्म नहीं होती। इंडिगो इसी महीने हैदराबाद के लिए भी अपनी सेवाएं शुरू करने की योजना बना रहा है।

यात्रियों के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित होगी। दिल्ली से उड़ान भरने वाला विमान सुबह 10:45 बजे रवाना होकर दोपहर 12:50 बजे पूर्णिया पहुंचेगा। वहीं, वापसी की उड़ान दोपहर 1:50 बजे पूर्णिया से रवाना होकर शाम 3:55 बजे तक दिल्ली पहुंच जाएगी। पूर्णिया हवाई अड्डा के डायरेक्टर डी.पी. गुप्ता ने इस रूट पर हवाई सेवा की शुरुआत की पुष्टि की है। यह सेवा 26 अक्टूबर से शुरू होगी, जिस दिन छठ महापर्व का खरना व्रत भी है।

दिल्ली हवाई सेवा शुरू होने की खबर मिलते ही सीमांचल की जनता में भारी उत्साह देखने को मिला। खासतौर पर छठ पर्व के दौरान दिल्ली से घर लौटने वाले लोगों ने टिकटों की बुकिंग शुरू कर दी है। कई यात्रियों ने सीधी उड़ान की उम्मीद में पहले टिकट बुक नहीं कराए थे। शुरुआती चरण में किराया भी वाजिब रखा गया है, जिससे यात्रियों में काफी उत्साह है।

पूर्णिया एयरपोर्ट ने शुरुआत के पहले ही पखवाड़े में अपनी क्षमता साबित कर दी है। कोलकाता और अहमदाबाद जैसे प्रमुख शहरों के लिए शुरू हुई फ्लाइट्स को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। हजारों यात्रियों ने अब तक इस एयरपोर्ट से यात्रा की है, जिससे यह साफ हो गया है कि सीमांचल में हवाई सेवा की कितनी बड़ी मांग थी। यात्रियों के इस शानदार रिस्पॉन्स ने इंडिगो को प्रोत्साहित किया है, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली सेवा की घोषणा की गई है। साथ ही, कंपनी जल्द ही हैदराबाद के लिए भी उड़ान शुरू करने की तैयारी में है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com